परम सत्य

आज सुबह यहां आकर खुशी हुई, और इस प्रोत्साहन के वचन को सुनकर, ठीक जब मैं मंच पर आ रहा था। देर से आने के लिए क्षमा चाहता हूं। लेकिन वहां पीछे जो लोग बाहर बीमार हैं, जैसे कारों में, एम्बुलेंस, और—और मुझे उन्हें मिलना था जो अंदर नहीं आ सकते है, आप देखिए, इससे पहले कि मैं अंदर आ पाता।

2 अब, मैं सोचता हूं कि क्या वह बहन जिसके पास वो—वो छोटा बालक है, यदि वह इस दोपहर को वापस नहीं आ सकती है। यदि प्रभु की इच्छा हुई तो मैं आज शाम को भी प्रचार करना चाहता हूँ। यदि वो समर्पण के लिए वापस नहीं आ सकती है, जबकि मैं इस बार बहुत समय से खड़ा हूं, तो ठीक है, उसे कहे, वह अब बालक को ला सकती है। लेकिन यदि वह आज रात वापस आ सके, तो यह हमारे लिए थोड़ा बेहतर होगा। लेकिन वह जो कुछ भी कर सकती है, चाहे जो भी उसका अर्थ हो। क्योंकि, वह वापस नहीं आ सकती है, हम समर्पण के लिए उस बालक को अभी लाएंगे। और अब, ये सब... जबकि मैं बोल रहा हूं, यदि वह अभी आना चाहती है, और यही समय ठीक रहेगा।

3 अब, आज रात, एक बहुत ही खास बात है, मैं—मैं आज रात इस विषय पर बोलना चाहता हूं, एक भविष्यवाणी का संदेश: *श्रीमान, क्या यही समय है?* इसलिए यदि प्रभु ने चाहा, तो मैं आज रात इस विषय पर बोलना चाहता हूं। *क्या यही समय है, श्रीमान?* या, *श्रीमान, क्या यही समय है?* मेरा मतलब। और फिर मैं इस अवसर का लाभ कलीसिया की उपस्थिति में उठाना चाहता हूं। जो कि, पिछले कुछ दिनों में बहुत सी चीजें घटित हुई हैं, जो एक—एक बड़ी चीज की ओर संकेत करती है जो मुझे समझ में नहीं आती। लेकिन हम, हम हमेशा... परमेश्वर के मार्ग मनुष्य की समझ से परे हैं, इसलिए हमें केवल विश्वास के द्वारा चलना है। यदि कोई परमेश्वर की व्याख्या कर सके, तो फिर विश्वास करने की आवश्यकता ही न रहेगी, क्योंकि आप—आप तब जानते हैं। लेकिन हम केवल विश्वास के द्वारा ही चलते हैं।

4 और आज सुबह, मैंने सोचा कि मैं कोशिश करूंगा कि बस एक नियमित

सुसमाचारक की सभा करूं, क्योंकि, जब मैं यहां आया और बहुत से लोगों को खड़े हुए देखा, और वे काफी लंबे समय से प्रतीक्षा कर रहे थे, तो मेरा विचार बदल गया। और फिर, आज रात, हो सकता है यहां कुछ कम लोग हो, और फिर मैं इसके साथ आगे बढ़ सकता हूं जो मैं कहना चाहता हूं।

5 एक बात की मैं घोषणा करना चाहता हूं, जबकि उनमें से कई एकत्र हुए हैं, आप में से बहुत से एक साथ हैं। यह कुछ ऐसी बात है जिसे मैंने पिछले कुछ हफ्तों से घोषणा करने से पीछे हट रहा हूं। अर्थात, आपकी प्रार्थनाएं स्वीकार कर ली गई है जो सरकार के साथ मेरे टैक्स मामले के संबंध में थी। इसका समाधान हो गया है। और इसलिए हम... यह—यह अब खत्म हो गया है। जैसा कि आप में से कई लोग समझते हैं कि मेरे खिलाफ उनका मुद्दा वे चेक थे जो प्रचार अभियान के लिए लिखे गए थे, फिर भी उन्होंने बाहर जाकर यह बोलने की कोशिश की कि वे चेक मेरे निजी थे। और मुझसे लगभग तीन लाख पचास हजार डॉलर वसूल करना चाहते थे मेरी व्यक्तिगत संपत्ति होने का दावा किया गया था, और यह ऐसा नहीं था। यह अभियान की संपत्ति थी। और कलीसिया इसके बारे में जानती है। आप सभी लोगों को भी इस बारे में पता हैं। और अंत में वे उस स्थान पर पहुँचे कि...

6 मैं आपको बस एक छोटी सी रूपरेखा देता हूं कि क्या हुआ। मुझे लगता है कि इस मामले को लगभग तीन से पांच वर्ष हो गए, लगभग, तक़रीबन पांच वर्ष, और बार–बार उलट–पलट होती रही, चरित्र और सब कुछ ऊपर–नीचे हुआ। लेकिन मैं बहुत आभारी हूं कि उन्हें मेरे खिलाफ कुछ भी नहीं मिला, इसलिए वे इसके लिए मुझ पर अभियोग नहीं लगा सके। तो वहां कुछ भी अभियोग लगाने योग्य बात नहीं थी, केवल, उन्होंने कहा, बस मेरी—मेरी अज्ञानता है, मेरी अपनी, मुझे लगता है, कानून के विषय में ज्यादा जानकारी न होने के कारण। वे मेरे लिए चेक लाते है और मैं उन पर हस्ताक्षर करता हूं, उन पर अपना नाम लिखता हूं, उन्हें अभियान में डाल देता हूं। लेकिन फिर, जब तक मैं उन चेक पर अपना नाम लिखता हूं, वे मेरे ही होते थे, आप समझे। कोई फर्क नहीं पड़ता...
कहा, "यह आपके लिए ऐसा करना बहुत अच्छा है। लेकिन वे चेक आपके थे, और फिर आपने उन्हें कलीसिया को दे दिया। लेकिन जैसे ही आपने उस पर अपना नाम लिख दिया, यह आपके थे, इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि वे चेक किसी भी काम के लिए दिए गये हो। वो चेक आपके नाम

लिखा गया था।” इसलिए... और यदि उन्होंने लिख दिया... किसी ने वहां पर लिख दिया होता था, “व्यक्तिगत उपहार,” तो यह सब ठीक होता। लेकिन उन्होंने बस उसमें लिखा, “विलियम ब्रन्हम।” समझे? और जब मैंने अपना नाम उस पर लिख दिया, तो काम पूरा हो गया। सारी बात उसी की थी। इसलिए वे... और फिर अंत में प्रार्थना के साथ...

7 और फिर कुछ समय पहले, आप जानते हैं, वे... मेरे पास दर्शन था कि एक घोर, काला सा, धूएँ के रंग का, धूएँ से भी काला, खुरदरी त्वचा वाला, एक मगरमच्छ के जैसा, मनुष्य आकर, लोहे की उंगलियों के साथ मेरी ओर बढ़ रहा था। मेरे पास एक छोटा सा चाकू था, *इस* तरह का। और उस पर लिखा हुआ था, “संयुक्त राज्य सरकार।” और मैं कुछ भी मदद नहीं कर सकता था। मैं असहाय था। और फिर प्रभु प्रकट हुआ, और इसे जीता गया था। और आपको याद होगा कि मैं आपको बहुत पहले बात बताई थी।

8 और उन्होंने एक दिन समझौते का प्रस्ताव रखा। और मेरे वकील, न्यू अल्बानी में श्रीमान ऑर्बिसन, और इंडियानापोलिस में आइस एंड मिलर, टैक्स मामले पर, मुझे बुलाया, और मुझे कहा, “यहाँ आ जाए।” और मैं वहां पर गया, भाई रॉबर्सन और मैं, और मेरी पत्नी, और यहां कलीसिया के ट्रस्टी, और हम सभी लोग गये। हम वहां पर गए। और उन्होंने हमें बताया कि वे लोग, सरकार, समझौता करने को तैयार है।

9 और मैंने कहा, “मुझे, यदि किसी को कुछ भी देना है, तो मैं उन्हें भुगतान कर दूंगा। लेकिन मैं अपनी तरफ से पूरी कोशिश करता हूं। लेकिन,” मैंने कहा, “मैं इसका कोई कर्जदार नहीं हूं।” और इसलिए मैंने कहा, “मैं—मैं... ऐसा है, ईमानदारी से कहूं। परमेश्वर जानता है। और वे मुझ पर अभियोग क्यों नहीं लगाते, यदि मैं दोषी हूं?” मैंने कहा, “उनके पास ऐसा करने की कोशिश करने के लिए पांच वर्ष थे, लेकिन उन्हें ऐसा करने के लिए कुछ भी नहीं मिला।” इसलिए मैंने कहा, “नहीं, मैं इंकार करता हूं। मैं बस तब तक कर्ज नहीं चुकाऊंगा जब तक यह साबित न हो जाए कि मैं इसका कर्जदार हूं।”

10 और फिर वकील मुझे अंदर ले गया और मुझसे बात की, और कहा, “अब, हम मामले की सुनवाई कर सकते हैं। सरकार इसकी सुनवाई करेगी।” और कहा, “जब वे ऐसा करते हैं, केवल एक चीज जो वे आपके

विरुद्ध पा सकते हैं, वह यह थी कि आप... " मैंने जैसा ठीक समझा वैसा किया। मैं बस ऐसे ही नहीं किया...

11 मुझे हिसाब–किताब रखने के बारे में कुछ नहीं पता, इसलिए मुझे बस वैसे ही करना था जैसे मैं ईमानदारी से समझता था। और यह—यह कभी भी मेरे नाम पर बैंक में जमा नहीं किया गया था। इसे हमेशा ही कलीसिया के अभियान के नाम पर बैंक में जमा किया गया था और इत्यादि चीजे, समझे, इसलिए यह ऐसा कुछ नहीं था कि मैं इसके बारे में कर सकूं। और मैं...

12 उसने कहा, "ठीक है, वे पंद्रह हजार डॉलर पर समझौता करने को तैयार हैं, दस हजार डॉलर के जुर्माने के साथ।" और वकील की फीस पन्द्रह हजार थी। इस तरह मुझे चालीस हजार देने थे। और इसलिए फिर वे पांच हजार और चाहते हैं, मुझे लगता है अभी ऐसी स्थिती है। इसलिए मैं गया...

13 मैंने कहा, "दुनिया में कहीं से भी मुझे चालीस हजार डॉलर कैसे मिलेंगे? " मैंने कहा, "आप जानते हैं, यहां मेरा बैंक खाता है, इसमें लगभग सौ डॉलर होंगे या हो सकता है उससे भी कम हो।" मैंने कहा, "मैं चालीस हजार डॉलर कहां से लाऊंगा? " और मैंने कहा, "मेरे पास गिरवी रखने के लिए कुछ भी नहीं है। बस मेरे पास उतने पैसे है ही नहीं। बात ख़त्म।"

14 और उसने कहा, "श्रीमान। ब्रन्हम, " उसने कहा, "यहाँ बात ऐसी है। यदि हम केस को लड़ें, " उसने कहा, "इसमें कोई संदेह नहीं है, लेकिन हम केस को जीत सकते हैं।" उसने कहा, "लेकिन यहाँ बात ऐसी है। हम इसे हरा सकते हैं, क्योंकि यहाँ पर मैं ऐसा करूंगा। वे उन सभी बातों का दावा करेंगे यह आपके है क्योंकि आपने इस चेक पर अपने नाम के हस्ताक्षर किए हैं। और वे दावा करेंगे कि यह आपके है, भले ही यह प्रचार अभियान के नाम पर बैंक में जमा किया गया था, कलीसिया, ब्रन्हम अभियान, और फिर एक कलीसिया के नाम।"

15 और ना ही एक बार भी, उन्हें एक पैसा भी नहीं मिला जो मैंने कभी अपने आप पर खर्च किया हो। यही सच है। परमेश्वर जानता है। यहां ठीक अभी ऐसे लोग बैठे हुए हैं, जो हमेशा से मेरे साथ रहे हैं। वहां अपने खुद के लिए एक पैसा भी खर्च नहीं किया था। यह सब परमेश्वर के राज्य के लिए था, हर जगह, हर एक चेक, बाकी की हर एक चीज।

16 लेकिन, इसे देखें, लेकिन इससे कोई फर्क नहीं पड़ता। यह—यह पहले तो मेरा होना चाहिए, और उसके बाद कलीसिया का, प्रचार अभियान का। और उनके पास इसे करने के कई तरीके होते हैं, आप जानते हैं, तरह–तरह के बच निकलने के रास्ते निकाल लेते हैं। तो फिर मैंने कहा, "तो ठीक है, मैं—मैं बस ऐसा नहीं करूंगा।"

17 और उसने कहा, "तो ठीक है, यदि हम इस तरह से मामले को जीत भी जाए, क्योंकि, मैं—मैं उन चेक को 'व्यक्तिगत उपहार' घोषित कर दूंगा। समझे? मैं इसे सरकार के सामने इसे घोषित कर दूंगा, 'व्यक्तिगत उपहार।'" और कहा, "फिर, जब मैं ऐसा करूँगा, तो दस हजार डॉलर से अधिक की राशि मेरी जायदाद मानी जाएगी। तब आप फिर उसी झंझट में फँस जाएँगे, और वे अगले पाँच साल तक आपको पकड़कर, फिर उन सब की जाँच करते रहेंगे।" देखा? जब आप एक चेक लिखते हैं, तो यह शोध गृह में से होकर जाता है। वे फोटो निकालकर, उस चेक की कॉपी रख लेते हैं। बिल्कुल, मेरे सारे चेक की कॉपी भी ली गयी थी, जो इसमें से होकर निकले। इसलिए उन्होंने कहा, "यही है जहां वे आपको फिर से पकड़ लेते हैं।"

18 और उसने कहा, "एक और बात, श्रीमान ब्रन्हम, यदि कभी सरकार की ओर से इस तरह से बुलाकर, आपकी जाँच की जाए, तो फिर चाहे आप कुछ भी करें, जनता की दृष्टि में 'आप एक बेईमान' ही समझे जाते हैं। समझे? बस यही बात है।"

19 इस छोटे से बैपटिस्ट सेवक की ओर देखे जो यहां मिसिसिपी में है, उस छोटे से व्यक्ति को। एक महिला ने कहा कि वो उसके पास आया और उसका अपमान किया। और वह व्यक्ति पूरे देश भर से और हर कहीं से प्रमाण लेकर आया, कि यहां तक कि वह उस दिन उस शहर के आसपास भी नहीं था, उससे पहले, उस दिन या उसके बाद के दिनों में, यहां तक कि न्यायाधीश उस मामले को पलटकर और उसे उस महिला पर बदनामी के लिए मुकदमा चलाने को तैयार था। उसने कहा, "उसे जाने दो।"

20 और जब इसे पूरे देश में एक *जनमत* सर्वेक्षण पर रखा गया था, तो आप जानते हैं कि क्या हुआ? पचहत्तर प्रतिशत अमेरिकी लोगों ने कहा, "जहां धुंआ होता है, वहां आग होती है।" और वह बेचारा छोटा सा व्यक्ति, उतना ही निर्दोष था, जितना मैं, या कोई और होता, फिर भी उसे सारी

उम्र उस बदनामी का बोझ उठाना पड़ेगा, जबकि उसका उससे कोई संबंध ही नहीं था।

21 मुझे कुछ समय तक बहुत ही बुरा लगा, यह सोचकर कि मैंने अपना जीवन परमेश्वर के राज्य के लिए समर्पित कर दिया, कि इस बात की कोशिश करूं, लोगों को टैक्स चुकाने के लिए बताऊं, और उन कामों को करने के लिए, और जो सही है उसी काम को करे, और धोखेबाज को सही व्यक्ति बनाने की कोशिश करूं; और मुझे ऐसे पेश किया गया जैसे मैं स्वयं एक धोखेबाज व्यक्ति हूं। मैंने सोचा, "आखिर मैंने किया क्या है?"

22 और फिर यह बात मेरे मन में आयी, और मैंने बाईबल में देखा। बाईबल में हर एक व्यक्ति, बिना कोई अपवाद के, जिसके पास कभी आत्मिक पद या सेवा के कार्य में था, यदि शैतान उन्हें नैतिकता या किसी अन्य बात पर नहीं फंसा सका, तो सरकार ने उन्हें पकड़ लिया। आप पीछे कहीं भी जाना चाहे जाकर देख ले, पीछे सभी के साथ ऐसा हुआ: मूसा, दानिय्येल, इब्रानी बच्चे, यूहन्ना बपतिस्मा देने वाला। यीशु मसीह को राज्यपाल के द्वारा मृत्युदंड दिया गया। पौलुस, पतरस, महान याकूब, छोटा याकूब, उनमें से हर एक की मृत्यु सरकार के आदेश से हुई।

23 क्योंकि, ऐसा है, हर एक सरकार, ये शैतान का आसन—आसन है। यीशु ने ऐसा कहा। बाईबल भी यही कहती है। समझे? हर एक सरकार शैतान के द्वारा नियंत्रित होती है। वहां एक सरकार आ रही है जो मसीह के द्वारा नियंत्रित होगी, लेकिन यह सह–शताब्दी में होगा। लेकिन यह, ये सरकार अब, कोई फर्क नहीं पड़ता कि हम कितना भी सोचे कि वे अच्छे है, फिर भी, उनके पीछे, उन—उन पर शैतान का अधिकार है। "ये राज्य," उसने कहा, "ये मेरे हैं। मैं उनके साथ जो चाहूं, कर सकता हूं। मैं इन्हें तुम्हें दे दूंगा, यदि तुम मेरी आराधना करोगे।"

24 यीशु ने कहा, "शैतान, यहां से चला जा। 'तू प्रभु की आराधना करना, और केवल उसी की सेवा करना।'"

25 और फिर मैं निराश हो गया। मेरी पत्नी मेरी बात सुन रही है। मैं आगे बढ़ा, मैंने कहा, "नहीं, श्रीमान। मैं, यदि मुझ पर कर्ज होता, तो मैं इसे चुका देता। मुझ पर इसका कोई कर्ज नहीं है, और मैं बस इसे नही चुकाऊंगा। बस इतना ही।" मैंने कहा, "किसी भी तरह, मैं इसका भुगतान कैसे कर सकता हूं?"

26 इसलिए, मैं घर चला गया। मैंने कहा, "मेडा, बच्चों का मुंह धो दो। उनके कपड़े तैयार करो। मैं जा रहा हूं।" मैंने कहा, "वे यहां तक... सबकुछ, यह बस उल्टा-पुल्टा हो गया है।"

27 मैंने कहा, "मैंने क्या किया है? मुझे बताओ।" मैंने कहा, "फिर भी, मुझे, चालीस हजार डॉलर देने को कहते है? उफ़! तुम्हें अंदाज़ा नहीं कि मेरे लिए इसका क्या मायने रखता है।"

और उसने अंदर आकर, एक अच्छी छोटी पत्नी की तरह, बोली...

मैंने कहा, "मैं जा रहा हूं।"

28 उसने कहा, "आपको लगता हैं कि इससे कोई लाभ होगा? क्या आपने इसके लिए अभी तक प्रार्थना की है? "

29 सोचा, "तो ठीक है, शायद मुझे फिर से प्रार्थना करनी चाहिए।" मैं वापस अंदर चला गया। ऐसा दिखाई दिया जैसे उसने मुझसे एक वचन कहा।

30 हम हमेशा ही वचन को देखना चाहते हैं, परमेश्वर ने इसके बारे में क्या कहा, आप देखे।

31 और एक दिन, उससे यह पूछा गया था, आप जानते हैं, असल में उसे सरकार के सामने दोषी ठहराने की कोशिश—की कोशिश कर रहे थे। उन्होंने कहा, "क्या यह उचित है कि हम आजाद यहूदी लोग कैसर को कर दे या टैक्स दे? "

उसने कहा, "तुम्हारे पास एक पैसा है? " कहा, "इसके ऊपर किसका शिलालेख बना है? "

कहा, "कैसर का।"

32 कहा, "फिर कैसर की चीजें तुम कैसर को दो। और परमेश्वर की चीजें है, वो परमेश्वर को दो।"

33 मैंने इसके बारे में सोचा। मैंने बाईबल को खोलकर और इसे पढ़ा। मैंने सोचा, "सच में, प्रभु, यह सही है। लेकिन *यह* कैसर का नहीं है। यह आपका था। यह कैसर का नहीं था। यदि यह मेरा होता था, तो मुझे और अधिक टैक्स या कुछ तो और देना पड़ता था, तो, यह अलग बात होती, कि यह कैसर का होता था। लेकिन, *यह*, यह तो आपका है। देखा? और यह—यह पहले स्थान पर ये कैसर का था ही नहीं।"

34 आप जानते हैं, उसके पास हमेशा ही वचन में उत्तर होता है। मैंने बस थोड़ा आगे पढ़ा, और उसने कहा, "शमौन, बताओ, क्या तुम्हारी जेब में मछली का काँटा नहीं है?" समझे? "तुम हमेशा ही एक छोटी सी मछली का काँटा और एक मछली पकड़ने की तार को अपने साथ रखते हो। और मैंने आज सुबह ही वहां नीचे नदी के किनारे—किनारे मछली बैंक में जमा करवाया है, आप जानते है।" उसने कहा... "मैंने जमा करवाया है, और बैंक वाला निश्चय ही उसे दे देगा जो उसके पास है। बस वहां नीचे जाकर और काँटे को नदी में डाल दो। और जब तुम किनारे पर पहुंचो, तो मछली का मुंह खोलना, तुम देखो, और वो—वो सिक्के को देगी। आओ हम उन्हें ठोकर ना खिलाये। उनके लिए ठोकर का कारण ना बनो। समझे? जाकर टैक्स को भर दो, शमौन। यह मेरे और तुम्हारे लिए होगा।"

35 मैंने सोचा, "सच है, परमेश्वर। आपके पास देश भर में मछली के बैंक और बाकी हर एक चीज है। मैं नहीं जानता कि यह कैसे पूरा होगा।"

36 लेकिन हम फिर भी वहां गए। मेरे यहाँ पर कलीसिया के भाई लोग है जो मेरी बात पर भरोसा करके साथ खड़े रहे, और मैंने एक नोट लिखकर दिया, और चालीस हजार डॉलर उधार लेकर, और इसका भुगतान कर दिया।

37 मैं घर चला गया। मैं जानना चाहता था कि मैंने उस चेक को किस तरह से लिखा था, यदि वे कभी मेरे पास फिर से वापस आते हैं। मैंने कहा, "कहने का तात्पर्य यह है कि मैं सारे टैक्स से आजाद हूं। तो, ये अच्छा होगा उन्हें इस एक पर अपनी स्वीकृति दे देनी चाहिए, नहीं तो बाद में वे बड़ी मुसीबत में पड़ जाएंगे।" मैं बैंक को बार–बार फोन करता रहा, यह देखने के लिए कि क्या वे ऐसा करेंगे।

और, अंत में, बॉब ने मुझे बताया, कहा, "बिली, उन्होंने इसे कर दिया।"

38 मैं अंदर गया और पत्नी के चारों ओर अपना हाथ रखा, मैंने कहा, "प्रिय, मैं आजाद हूं।" आजाद होने की, क्या ही अनुभूति है!

39 और इसलिए मैं इसे अब वापस चुका सकता हूं, उन्होंने इसे मेरे लिए इसे बहुत ही आसान बना दिया। मैं इसका भुगतान चार हजार डॉलर प्रति वर्ष कर सकता हूं। अब, मैं अब और समय नष्ट नहीं कर सकता, दोस्तों। मुझे बाहर निकलकर काम पर जाना है। इसलिए मैं—मैं... इसे चुकाने में

मुझे दस वर्ष लग जायेंगे। और यदि—यदि यीशु नहीं आता है। और जब यह, जब वह आता है, सारे कर्जे समाप्त हो जाते है, जो भी हो। देखा? इसलिए, तब, मैं—मैं आशा करता हूं कि आप सब... आपकी प्रार्थनायें... और, आज रात, मैं इसी विषय पर कुछ तो आगे जारी रखूंगा। लेकिन आपकी प्रार्थनाओं ने मेरी सहायता की है। आपका बहुत-बहुत धन्यवाद। परमेश्वर आपको आशीष दे। कोई फर्क नहीं पड़ता कि हम कहीं पर भी हो, मैं इसे कभी नहीं भूलूंगा।

40 आज रात, यदि प्रभु ने चाहा, तो मैं कुछ ऐसे तथ्यों को बताना चाहूँगा जो मैं जानता हूं। और निश्चित रूप से आना है। अब, याद रखें: *श्रीमानो, यह कौन सा समय है?*

41 अब, हम जा रहे हैं... मैं विश्वास करता हूं, कि उन्हें इस सप्ताह... का बाकी का पूरा कार्यक्रम मिल गया है। और सोमवार की रात को... सभायें, आज रात, आज और आज रात, और सोमवार को होंगी। सोमवार रात जागने की सभा है। और—और तब यह आपके लिए मंगलवार का दिन हो जायेगा, नए वर्ष का दिन; यदि आप शहर से बाहर आये हैं, तो घर वापस जा सकते हैं।

42 और अब हमारे पास उस सभा के लिए यहाँ पर कुछ अच्छे सेवक होंगे। हम, एक—एक अच्छे बोलने वाले वक्ताओं का बड़ा झुण्ड, और हर कोई मध्यरात्रि तक अंतराल देकर बोलेगा। और कभी-कभी वे प्रभु भोज को लेते हैं, यदि यह पंक्ति में होता है। मुझे नहीं पता कि वे इस बार लेंगे या नहीं। ठीक उसी समय जब बाहर वे चिल्ला रहे होते है, शोर मचा रहे होते है, गोली चला रहे है, शराब पी रहे होते है और ऐसी ही हरकतें करते है, उस समय हम प्रभु भोज को लेते हैं। आमीन। नए वर्ष की शुरुआत प्रभु भोज के साथ करते है। अब, आप सभी आमंत्रित हैं। और मैं आशा करता हूं कि, आप, स्वर्ग का परमेश्वर आपको एक अवसर देगा कि आप वहां रुके, यदि आप रुक सकते है तो।

43 अब, इससे पहले कि हम वचन की ओर जाए, मैं यह भी कहना चाहता हूं, कि मैं निश्चिय ही इस कलीसिया को धन्यवाद देता हूं, इसके सदस्यों को, इस अच्छे सूट के लिए जो आपने मेरे लिए खरीदा है। आपका बहुत, बहुत धन्यवाद। यह मेरे लिए बहुत मायने रखता है। आपके सारे कार्ड और चीजें इस—इस—इस क्रिसमस के ऋतु में जो मुझे मिले है, और आपके

द्वारा परिवार को भेजे गए उपहार, और, ओह, मैं, वे मेरे लिए अनगिनत थे। और वे छोटी–छोटी चीज़ें जो मेरे हृदय के उस स्थान को छू भी नहीं सकतीं, मुझे उतनी खुशी किसी और बात से नहीं मिल सकती, जितनी यह जानकर मिलती है कि यह चीजें आपसे आयी है। और सो उनमें से कुछ लोगों ने मुझे अपने क्रिसमस के उपहारों में से कुछ पैसे भेजे।

44 और उनमें से कुछ ने ऐसी चीजे भेजी। एक भाई ने मुझे एक बटुआ भेजा, और उसने उस पर मेरा नाम लिखावाया था। एक छोटी सी पिन जिसमें से होकर आप देखते हैं, और उसमें प्रभु की प्रार्थना लिखी हुई है। और, ओह, इस तरह की चीजें, यह बस, हम बस खजाने की तरह रखते है। पत्नी और मैं, और बच्चे आपको बोलना चाहते हैं, "बहुत, बहुत धन्यवाद।" इतना कहना बहुत ही कम है। लेकिन मैं यह कहूंगा, यह सबसे बड़ा शब्द है जो मुझे लगता है कि कोई भी कह सकता है, "परमेश्वर आपको आशीष दे।" इससे बड़ा कुछ भी नहीं हो सकता।

45 अब, और यहां कलीसिया के इन भाइयों के लिए, जिन्होंने मेरे लिए वह बंदूक खरीदी थी, मैंने—मैंने अपना सूट पहना है, लेकिन मैं—मैं बंदूक को कलीसिया में नहीं ला सकता। लेकिन ऐसा था... उनके पास वास्तव में मेरे विरोध में कुछ तो बोलने का कारण होता, क्या उनके पास नही होता? इसलिए मैं—मैं—मैं निश्चय ही आपको धन्यवाद देता हूं, मेरे भाइयों। और मैं उनके नाम पढ़ने जा रहा था थोड़ी... लेकिन उन भाइयों में से कल एक भाई ने कहा, "ओह, मुझे धन्यवाद ना—ना—ना करे, भाई ब्रन्हम। ये बस इसमें से सारे आनंद को ही खत्म कर देगा।" समझे? इसलिए मैंने सोचा कि हो सकता है बाकी के लोग भी यहीं सोचेंगे। लेकिन मेरे पास आपके नाम है। उन्होंने इसे टाइप किया है। मैं इसे हमेशा याद रखूंगा। और प्रभु आपको बहुत आशीष दे।

46 और आप जानते हैं कि मैं कहाँ पर विश्राम मिलता है, और उस निजी कमरे में जाता हूं और वहां बैठा रहता हूं, और वहीं पर ही रहता हूं। जब मैं बहुत परेशान हो जाता हूं, मैं आगे नहीं जा सकता, तब किसी शिकार यात्रा के बारे में सोचता हूं, मैं कहीं तो चला जाता हूं, या कहीं मछली पकड़ने चला जाता हूं। मैं इसकी सराहना करता हूं। परमेश्वर आपको आशीष दे।

47 अब, क्या हम कुछ क्षण के लिए अपने सिरों को झुका सकते हैं, जब हम वचन के निकट आते हैं। मुझे यकीन है कि आज सुबह यहां पर निवेदन

है, बहुत अधिक संख्या में अब गिना नही जा सकता है। इसलिए मैं सोचता हूं, जबकि हमने अपने सिरों को झुकाया है, आपकी विशेष विनंती के लिए, यदि आप इसे अपने ह्रदय में रखें, और बस अपने हाथों को उठायें, और कहें, "परमेश्वर, आप जानते हैं कि मैं अब क्या सोच रहा हूं।"

48 प्रभु यीशु, आप हर एक हाथ देखते हैं। और आप जानते हैं कि इसके पीछे क्या है। उस हाथ के नीचे एक विनंती रखी हुई है। और अब हम आदरपूर्वक जीवित परमेश्वर के सिंहासन के पास आ रहे है, वह महान सफेद मोती की ओर जो समय के अंतराल के पार फैला हुआ है, जहां यहोवा परमेश्वर वहां विराजमान है, और मसीह का लहू वेदी पर रखा हुआ है। और हम उस लहू में से होकर बोलते हैं, उसी के द्वारा जिसने कहा, "मेरे नाम में पिता से कुछ भी मांगो, यह तुम्हें प्रदान किया जाएगा।" परमेश्वर, क्या आप आज सुबह उनकी प्रार्थनाओं को नहीं सुनेंगे और उनका उत्तर नहीं देंगे? मैं आज उनके साथ अपनी प्रार्थना को रखता हूं, कि आप इसे स्वीकार करें।

49 प्रभु, यहां रुमाल रखे हुए हैं, उनके जो बीमार और पीड़ित है। और हमें बाईबल में सिखाया गया है, कि, "उन्होंने संत पौलूस से रुमाल और कपड़ो को लिया, और उन्हें बीमारों पर रखा गया, और उनमें से अशुद्ध आत्मायें निकल गईं, और बीमारियां दूर चली गईं।" और, पिता, जैसा कि हम लंबे समय से जानते हैं, और हम निश्चित रूप से जानते हैं कि हम संत पौलुस नहीं हैं। लेकिन, आखिरकार, हम महसूस करते हैं कि यह संत पौलुस नहीं था। बल्कि उसमें यह मसीह था। और आप "कल, आज और युगानुयुग एक सा है," वचन के अनुसार। अब, प्रभु, ये लोग विश्वास करें कि यदि हम परमेश्वर से मांगते हैं, और इन रुमालों को लेकर और उनके बीमारों पर रख दे, तब वे चंगे हो जाएंगे। मैं प्रार्थना करता हूं कि ऐसा ही होगा, प्रभु, जब ये रुमाल बीमारों पर रखे जाएंगे।

50 और जैसा कि कहा गया है, एक बार, इस्राएल अपने कर्तव्य की रेखा में आरंभ कर रहा है, प्रतिज्ञा के देश की ओर जा रहा है, और लाल सागर ने उन्हें ठीक कर्तव्य पथ पर ही रोक दिया। लेकिन परमेश्वर ने उस अग्नि के स्तंभ से क्रोधित आंखों से होते हुए देखा, और वह समुद्र डर गया। और इसने इसकी लहरो को और पानी पीछे की ओर घुमा दिया। और इस्राएल सूखी भूमि में से होते हुए प्रतिज्ञा के देश में चला गया।

51 अब, प्रभु, आज, यीशु के लहू में से होते हुए देखे। और आप विश्वास के इस कार्य को देख रहे हैं जो हम आज सुबह यहां कर रहे हैं। और होने पाए शैतान डर जाए और दूर चला जाए। और होने पाए इन यात्रियों में से हर एक जो उपस्थित है, और इनमें से हर एक रुमाल को उन पर रखा जाएगा, होने पाए वे... मार्ग खुल जाए, और बीमारी दूर हो जाए, और होने पाए वे पवित्र आत्मा के अग्नि के स्तंभ की अगुवाई में प्रतिज्ञा के देश की ओर यात्रा करें। प्रभु, इसे प्रदान करें।

52 अब, सभाओ को, वचनों को, संदर्भ को, पढ़े जाने को आशीषित करें। और प्रभु, होने पाए पवित्र आत्मा आज सुबह वचन को ले, और उसे हम में से हर एक के लिए मधुरता से बांटे, जैसे−जैसे हम किसी महान जबरदस्त चीज के निकट बढ़ रहे हैं, जिसके बारे में हम नहीं जानते कि वह क्या है। प्रभु, हमारे ह्रदय अनोखे रीति से उत्तेजित हुए हैं। और अब हम प्रार्थना करते हैं, जैसा कि हम आदरपूर्वक आपके और आपके वचन के निकट आते हैं, कि आप हमारे लिए इसके अर्थ को अनुवाद करेंगे। क्योंकि हम इसे यीशु के नाम में मांगते हैं। आमीन।

अब, आज रात, मत भूलना... *समय, यह कौन सा समय है?*

53 और अब, इस सुबह, मैं वचन को निकालना चाहता हूं, आप लोगों भी निकाले जिनके पास बाईबल है। या यदि आप चाहें तो इसे बाईबल में चिह्नित कर लें, जहाँ से हम कुछ समय के लिए बोलना चाहते हैं, ये प्रेरितों के काम की पुस्तक में पाया जाता है। हम दो या तीन स्थानों पर से पढ़ेंगे। प्रेरितों के काम 26:15, पहले। प्रेरितों के काम, 25वां अध्याय और 15वां पद, आरंभ करेंगे।

54 तब हम प्रेरितों के काम 23:11 को पढ़ना चाहते हैं। और यदि आप चाहें तो इसके साथ यह भी जोड़ सकते हैं, शायद इसे पढ़ने का समय नहीं होगा, फिलिप्पियों 1:20। यह सब उसी दिशा के, उन्हीं शब्दों के विषय में है।

55 अब, प्रेरितों के काम की पुस्तक में, 26:15, जहां यह इस तरह से लिखा है:

और मैंने कहा, हे प्रभु तू कौन है? और उसने कहा, मैं यीशु हूं जिसे तू सताता है।

... उठ, और अपने पांवों पर खड़ा हो, क्योंकि मैंने तुझे इसलिये दर्शन दिया है, कि तुझे उन बातों का भी एक सेवक और गवाह दोनों ठहराऊं, जो तूने देखी है, और उन चीजों का भी जिनके लिए मैं तुझे दर्शन दूंगा;

और मैं तुझे तेरे लोगों से और अन्यजातियों से छुड़ाता रहूंगा, ... जिनके पास अब मैं तुझे इसलिए भेजता हूं,

कि तू उनकी आंखें खोले, और कि वे अंधकार से ज्योति की ओर, और शैतान के अधिकार से परमेश्वर की ओर फिरे, कि वे पापों की क्षमा पाये, और उन लोगों के साथ जो मुझ पर विश्वास करने से पवित्र किए गए हैं, विरासत पाये।

जिस पर, हे... अग्रिप्पा, मैं उस स्वर्गीय दर्शन के प्रति *अवज्ञाकारी नहीं था:*

परन्तु पहले दमिश्क के फिर यरूशलेम के रहनेवालों को तब यहूदिया के सारे देश में दिखाया, *और उन्हें... फिर अन्यजातियों को समझाता रहा, कि मन फिराओं और परमेश्वर की ओर फिर कर मन फिराव के योग्य काम करो।*

56 प्रेरितों के काम 23 में, और फिर से 11वां पद:

और उस रात प्रभु ने उसके पास आकर खड़े होकर, और कहा, हे *पौलुस, धैर्य रख: क्योंकि... जैसी तूने यरूशलेम में मेरी गवाही दी, वैसी ही तुझे रोम में भी गवाही देनी होगी।*

57 होने पाये परमेश्वर इस अत्यंत अनुग्रहकारी, पवित्र वचन के पढ़ने पर अपनी पवित्र आशीषों को दे जो हमारे सामने है।

58 अब, मैं एक मनुष्य को कहते हुए, या बात करते हुए सुन रहा था, ज्यादा समय नहीं हुआ, और उसने *परम सत्य* शब्द का प्रयोग किया। और मैंने सोचा, "यह बहुत अच्छा शब्द है।" मैंने इसे बहुत बार सुना है, "पूरी तरह से सत्य।" यही है...

59 मैंने वेबस्टर के शब्दकोश में देखा, वेबस्टर के अनुसार, यह "अपने आप में सिद्ध होता है; अपनी सामर्थ में असीमित; प्रमुख रूप से एक अंतिम निष्कर्ष।" और एक *अंतिम निष्कर्ष* होता है "आमीन। ऐसा ही है।" एक *परम सत्य*, यह—यह "सामर्थ में असीमित है," जो *परम सत्य* शब्द है।

यह—यह, “अपने आप में सिद्ध होता है। बस ऐसा ही है। इससे बात ख़त्म हो जाती है।

मैंने सोचा, “यह एक महिमामय बात है। यह एक अद्भुत शब्द है।”

60 और अब, एक शब्द एक व्यक्त किया गया विचार है। पहले, यह अवश्य ही एक विचार होना चाहिए, और फिर यह एक शब्द बन जाता है। क्योंकि, आप अपने शब्दों को बिना सोचे–समझे नहीं कहते हैं।

61 जब हम अन्य जुबान में बोलते हैं, तो हमारे मन में कोई विचार नहीं होता। यह परमेश्वर है जो विचारों को लाता है। यह परमेश्वर का विचार है जो हमारे होठों का उपयोग करता है। जब आप अन्य भाषा में बोलते है हम नहीं सोचते या नही जानते हैं कि आप क्या कह रहे हैं, यदि यह प्रेरणा से कही गई बात है। जब आप अनुवाद करते हैं, तो आप नहीं जानते कि आप क्या कह रहे हैं। आप बस बोल देते हैं। ऐसा ही है। समझे? यही परमेश्वर है। और भविष्यवाणी करते हुए, आप अपने विचारों का उपयोग नहीं करते हैं। यह परमेश्वर है, क्योंकि आप उन बातों को कहते हैं, जिन्हें आप कहने के लिए सामान्य रूप से नहीं सोचते होंगे। समझे?

62 लेकिन *परम सत्य* शब्द “एक अंतिम निष्कर्ष” है। और, इसलिए, मैं सोचता हूं कि हर एक के पास एक अंतिम निष्कर्ष होना चाहिए। और हर एक महान उपलब्धि जो कभी भी हासिल की गई है, उसके पीछे कोई न कोई एक परम सत्य रहा है। कोई फर्क नहीं पड़ता कि यह क्या था, इसके पीछे कोई न कोई एक परम सत्य था। और हर एक व्यक्ति को, कुछ हासिल करने के लिए, पहले उसके पास परम सत्य होना ही चाहिए। और यह अंत में वापस घूमते–घूमते उसी तक पहुँचता है, *इससे, उससे,* और *दूसरी* बातों से होकर, जब तक आप उस परम सत्य, या आमीन, या अंतिम निष्कर्ष पर नहीं आ जाते। आप जो है... दूसरें शब्दों में, आपके पास कुछ तो होना है जिससे आप बंध सके। हर उपलब्धि के लिए बांधने का एक अंतिम खूँटा होता है।। ये कहीं ना कहीं तो होता है। हो सकता है कि कई अलग–अलग रास्तों से होकर जाए जब तक ये उस बांधने के खूँटे तक नही पहुँच जता, लेकिन वहां इन सभी के लिए आमीन होता है। वहां ऐसी एक चीज होना ही चाहिए। आप उस एक परम सत्य के बिना जीवन में आगे नहीं बढ़ सकते।

63 आप, जब आपका विवाह हुआ, तो आपके दिमाग में कुछ बातें घूमती रहीं, जब तक कि आप उस बांधने के खूंटे तक नहीं पहुंच गए। और यह

आपकी पत्नी के लिए प्रेम होना चाहिए था, या आपके पति के लिए। तो ठीक है, हो सकता है वह जॉन की पत्नी जितनी सुंदर नहीं है; या वो, खैर, वो—वो *ऐसी, वैसी,* नहीं हैं। लेकिन उसके विषय में कुछ ऐसा है, जो, आपको, यह आपको प्रभावित करता है। आप—आप—आप कहते हैं, "हो सकता है वह उतनी सुंदर ना हो जैसी दूसरी है," या, "हो सकता है वह लड़का दूसरे की तरह रूपवान ना हो।" लेकिन वहां एक परम सत्य को होना है, कि वह व्यक्ति भिन्न है, और यही है जहां आप पकड़ को बनाए रखते है। यदि वहां ऐसा नहीं है, तो अच्छा होगा कि आप विवाह ना करें। वो बांधने का खूंटा! परम सत्य!

64 हम बाईबल में बहुत से लोगों के विषय में सोच सकते हैं, जिनके पास परम सत्य था। ओह, हम कैसे उस बाईबल की धारा के माध्यम में से होते हुए बढ़ सकते हैं, और अब से बस दो सप्ताह बाद भी यहीं पर होंगे; और यहाँ तक कभी भी सतह को भी नहीं छूयेंगे, यदि हम बाईबल में परम सत्य के बारे में सोचते हैं। उदाहरण के लिए, मैं बस एक या दो लोगों के नाम लूंगा, बस उन्हें संक्षेप में बताऊंगा।

65 अब अय्यूब को ही देखे लीजिए, उसके पास एक परम सत्य था। उस एक धर्मी मनुष्य के लिए सब कुछ गलत हो गया। अब, हम यह कहने का साहस नहीं कर सकते कि वह धर्मी नहीं था, क्योंकि परमेश्वर ने कहा कि वह धर्मी था। धरती पर अय्यूब जैसा एक भी कोई नहीं था। वह परमेश्वर की दृष्टि में सिद्ध था। और वह यह जानता था, क्योंकि उसके पास एक अंतिम निष्कर्ष था। उसके पास एक परम सत्य था, जब सब कुछ विपरीत दिखाई दिया।

66 वहां पर बीमारी आ गई। हो सकता है उसके मित्रों ने कहा होगा, "अब, अय्यूब, तुम्हारी यहां स्थिति है। यह साबित होता है कि तुम पाप कर रहे हो। तुम गलत हो।" और फिर बिशप वहां पर आया। उन्होंने उन्हें अय्यूब के दिलासा देनेवाले कहा। और उसे दिलासा देने के बजाय, उन्होंने उसके जीवन में पाप के आलावा कुछ नहीं देखा, क्योंकि परमेश्वर ने उसके साथ उसी तरह से व्यवहार किया था जो उसकी स्थिति थी।

67 और उसके बालक मारे गए। उसकी—उसकी संपत्ति जल गई थी। उसका—उसका सब कुछ गलत हो गया। और यहाँ तक कि उसकी अपना जीवन भी संकट में है, राख के ढेर पर बैठा हुआ है, उसके सिर से लेकर

उसके पैरों के तलवों तक, फोड़े–फुंसियों निकल आए थे। और यहां तक कि उसकी प्यारी, प्रिय जीवन साथी, उन बच्चों की मां ने भी कहा, "तुम्हें परमेश्वर को शाप देकर और मर जाना चाहिए।" लेकिन इन सब का सामना करने के बावजूद, अय्यूब के पास एक परम सत्य था।

68 ओह, बीमारी के समय में, यदि हम केवल स्वयं को उस परम सत्य से बांध सके!

69 अय्यूब जानता था कि उसने यहोवा की आज्ञा को माना है। और जो कुछ उसने किया उस पर उसका विश्वास था, क्योंकि यहोवा ने इसकी मांग की थी। हम बस ऐसा ही कर सकते हैं। यहोवा ने उसके पाप के लिए होमबलि की मांग की थी। और अय्यूब ने न केवल अपने लिए, लेकिन अपने बच्चों के लिए, होमबलि चढ़ाई थी, और यही सब परमेश्वर की मांग थी।

"ओह," आप ऐसा कह सकते हैं, "काश कि आज उसकी यही मांग होती।"

70 यह उससे भी कम है। केवल उसके वचन में विश्वास करे! और आप, यदि आप उसके वचन को अपना परम सत्य बना लें, तो आप कर सकते हैं, बाईबल में कोई भी दिव्य प्रतिज्ञा, आप अपने प्राण को इससे बांध सकते हैं। कोई फर्क नहीं पड़ता लहरें आपको कितना भी झकझोर डालें, आप अब भी बंधे हुए हैं; आपके परम सत्य से।

71 और उसने इसे थामे रखा। और जब उसके सहायक मित्रों ने कहा, "तुमने पाप किया है," वह जानता था कि उसने ऐसा नहीं किया था। वह धर्मी था, क्योंकि उसने यहोवा की आज्ञा मानी थी। और जब उसका हर...

72 वह मनुष्य वहां पर आया, कहा, "तुम्हारे बच्चे मर गए है।" एक और व्यक्ति आया, कहा, "तुम्हारे सभी ऊँट जल गए हैं। और आकाश से आग नीचे उतर आयी।"

73 देखो उसके परेशान करने वालो ने क्या ही तर्क दिया। "तुमने देखा? आग स्वर्ग से नीचे आयी। अब, अय्यूब, यह साबित करता है।" इससे कुछ भी साबित नहीं होता। "अब, वह तुम्हारे बच्चों को नहीं मारता, अय्यूब; तुम एक धर्मी मनुष्य हो।"

74 "लेकिन," अय्यूब ने कहा, "मैं जानता हूं कि मैंने वही किया है जो सही है।" वो अब भी थामे हुए था। उसके पास कुछ तो था जिस पर वो

मजबूती से बना रह सकता था। ऐसा ही है। उसने इसे स्वीकार किया था। उसने ठीक वही किया था जो परमेश्वर ने उसे करने को कहा था, और वो पूरी तरह से निश्चित था। तो ठीक है।

75 फिर जब वो उस स्थान पर आता है, जब वह परम सत्य को थामे रहता है, तब अंत में वो खिंचाव को बढ़ता हुआ महसूस करने लगता है, जो पहले ढीला चल रहा था, इधर–उधर उछल रहा था, वह अब कसने लगा। और आत्मा उस पर उतर आया। और एक भविष्यव्यक्ता होने पर, वह खड़ा हो गया और उसने कहा, “मैं जानता हूं कि मेरा छुड़ाने वाला जीवित है।” आमीन। देखा? वो उसके परम सत्य को कस कर थामे रहा। वो संपर्क में आ गया था। वह जानता था कि उसने जो किया है वह सही था, और किसी न किसी दिन उसे उसी पर खरा उतरना था। “मैं जानता हूं कि मेरा छुड़ाने वाला जीवित है, और अंतिम दिनों में, वह इस धरती पर खड़ा है। यदपि खाल के कीड़े इस शरीर को नष्ट भी कर दें, फिर भी मैं अपने शरीर में परमेश्वर को देखूंगा।” तब वह जानता था। तब उसका परम सत्य लंगर हुआ है।

76 अब्राहम, एक परम सत्य, बाबुल से, उस मीनार से नीचे आते हुए, और वहां शिनार के अंदर जाता है, और वहां पर जहां वो अपने पिता के साथ परदेशी होकर रह रहा था, और शायद वो एक किसान था। लेकिन एक दिन, कहीं दूर जंगलों में, हो सकता है जामुन को तोड़ रहा हो, या—या अपने भोजन के लिए एक जानवर को मारने जा रहा हो; और कहीं तो वहां पीछे होगा, तब परमेश्वर ने उससे बात की, जब वह पचहत्तर वर्ष का था। और वह... वह और उसकी पत्नी, साराह, जो पैंसठ वर्ष की थी, बिना संतान—बिना संतान की थी। उनके कोई संतान नहीं थी। तब परमेश्वर ने उससे कहा, “तुम्हे साराह से एक बालक होने जा रहा है। लेकिन, इसके लिए, तुम्हें खुद को अलग करना होगा।”

77 परमेश्वर की प्रतिज्ञाये हमेशा ही शर्त पर आधारित होती है। तुम्हें अवश्य ही, बिल्कुल... कोई फर्क नहीं पड़ता कि आप प्रतिज्ञा के साथ कितने भी बुनियादी रूप से पक्के हों, ये हमेशा ही शर्तों के अधीन होता है। किस तरह से हम यहां रुक कर और उस वचन में से होते हुए यहाँ से और वहां से घंटों तक देख सकते है, देखो, कि वह शर्त ही है जो कुछ तो मायने रखती है। आप बस जितना भी चाहें उतने बुनियादी रूप से दृढ़ हो सकते हैं, लेकिन

यह प्रतिज्ञा, पहले से ठहराया जाना, और इत्यादि के द्वारा शर्तों के अधीन होता है। ध्यान दें।

78 अब, “अब्राहम ने, परमेश्वर पर विश्वास किया, और यह उसके लिए धार्मिकता गिना गया।” अब, एक—एक शिष्ट समाज से सामना करना एक पचहत्तर वर्ष के व्यक्ति के लिए क्या ही यह एक—एक भयानक बात होगी, एक पैंसठ वर्ष की महिला के साथ, और जब से वे युवा जोड़े थे, तब से एक साथ रहते थे, क्योंकि वह उसकी सौतेली बहन थी, और अब उसके जरिये से एक बालक होने जा रहा है। लेकिन उसके पास एक परम सत्य था। उसे कोई भी हिलाने वाला नहीं था।

79 और जब, पहले महीने में, ऐसा नहीं हुआ, वो परम सत्य को थामे हुए था, क्योंकि वह जानता था कि उसने परमेश्वर से बात की है। दूसरा महीना, दूसरा वर्ष, दस वर्ष, और पच्चीस वर्ष के बाद, जब वह सौ वर्ष का था, और साराह नब्बे वर्ष की थी, तब भी उसकी परम सत्य पर पकड़ थी।

80 और बाईबल ने कहा, जब उसका मृत्युलेख लिखा गया था, उसने कहा, “अब्राहम अविश्वास में से होते हुए परमेश्वर की प्रतिज्ञा पर नहीं डगमगाया, लेकिन मजबूत था, परमेश्वर की स्तुति करता रहा।”

81 क्यों? क्या आपने कभी सोचा क्यों? वह परम सत्य, सकारात्मक था। और केवल एक चीज जो उसे करनी थी, वह अपने आप को अपने लोगों से अलग कर दे। और परमेश्वर ने उसे तब तक आशीषित नहीं किया जब तक उसने ऐसा नहीं किया। वह अपने पिता को लिया। उसके पिता की मृत्यु हो गई। उसने लूत को लिया। और जब, लूत के अब्राहम से अलग होने के बाद, तब परमेश्वर उसके पास आया, कहा, “अब उस देश में से होकर चल।” समझे?

82 आज्ञाकारिता, प्रतिज्ञा, शर्तो की अधीनता, हमेशा ही परमेश्वर और उसके वचन के साथ जुड़े हुए है। अब देखो...

83 आइए हम मूसा को ले। मूसा, वो—वो भागा हुआ सेवक–भविष्यव्यक्ता, जिसका परमेश्वर ने पालन–पोषण किया और उसे फिरौन के महल में शिक्षित किया। और—और मूसा अपने धर्म ज्ञान के प्रशिक्षण के साथ बाहर निकला, और... वह पहला व्यक्ति जिसे उसने घात किया। फिर, पहला छोटा सा दोष आया, तब मूसा मृत्यु से डर गया था।

84 क्यों? उसके पास कोई परम सत्य नहीं था। उसके पास केवल उसकी—उसकी मां की उसके जन्म की गवाही थी। वो एक अनोखा बालक था। उसके पास इसके विषय में अपने मां के शब्द थे। उसके पास वे लिपटी हुई पुस्तक थी जो परमेश्वर ने शायद कहीं तो पन्नों में लिखवाया था, उन्होंने लिखा, उस पुस्तक को उन्होंने अपने पास ही रखा था, कि परमेश्वर अपने बच्चों से भेंट करेगा। वह जानता था कि यही वो समय था।

जैसे हम अभी जानते हैं, हम जानते हैं कि कुछ तो घटित होना तय है।

85 अब, मूसा जानता था कि यही वो समय था, और वह जानता था कि उसे इसके लिए चुना गया था, लेकिन उसके पास कोई परम सत्य नहीं था। समझे?

86 और एक दिन, पीछे रेगिस्तान में, जब उसने दर्शन खो दिया था, परमेश्वर एक जलती हुई झाड़ी में उसके सामने प्रकट हुआ। और उसने कहा, "मूसा, मैंने अपने लोगों के कष्टों को देखा है। मैंने उनको कराहते और चिल्लाते हुए सुना है, उन सख्ती से काम लेने वालो को दंड देते हुए देखा है। और मैंने अपनी प्रतिज्ञा को याद किया है। मैं उन्हें छुड़ाने के लिए नीचे आया हूं। अब वहां मिस्र को चले जाओ।" ओह, प्रभु!

87 मूसा शिकायत करते हुए, कहने लगा, "मैं बहुत अच्छी तरह नहीं बोल पाता हूं। मेरे—मेरे बोलने का उच्चारण ठीक नहीं है। वे मुझ पर विश्वास नहीं करेंगे।"

उसने कहा, "तुम्हारे हाथ में क्या है? "

उसने कहा, "एक लाठी।"

88 उसने कहा, "इसे नीचे फेंक।" यह एक सांप में बदल गयी। कहा, "इसे पूंछ से उठा।" यह फिर से एक लाठी में बदल गयी। वो उसे आश्वासन दे रहा था, एक प्रमाण को दे रहा था।

89 जब परमेश्वर एक परम सत्य को देता है, तो वह हमेशा ही उस परम सत्य को प्रमाणित करता है।

90 फिर मूसा, जब वह वहां पर था, और उसने अपनी लाठी को जादूगरों और फिरौन के सामने फेंका, और जादूगरों ने भी आकर और अपनी लाठी को भी नीचे फेंका, मूसा कभी भी भागकर और नही कहा, "ओह, ठीक है,

मैं गलत था। ओह, यह तो बस एक घटिया जादूगर की चाल है, और हो सकता है मैं गलत था।"

91 लेकिन वह जानता था। उसे पूरा यकीन था कि उसने परमेश्वर से भेंट की है, और वह वही शांत खड़ा रहा। आइए हम कहें कि उसने ठीक वही किया था जो परमेश्वर ने उसे करने को कहा था। वैसे ही अय्यूब ने ठीक वही किया था जो परमेश्वर ने उसे करने के लिए कहा था। मूसा ने उसकी आज्ञाओं का पालन किया था। तब, शांत खड़े रहो और परमेश्वर की महिमा को देखो। मूसा अपने परम सत्य से बंधा हुआ था, और वह शांत खड़ा रहा। और जब उसने ऐसा किया, उसके सांप ने बाकी के साँपों को निगल लिया। देखा? वह उस परम सत्य से बंधा हुआ था।

92 परमेश्वर ने कहा, "जब तुम उन बच्चों को छुड़ा लोगे, तो तुम इस पहाड़ पर फिर से मेरी आराधना करोगे।"

93 अब, शत्रु, हर प्रकार से जो वह कर सकता है, आपको उस परम सत्य से दूर करने की कोशिश करेगा।

94 ठीक जब उन्होंने मिस्र से बाहर निकलना आरंभ किया, वे ठीक लाल सागर के—के संकरे हिस्से में घिर गए, दोनों ओर पहाड़ थे। एक घाटी में से होकर ऊपर आये, और वहां लाल सागर था। पहाड़ियों पर से भागने का कोई रास्ता नहीं था, *इस* ओर भागने का कोई रास्ता नहीं था, और *इस* तरह से फिरौन की सेना आ रही थी। खड़े होने के लिए क्या ही स्थान है!

95 देखा कैसे शैतान आपको एक ऐसे स्थान पर ले जाता है जहां आप नहीं जानते कि क्या करना है? लेकिन याद रखें, यदि आप उस परम सत्य से बंधे हुए हैं, यही है जो इसे पूरा करेगा।

96 मूसा जानता था कि परमेश्वर ने उससे प्रतिज्ञा की है, कि, "जब तुम उन्हें बाहर निकाल लाओगे तो इस पहाड़ पर आराधना करोगे। और मैं तुम्हारे हाथों से उन्हें छुड़ाने और उन्हें उस दूसरे देश में बसाने के लिए वहां पर आया हूं।" वह ठीक इसके साथ बना रहा। और परमेश्वर ने पूरब से हवा भेजकर और समुद्र की तलहटी से पानी को ऊपर उठाया, और वे सूखी भूमि पर से चलकर उस ओर चले गए। एक परम सत्य!

97 हम किस तरह से वचनों में से होते हुए पढ़ सकते हैं: दानिय्येल, उसका परम सत्य; शद्रक, मेशेक, और अबेदनगो, उनका परम सत्य; दाऊद, उसका परम सत्य; वे सारे, परम सत्य।

98 पौलुस के पास भी एक था, जिसके विषय में हम पढ़ रहे हैं। उसके पास बुलाहट एक मसीह–केन्द्रित थी, और यही उसका परम सत्य था। यही कारण है कि वो अग्रिप्पा क्या कहेगा इस बात से नहीं डरता था। वहां पर खड़ा हुआ था, और अग्रिप्पा एक यहूदी था, जैसा कि हम जानते हैं। और इसलिए फिर जब वो इन राजाओं और इत्यादि लोगों के सामने खड़ा हुआ, तो परमेश्वर ने उसे पहले ही बता दिया था कि वो वहां खड़ा होगा। तो, उसके पास एक परम सत्य था, इसलिए उसने स्वर्गीय दर्शन को बिल्कुल सही–सही बताया। कहा, "मैं ना ही एक... मैं ना ही इसके प्रति असम्मानजनक था। मैं... मैंने ना ही इसे गलत समझा। मैंने कोई बुरा बर्ताव नहीं किया।" लेकिन वह थामे रहा, और ना ही इसके प्रति अवज्ञाकारी था। उसने इसे पूरी निष्ठा से पूरा कर दिखाया, क्योंकि यह एक परम सत्य था।

और कोई भी मसीह–केन्द्रित जीवन, वही आपका परम सत्य होता है।

99 अब, उसके साथ आमने–सामने भेंट होने के बाद से लेकर, दमिश्क के रास्ते पर, यह पौलुस के लिए बहुत मायने रखता था।

100 अब, याद रखना, वो पहले से ही एक विद्वान था। वह वचनों में एक बहुत तेज मनुष्य था। लेकिन उसके पास कोई भी बांधने का खूंटा नहीं था, लेकिन उसके पास धार्मिक परिषद का समर्थन था और एक—और एक—एक—एक बड़े गुरु से प्राप्त प्रमाण–पत्र भी था। वह अपने कार्य क्षेत्र में एक महान व्यक्ति था। लेकिन वह डगमगा रहा था।, केवल एक चीज जो उसके पास थी, उसका एकमात्र परम सत्य जो उतना ही मजबूत था जितना उसका संगठन मजबूत था। वह उससे अधिक मजबूत नहीं हो सकता था। और वह उसी के प्रति विश्वासयोग्य होकर काम को कर रहा था, और मसीही लोगों को पकड़कर, और उन्हें बांध रहा था, और उन पर अत्याचार कर रहा था, और यहाँ तक कि स्तिफनुस पर पत्थरवाह किया।

101 मैं सोचता हूं, उसके जीवन के अंतिम दिनों में, यही कारण था कि वह यरूशलेम चला गया, जब भविष्यव्यक्ता ने उसे बताया, "पौलुस, वहां ऊपर मत जाओ, क्योंकि जंजीरें और जेल तुम्हारे लिए तैयार रखे हैं।"

102 और पौलुस ने कहा, "मैं यह जानता हूं! लेकिन मैं यरूशलेम केवल एक गवाह के रूप मे नहीं जा रहा हूं, लेकिन, मैं वहां जा रहा हूं, मैं यीशु मसीह के लिए मरने के लिए तैयार हूं।" क्योंकि वह जानता था कि उसने क्या किया है, और उसकी महत्वाकांक्षा थी कि वह उसके अपने ही लहू

से उसकी गवाही को मोहरबंद कर दे, एक शहीद होकर मरे, क्योंकि उसने परमेश्वर के एक शहीद को मार डाला।

103 और अब वह अपनी सारी शिक्षा के साथ दमिश्क के रास्ते पर था। उस महान शिक्षक गमलीएल के नीचे शिक्षा प्राप्त की थी, और किस तरह से उसे सारे यहूदी धर्म में सिखाया गया था। और फिर भी, इन सब बातों के साथ, वह कमजोर था, और उसके पास कुछ चीजों को करने की योग्यता नहीं थी। और अचानक से, वहां एक प्रकाश आया था, और एक दहाड़, और हो सकता है, और एक गर्जन। और उस पर प्रहार हुआ, और जमीन पर गिर पड़ा।

104 और उसने ऊपर की ओर देखा। वहां एक प्रकाश चमक रहा था, जिसने उसकी आंखों को अंधा कर दिया। और क्या ही यह विचित्र बात थी। किसी और ने प्रकाश को नहीं देखा, केवल शाऊल ने देखा। यह प्रतिज्ञा उसके लिए इतनी निश्चित और इतनी वास्तविक थी कि उसने उसकी आँखों को अन्धा कर दिया। वो देख नहीं सकता था। पूरी तरह से अंधा, उस अग्नि के स्तंभ के द्वारा जो सीधे उसके चेहरे पर चमक रहा था। और उसने एक आवाज को सुना जो कह रही थी, "शाऊल, शाऊल, तू मुझे क्यों सताता है? "

उसने कहा, "प्रभु, आप कौन हैं? "

105 और उसने कहा, "मैं यीशु हूं। और अधिकार पाये लोगों के विरोध में आना तेरे लिये कठिन है। अब उठ, और दमिश्क को जा, और वहां एक मनुष्य को तेरे पास भेजा जाएगा।" फिर जब वो वहां से उठा...

106 और वहां नगर में एक भविष्यव्यक्ता था, जिसने एक दर्शन में देखा, जब वह प्रार्थना कर रहा था, और वो आया। हनन्याह आया, और शाऊल के पास गया। अपने हाथों को उस पर रखा, और वह दिव्य चंगाई के द्वारा चंगा हो गया था। तब वो उठा, बपतिस्मा लिया, अपने पापों को धोते हुए, प्रभु के नाम लेते हुए। और तब उसके पास एक परम सत्य था। उसके बाद वह कभी भी पहले जैसा नहीं रहा। वह सीधा एक कलीसिया से दूसरी कलीसिया में जाता रहा, एक स्थान से दूसरे स्थान पर, उस चीज को बनाने की कोशिश कर रहा था जिसे उसने तोड़ने की कोशिश की थी।

107 किस तरह से राष्ट्र, किस तरह से मसीही संसार को, आज सुबह, उस प्रकार के परम सत्य की आवश्यकता है। वे जो... ? ... संस्थाओ और

रीति–रिवाजों ने, मनुष्य की शिक्षा के साथ कोशिश की, कि परमेश्वर के वचन को अयोग्य ठहराये कि ये कल, आज और युगानुयुग एक सा है। उन्हें एक दमिश्क के मार्ग पर, एक परम सत्य की, एक भेंट के अनुभव की आवश्यकता है, जीवित परमेश्वर जो बीमारों को चंगा कर सकता है, और मरे हुओं को जिला सकता है, और दृष्टआत्माओ को बाहर निकाल सकता है। एक सच्चा परम सत्य!

108 पौलुस जानता था कि कुछ तो हुआ है। कोई भी इसे उससे दूर नहीं कर सकता था। कुछ भी और मायने नहीं रखता था। वह बंधा हुआ था, और ऐसा ही था। कोई फर्क नहीं पड़ता कि कुछ भी आये, वह जानता था कि वह बंधा हुआ है, मसीह–केन्द्रित जीवन। ओह!

109 उसने जो जीवन जीया था वह एक भिन्न जीवन था। अब, याद रखना, वह एक धार्मिक मनुष्य रहा था।

110 और आज सुबह आप में से कुछ लोग (और मैं जानता हूं कि आप जानते हैं कि यह टेप किया जा रहा है, इसे आकाश के नीचे हर राष्ट्र में चलाया जाएगा, लगभग, संसार भर में); और आप में से कुछ लोग जो यहां पर उपस्थित है; और आप में से कुछ बाहर जहां दूसरे राष्ट्रों में टेप को चलाया जाएगा (एक अनुवाद के द्वारा इसे अफ्रीका की जाति को अनुवाद देते हुए, वहां दूर होट्टेन्टॉट्स में, और—और हर कहीं पर); और आप धार्मिक अगुवो के लिए जिन्होंने अभी–अभी बाईबल की शिक्षा प्राप्त की है:

111 आपने इसे ऐतिहासिक दृष्टिकोण से समझा है, और हो सकता है इन सारी चीजों को समझा सकते होंगे, लेकिन यदि आपके पास एक परम सत्य नहीं है, तो आपके पास एक—एक अनुभव नहीं है, और यदि वह अनुभव जिसका—जिसका आप दावा करते हैं कि आपके पास है जो आपको इस बात से इंकार करने को लगाता है कि *इसका* हर एक वचन आज कलीसिया के लिए उतना सच्चा नहीं है जितना कि यह हमेशा से था, और उस पर भरोसा कर रहे हैं आप अपनी बैचलर ऑफ आर्ट की डिग्री या कोई भी डिग्री आपके पास हो सकती है, यदि आप अपने संगठन के विचारों पर भरोसा करते हैं जो कहता है, “आश्चर्यकर्मों के दिन बीत गए है, और हमारे पास कोई दिव्य चंगाई नहीं है, और पवित्र आत्मा का बपतिस्मा जैसा कि उन्होंने पेंटीकोस्ट के दिन पर पाया, ये आज के लोगों के लिए नहीं है,” यदि आपको यही सब मिला है, तो मेरे बहुमूल्य भाई, बहन, तो आपको

दमिश्क–मार्ग के अनुभव की आवश्यकता है!

112 आपको इस जीवित परमेश्वर से भेंट की आवश्यकता है, जहां पर आप, ना ही केवल आपके मन में एक काल्पनिक विचार, ना ही किसी प्रकार की कंपकंपी होना, या किसी प्रकार की सनसनी, लेकिन एक सिखाये गये और एक वास्तविक, सच्चे अनुभव की आवश्यकता है। वही यीशु जो गलील में चला वो आज जीवित है, और हमेशा–हमेशा के लिए जीवित है। और वो कल, आज और युगानुयुग एक सा है। एक परम सत्य, कि आपको किसी की कही गयी बात को लेने की आवश्यकता नहीं है। आप खुद से जानते हैं, ना ही कोई सनसनी।

113 और यदि वह सनसनी जो आपको और किसी को हुई थी, यह हो सकता है एक वास्तविक बाईबल की सनसनी हो, और किसी ने इसे समझाकर और आप से दूर करने की कोशिश की हो, यह कहते हुए कि वे बातें किसी और दिन के लिए थी। सावधान रहे। यह सच है। सावधान रहे। लेकिन वहां जानने का एक तरीका है। इसे वचन से परखे। यही मूल योजना है।

114 यदि वो घर मूल योजना के विपरीत बनता है, तो ठेकेदार इसे तोड़ कर गिरा देगा और इसे फिर से बनाएगा। लेकिन इसे मूल योजना के अनुसार ही बनना है।

115 कोई फर्क नहीं पड़ता कि आपका अनुभव क्या है, तब, यदि आप में कुछ तो है जो आपको बताता है कि बाईबल सत्य नहीं है, वो परमेश्वर की सामर्थ, वे प्रेरित, वे भविष्यव्यक्ता, और वे शिक्षक, और वे पास्टर, और आत्मा के दान बिल्कुल वैसे नहीं है जैसे ये तब थे जब यह पेंटीकोस्ट के समय पर उन प्रेरितों में से होकर प्रवाहित हो रहे थे, वहां आपके परम सत्य के साथ कुछ तो गलत है, इसे परमेश्वर की बाईबल के बजाय एक संप्रदायिक मत–सिद्धांत से बांधना होगा, जब उसने कहा, "आकाश और धरती दोनों टल जाएंगे, लेकिन मेरा वचन कभी भी ना टलेगा।" देखे कि आपका परम सत्य क्या है।

116 आप हो सकता है पूरी तरह से निश्चित हो कि आप पास्टर के साथ अच्छी संगति में हैं। और हो सकता है पूरी तरह से निश्चित हो कि आप जिले के प्राचीन के साथ संगति में हैं। और हो सकता है पूरी तरह से निश्चित हो कि आप बिशप के साथ संगति में है या आपकी कलीसिया में किसी

और बड़े व्यक्ति के साथ। लेकिन यदि आप नहीं... आपका परम सत्य यीशु मसीह नहीं है।

117 "क्योंकि इस चट्टान पर मैं अपना परम सत्य रखूंगा, और अधोलोक के फाटक इस पर प्रबल न होंगे।" इसका आत्मिक प्रकाशन कि वो कौन है, और जानते हुए! तो ठीक है। ओह!

118 अब, जब आप पौलुस के समान बन जाते हैं, तो आपके पास वही परम सत्य होता है जो उसके पास था, एक मसीह–केन्द्रित जीवन उस जीवन से भिन्न होता है जो एक समय आपके पास था। और हो सकता है कि यह एक बहुत ही धार्मिक जीवन हो जिसे आपने जीया।

119 ओह, मैंने लोगों को कहते सुना है, "अब, वे बहुत ही धार्मिक हैं।" इसका इससे कोई लेना–देना नहीं है।

120 अभी मैंने बहुत से धर्मों को देखा है, बहुत ही धार्मिक, आज के मसीही लोगों की तुलना में कई गुना अधिक ईमानदार, जो दावा करते हैं। जब, एक माँ अपने छोटे से, मोटे, काले बच्चे को ले सकती है, जो लगभग *इतना* सा ही है, और उसके ईश्वर के प्रति प्रेम के लिए उसे मगरमच्छ के मुंह में फेंक देती है। तो मैं सोचता हूं कि मसीहत कितनी ईमानदार है। जब, एक मनुष्य अपने आप को इस तरह से पीड़ा दे सकता है, अपने शरीर में से एक हजार कांटे डाल देता है, *इस* प्रकार से, पानी के गेंद इसके साथ लटक रहे होते है, उसे *इस* तरह से लटकाए हुए, और आग के अंगारों में से होकर चलता है, यहाँ से लेकर दूर उस भवन के अंत तक, आता और जाता है, और यह बहुत ही गर्म होता है, *इस* तरह से पंखा करते है, उसके देवता के बलिदान के लिए, वहां एक मूर्ति है जिसमें माणिक आंखें और इत्यादि चीजें लगी होती है। मैं सोचता हूं कि मसीहत कहाँ पर है। उह–हुंह। उह–हुंह। इसलिए मत सोचो "ईमानदारी।" ये ईमानदारी नहीं है। ईमानदारी अच्छी बात है यदि इसे सही चीज पर रखा जाए।

121 जैसे कोई डॉक्टर दवा को दे रहा हो। वह आपको ईमानदारी से आर्सेनिक जहर को दे सकता है, और वह आपको ईमानदारी से सल्फ्यूरिक एसिड दे सकता है। हो सकता है आपने अपने दवा के पर्चे को गलत भर दिया हो, और हो सकता है आप इसे ईमानदारी से ले ले, लेकिन यह आपके जीवन को नहीं बचाता है। समझे? नहीं, श्रीमान। आपको जानना होगा कि आप क्या कर रहे हैं। और कुछ भी जो परमेश्वर के वचन के

विपरीत है, मैं इसकी परवाह नहीं करता कि यह क्या है, और यह कितने समय से अस्तित्व में है, यह फिर भी गलत है।

122 पतरस ने उन्हें पेंटीकोस्ट के दिन पर एक अनंत दवा का पर्चा दिया। उसने कहा, “तुम में से हर एक जन पश्चाताप करे, और अपने पापों की क्षमा के लिए यीशु मसीह के नाम में बपतिस्मा ले, और तुम पवित्र आत्मा के दान को पाओगे। क्योंकि यह दवा का पर्चा तुम, और तुम्हारी संतान के लिए है, और उनके लिए जो दूर–दूर हैं, यहाँ तक जितनों को प्रभु हमारा परमेश्वर बुलाएगा।” यह सही है। यह एक अनंत दवा का पर्चा है।

123 अब, ये किसी नकली दवा विक्रेता के हाथ में पड़ सकता है और आपको मार सकता है। जी हां। निश्चित रूप से। आप जानते हैं, एक दवा के नुस्खे में पर्याप्त मात्रा में ज़हर होता है, कि रोगाणु को ज़हर दे, और वो—वो डॉक्टर जानता है कि आपका शरीर कितना सहन कर सकता है। यदि उसने अधिक जहर दे दिया, तो यह आपको मार डालेगा। यदि आपको पर्याप्त मात्रा में नहीं मिलता है, तो यह क्या करेगा? दवा लेने से आपको कोई लाभ नहीं होगा। वह जानता है कि आपका शरीर कितना सहन कर सकता है।

124 अब, इसी तरह से परमेश्वर का दवा का पर्चा होता है। कोई फर्क नहीं पड़ता कि कोई और कितना भी कहे, कि इसे अवश्य ही *इस* तरह से, या *उस* तरह से किया जाना चाहिए, आप इसका विश्वास ना करे। जब आप वचन का शब्द दर शब्द पालन करते है, तो बस यही करना है। इसे थामे रहे। अब, हमारे पास... वे लोग जो कहते हैं, “आपको अवश्य ही पानी का छिड़काव करना चाहिए।” उनके पास यही है। फिर कहते हैं, “आपको पिता, पुत्र और पवित्र आत्मा की उपाधियों का उपयोग करना चाहिए।” बाईबल में ऐसा कुछ भी नहीं है। बाईबल में, ऐसा कोई स्थान नहीं जहाँ कभी किसी को यीशु मसीह के नाम के अलावा किसी और तरीके से ऐसा बपतिस्मा दिया गया हो। यह एक मत–सिद्धांत है जिसे रोमन कैथोलिक कलीसिया में जोड़ा गया था, जो कि परंपराओं में से होते हुए आगे लाया गया है। हम आज रात इस बात को ले लेंगे।

125 लेकिन ध्यान दें, इन सब के बीच में, दवा की पर्ची वैसे ही बनी रहती है। यही कारण है कि हमारे यहां बहुत से बच्चे बीमार हैं, क्योंकि डॉक्टर ने जो कहा वे उसे नहीं सुन रहे हैं। परम सत्य, जब आप उससे बंध जाते हैं,

तो बस यही है। यह परमेश्वर का वचन है। यह असफल नहीं हो सकता।

126 मसीह केंद्रित जीवन! बहुत ही धार्मिक, लेकिन यह मसीह–केंद्रित नहीं था। हम में से बहुतों के पास ऐसा ही है।

127 और जब आप इस मसीह–केन्द्रित जीवन को पा लेते हैं, तो यह आपको उन चीजों को करने को लगाता है जो आप सामान्य रूप से नहीं करते। यह आपको सामान्य रूप से किये जाने वाले कार्य से भिन्न कार्य करने को लगाता है। मेरा मतलब मूर्खता के कार्य से नहीं है। मेरा मतलब आत्मा में कार्य करना, कुछ तो ऐसा जो वास्तविक है, कुछ तो ऐसा जो सच्चा है। और जब आप किसी को मूर्खता के कार्य को करते देखते हैं, तो आप जान जाते हैं कि वे केवल दिखावा कर रहे हैं। वे केवल नकल करने का प्रयास कर रहे हैं, जहां वो असली चीज मौजूद है।

128 जब आप एक नकली डॉलर को देखते हैं, तो याद रखें कि वहां एक असली डॉलर है जिसे देखकर इसे बनाया गया है। समझे? जब आप एक नकली चीज को देखते हैं, तो वह एक असली किसी चीज की छाया होती है। यह कुछ तो ऐसा है जो—जो सच्ची है, उसकी नकल की गई है।

129 ध्यान दें, यह आपसे ऐसे काम करवाता है जो आप सामान्य रूप से नहीं करेंगे। ओह, यह कुछ तो है। आप निश्चित है। आप इसके बारे में बहुत ही निश्चित हो जाते हैं, जब आपको यह परम सत्य मिल जाता हैं। आप इसके प्रति सकारात्मक होते हैं। आप किसी और के अनुभव को नहीं लेते है।

130 यही कारण है कि मसीहत बाईबल में के छोटे बच्चों के जैसा बन चूका है, या, और नहीं, मुझे क्षमा करें, स्कूल में के छोटे बच्चों जैसा। वे एक दूसरे की नकल करने की कोशिश करते हैं। और यदि वह व्यक्ति गलत होता है, तो पूरी चीज ही गलत है। देखा? आपने उनमें से सारे झुंड को गलत पाया है। ओह, प्रभु! नकल ना करे। आप खुद उससे भेंट करे।

131 मेरा एक अच्छा मित्र, यहाँ पीछे खड़ा है, एक पुराने... मेरे एक मित्र का पुत्र है, एक आजीवन मित्र का, छोटा जिम पूल। क्योंकि, उसके पिता और मैं एक साथ स्कूल में पले–बढ़े थे। और, ओह, क्या ही भला व्यक्ति है! छोटा जिम और मैं लगातार प्रार्थना कर रहे हैं कि बड़ा जिम एक मसीही बन जाए, एक सच्चा विश्वासी बन जाए। और छोटा जिम और मैं कल इस विषय में बात कर रहे थे कि हमने जंगल में परमेश्वर को कहां पाया और

उसे प्रकृति में देखा। यही है जहां आप उसे पाते है। क्योंकि, वह सृष्टिकर्ता है, और वह अपनी सृष्टि में है।

132 और मुझे याद है, जिम और मैं अक्सर जाया—जाया करते, शिकार पर जाना चाहते थे। और जब रात होती, तो, हम अक्सर नीचे चले जाते थे, अपनी साइकिल को लेकर, और ठीक यहाँ इस रास्ते पर चलाते थे, अंधेरा होने के बाद कब्रिस्तान से होकर गुजरने से डर लगता था, और नीचे जाकर और हमारे लिए एक आइसक्रीम कोन लाते।

133 और जिम को शूट पुल [टेबल पर गेंद को डंडी से मारने का खेल—अनुवादक।] पसंद था। अब, हम केवल दस, बारह, चौदह वर्ष के लड़के थे। और फिर जिम को बैठकर और शिकार करने और जाल बिछाने की कहानी की किताबें पढ़ना पसंद था।

134 और मैं वहां बैठकर दिन में स्वप्न देखता। समझे? लगभग... और अब कुछ लड़के मुझे देख सकते हैं। और मैं कहीं एक छोटी-सी झोपड़ी देखता था। मैं कहा करता था, 'भाई, पहाड़ों में ऐसी झोपड़ी का होना कितना अच्छा होगा।' और मैंने हमेशा ही सपना देखा कि किसी दिन मेरे पास पहाड़ों में मेरी एक झोंपड़ी होगी, बहुत सारे शिकारी कुत्ते, और—और कुछ बंदूकें होंगी। और मैं हमेशा सोचता था, "काश मेरे पास किसी समय अपनी .30-30 की बंदूक होती।" सोचा, "कैसे इस परिस्थिति में मेरे पास कभी खुद की एक छोटी सी .30-30 की बंदूक हो सकती है? "

135 और उस दिन, खड़े होकर, अपनी दीवार की ओर देख रहा था, और वहां दीवार पर लगी हुई कुछ बेहतरीन बंदूकों को देखकर मैंने सोचा, "अद्भुत अनुग्रह।"

136 मैंने सोचा, "मैं खुद को निशानेबाजी के लिए प्रशिक्षित करूंगा, और अच्छा निशानेबाज बनूंगा। और फिर हो सकता है किसी समय, पहाड़ों पर घूमने जाऊँ, कोई अच्छा शिकारी मुझे अपने साथ ले जाए। बस एक तरह से... क्योंकि वह अपनी जान की रक्षा करना चाहेगा, शायद, अगर कोई भालू हमला करने आ गया। उसे पूरा भरोसा नहीं हो। कोई धनी व्यक्ति, मुझे अपने साथ ले जाए, बस उसके साथ-साथ चलने के लिए, जैसे कोई अंगरक्षक होता है। हो सकता है किसी दिन मुझे अफ्रीका में शिकार करने का मौका मिले, एक अंगरक्षक के रूप में। काश मैं बस प्रशिक्षण को ले पाता! केवल यही एक चीज है जो मैं कर सकता हूं कि एक अच्छा, सटीक

निशानेबाज बनने के लिए प्रशिक्षित हो जाऊं।”

137 ओह, मैंने सोचा, “परमेश्वर, आप मुझे संसार भर में शिकार करने दे।” क्या ही अद्भुत बात है!

जिम बैठकर किताब को पढ़ा करता था। मैंने कहा, “जिम... ”

उसने कहा, “मैं—मैं इसके विषय में पढ़ना पसंद करता हूं।”

138 मैंने कहा, “जिम, यह तो किसी और का अनुभव है। मैं इसे खुद करना चाहता हूं। यह अनुभव मुझे अपना चाहिए।” जब मैं मसीह के पास आया, तो मैं किसी और के अनुभव को नहीं ले सकता था। मैं इसे खुद चाहता था।

139 मुझे याद है जब मैंने जेन ग्रे की *अकेले तारे का वन रक्षक किताब* को पढ़ा था। मैंने माँ के दो या तीन झाड़ू तोड़ डाले, घर के चारों ओर अपने झाड़ू के घोड़े पर सवार होकर, दौड़ता–फिरता था। मैंने—मैंने उस *अकेले तारे का वन रक्षक* की—की कहानी को पढ़ा, कैसे उसने बिग बेंड में न्याय को लाया।

140 फिर मैंने एडगर राइस बरोज़ की काल्पनिक कहानी को पढ़ा *टार्जन, वनमानुष*। माँ के पास एक पुराना रोएँदार कालीन था, एक फर का कालीन, या कुछ तो ऐसा ही था, जो श्रीमती वाथेन ने उन्हें आग की घटना के बाद दिया था। और यह माँ के कमरे पर पड़ा था, और मैंने—मैंने उस कालीन को बाहर निकाला। माँ ने जान लिया कि हवा से उड़ कर बाहर नही गया। और मैंने इसे बाहर निकाला, और इसे काटकर, और मैंने अपने लिए एक टार्जन का वस्त्र बनाया, और पेड़ पर बैठ गया। मैं—मैं अपना आधा समय बाहर इस टार्जन के वस्त्र में एक पेड़ पर ही रहता था। क्योंकि जो उसने किया था मैंने देखा था, मैं भी इसे वैसा ही करना चाहता था।

141 लेकिन एक दिन, परमेश्वर के अनुग्रह के द्वारा, मैंने सच्ची किताब बाईबल को पकड़ लिया। मेरा गीत और यही मेरी कहानी रही है, “यीशु के समान बनूं, धरती पर मैं उसी के समान बनने की लालसा रखता हूं।” मैं एक बिशप या—या कलीसिया में कोई महान व्यक्ति नहीं बनना चाहता, ना कोई पोप या कोई याजक। मैं यीशु के समान बनना चाहता हूं। एक परम सत्य, यह आपको भिन्न बनाता है। उसके वचन को पढ़ने में कुछ खास बात है, और आपके ह्रदय में कुछ ऐसा है, आप उसके समान बनने की लालसा रखते हैं। आप निश्चित होते है।

142 यह ऐसा है, जैसे मसीह के लिए परम सत्य, मसीही लोगों के लिए परम सत्य, ये ऐसा है, यह—यह जहाज में लंगर के समान है। जी हां। आपके—आपके पास एक परम सत्य होना है। और यदि मसीह आपका परम सत्य है, तो यह लंगर के समान है। कि, जब आप… समुद्र बहुत ही उग्र होता है, और जहाज लगभग डूबने पर है, और, आपके पास, केवल आपके पास एक ही आशा है, जो लंगर डाले हुए है। और फिर यदि जहाज डगमगा रहा है, देखो, यह, लंगर जहाज को थामे रखेगा। आप जानते हैं, हमारे पास एक गीत है, अब मैं लेखक का नाम भूल गया हूं, लेकिन, *मेरा लंगर पकड़े रखता है।*

143 छोटे लड़के की तरह, जैसा कि हमने बहुत बार सोचा है, वो पतंग को उड़ाता है। आप कोई पतंग को देख नहीं पाते है, लेकिन उसके पास पतंग की डोर है। और एक व्यक्ति वहां से गुजर रहा था और कहा, "तुम क्या कर रहे हो, बेटा? "

कहा, "मैं अपनी पतंग उड़ा रहा हूं।"

उसने कहा, "तुम्हारे हाथ में क्या है? "

कहा, "पतन की डोरी।"

144 कहा, "पतंग कहां पर है? " कहा, "मैं इसे नहीं देखता। तो, तुम कैसे जानते हो कि तुम एक पतंग उड़ा रहे हो? "

145 उसने कहा, "मैं इसे महसूस कर सकता हूं। यह एक खिंचाव महसूस हो रहा है।" देखा? वहां उस डोरी के अंत में, एक परम सत्य है। उसके छोटे से तरीके से, वह पतंग उसका परम सत्य है, इसलिए वह कह सकता था कि वह एक पतंग उड़ा रहा है। हालांकि वह उसे नहीं देख सकता था, लेकिन उसने उस पर एक पकड़ बना रखी थी, कुछ तो, जिसने इसे पकड़ कर रखा था।

146 इसी प्रकार से एक मनुष्य, जब वह पवित्र आत्मा से नया जन्म लेता है, उसने किसी ऐसी चीज़ को थाम रखा है जिसका लंगर दूर उस ओर लगा हुआ है, और तूफ़ान भी उसे हिला नहीं पाते है। वह जानता है कि वो सही है। उसने लंगर डाला हुआ है। तो ठीक है।

147 अब, यदि हम हमारी छोटी सी नाव में हैं, जो जीवन की गंभीर धारा में तैर रही हैं, जैसा कि महान कवि ने कहा, कि:

जीवन एक खाली सपना नहीं है!
और वह प्राण मरा हुआ है जो ऊंघ रहा है,
और चीजें वैसी नहीं हैं जैसी वे दिखती हैं।

जीवन सच्चा है! और जीवन गंभीर है!
और उसकी कब्र उसका लक्ष्य नहीं है;
क्योंकि तू मिट्टी है, और मिट्टी में लौट जाएगा,
पर प्राण के विषय में नहीं बोला गया।

148 ओह, मुझे लगता है कि यह बहुत ही सुंदर है! अब, लॉन्गफेलो ने यह लिखा है, *जीवन का स्तुति गीत*। देखा?

जीवन की गंभीर धारा पर से यात्रा करते हुए,
कोई निराश और टूटे हुए जहाज़ का भाई,
इसे देखकर फिर से साहस पा सकता है।

149 समझे? अब हम जीवन की गंभीर धारा पर यात्रा कर रहे हैं, और समय के तूफ़ानों के बीच मसीह हमारी नाव में हैं। जब तूफ़ान बहुत प्रबल हो जाते हैं और वे इधर–उधर डगमगाने लगते है, मैं खुश हूं कि मेरे पास एक लंगर है जो कहीं दूर, पर्दे के भीतर टीका हुआ है। यहां तक कि मृत्यु भी आपको इससे अलग नहीं कर सकती। आप अपने परम सत्य से बंधे हुए है। मसीह हमारा लंगर है। वो क्या है? वो वचन है। "आदि में वचन था, और वचन परमेश्वर के साथ था, और वचन परमेश्वर था। और वचन देहधारी हुआ, और हमारे बीच में डेरा किया।"

150 फिर, जब हम जानते हैं कि हमारे कार्य ठीक वचन के साथ है, हम जानते हैं कि हमारी शिक्षा वचन के साथ सिद्ध है, ना ही कुछ भी मिलाया हुआ है या ना ही कुछ भी निकाला हुआ है, केवल वचन। और हम उन्हीं परिणामों को देखते हैं, कि जिन लोगों ने उसी वचन को लंगर डालकर पकड़ रखा था, हमारे जीवन में रह रहे हैं, तब आपका लंगर पकड़ लेता है। मसीह का जीवन लगभग देहधारी रूप में आपके जरिये से पुनः प्रकट हो रहा है, ठीक जैसा ये मसीह में था, क्योंकि, "यह मसीह में परमेश्वर था, जो संसार को अपने साथ मेल मिलाप कर रहा था।" और आप अपने आप में परमेश्वर को देखते हैं, उसी वचन पर दृढ़ या संतुलन रखते हुए, ठीक उसी तरह से जैसे यीशु ने किया था। आप उसके जीवन को देखिए। "जो काम मैं करता हूं, तुम भी करोगे, वह जो विश्वास करता है।" ना ही

वह जो विश्वास का ढोंग करता है, वो जो सोचता है कि वो विश्वास करता है, लेकिन, "वह जो विश्वास करता है।" "वह जो मुझ पर विश्वास करता है, जो काम मैं करता हूं वह भी वही करेगा।" क्यों? वह उसी चट्टान पर लंगर डाले हुए है। चट्टान क्या थी? हमेशा ही, वो वचन। आप वहां लंगर डाले हुए हैं। यह आपका उत्तर का तारा है जब आप समुद्र में खो जाते हैं।

151 आप जानते हैं, हमारे पास बहुत सारे तारे हैं, लेकिन केवल एक ही सच्चा तारा है, जो नही हिलता है। यह उत्तर का तारा है, क्योंकि ये धरती के मध्य में स्थिर होता है। इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि आप पीछे हैं, ऊपर है, या आप जहां कहीं भी हैं, वह उत्तर का तारा बिल्कुल वैसा ही स्थिर रहता है। यह आपका उत्तर का तारा है। अब, देखिए, बहुत से तारे हैं जो एक स्थान से दूसरे स्थान पर जाते हैं। लेकिन यदि आप किसी... समुद्र पर, क्योंकि, कोई भी नाविक जानता है, या कोई भी जंगल में घूमने वाला शिकारी जानता है कि आपका उत्तर का तारा आपका—आपका स्थान है। ऐसा ही है। फिर, यह आपके—आपके—आपके दिशा सूचक यंत्र के जैसा है। आपका दिशा सूचक मार्स की ओर, या जुपीटर, या कहीं और संकेत नहीं करेगा। यह उत्तर के तारे की ओर संकेत करेगा। क्यों? यही आपका परम सत्य है।

152 ओह, प्रभु! ध्यान दे, आपका परम सत्य! ओह, मैं कुछ तो कहने जा रहा हूं! मैं अब महसूस कर रहा हूं कि यह उभरकर आ रहा है। ध्यान दें। मैं इस समय बहुत ही धार्मिक महसूस कर रहा हूं, क्योंकि यह आश्वासन है। ध्यान दें।

153 आपका दिशा सूचक केवल उत्तर के तारे की ओर संकेत कर सकता है। केवल यही वो स्थान है जो इसे संकेत कर सकता है। यदि यह एक सच्चा दिशा सूचक है, तो यह हर बार उत्तर के तारे पर ही संकेत करेगा। क्या यह सही है?

154 तब, यदि आपके पास पवित्र आत्मा है, तो वह केवल वचन की ओर संकेत कर सकता है। यह कभी भी एक संप्रदाय की ओर संकेत नहीं करेगा। यह कभी भी संस्था की ओर संकेत नहीं करेगा। यह इसे कभी भी कहीं तो दूर संकेत नहीं करेगा। यह सीधे वचन की ओर संकेत करेगा। मेरा चिल्लाने को मन कर रहा है। ध्यान दें, यह—यह मनुष्य के भीतर कुछ तो है, जो धड़कता है, जब आप अपने तारे, यीशु मसीह, उस वचन को, वहाँ चमकते

हुए देखते हैं। और आप उस आत्मा को देखते हैं जो आप में है, वो आपको दायें या बायें भटकने नहीं देगा। केवल वही वो एक है जो ऐसा कर सकता है। वह परमेश्वर की चीजों को लेने के लिए आया, और उन्हें दिखाने के लिए, उन्हें प्रकट करने के लिए आया।

155 और यीशु ने कहा, "वह ठीक उन्हीं कामों को करेगा जो मैं कहता हूं। वह आप पर उन बातों को प्रकट करेगा जो होने वाली है," इससे पहले कि यह यहां पहुंचे, मैं तुम्हें पहले ही दिखा दूंगा। समझे? "वह उन चीजों को लेगा जो मेरी हैं और उन्हें तुम्हें दिखाएगा, और फिर वह तुम्हें आने वाली बातों को दिखाएगा।" यूहन्ना 15।

156 हम देखते हैं कि वह बातों को दिखाता है। और वह उन बातों को लेता है जो परमेश्वर की है और उन्हें आपको दिखाता है। और वह आप पर उन बातों को प्रकट करेगा जो यीशु ने कही थी। दूसरे शब्दों में, वह उन बातों को स्पष्ट करेगा। इसे आज रात अपने मन के एक कोने में रख लेना, क्योंकि थोड़ी देर में हम इसी का उपयोग करने वाले हैं। इसे सुनिश्चित करते हुए, इसे सकारात्मक बनाते हुए, देखो, तब आप जान जायेंगे। यदि आप... आपका जो उत्तर का तारा है, किसी भी मसीही के लिए, जो कि वचन है।

157 जो कुछ भी वचन के विपरीत है! देखो। मैं आपको कुछ बताने जा रहा हूं। इसे ध्यान से सुने। *यह* परमेश्वर का संपूर्ण दिव्य प्रकाशन है, उसकी इच्छा, और मसीह का आगमन। और हर एक चीज ठीक *इस* पुस्तक में रखी हुई है, पूर्ण रूप से। और यदि कोई चीज आपको उससे दूर ले जाती है, तो उस दिशा सूचक यंत्र को फेंक दीजिए, क्योंकि यह केवल एक मत–सिद्धांत है। यह केवल एक संगठ–... यह केवल एक कागज है जिसे आप अपनी जेब में लेकर घूमते हैं, जो आपके कमरे में फ्रेम करवाकर लटका देता है। यह एक मत–सिद्धांत है। तब, उस दिशा सूचक यंत्र को ढूंढे जो आपको वचन की ओर ले जाए। आमीन।

158 आप ध्यान दें, जब यह अनुभव पौलुस को मिला, तो वह कहीं मिस्र और अरब में चला गया, और तीन साल तक अध्ययन किया। महिमा! व्यूह! उसे सकारात्मक होना ही था। और जब उसने देखा, जब पवित्र आत्मा ने उसे एक–एक शब्द की ओर निर्देशित किया, वह इब्रानियों की किताब लिखकर उन यहूदियों को दिखा सकता था। निश्चित रूप से। क्यों? वह केंद्रित था। उस पवित्र आत्मा के दिशा सूचक यंत्र ने उसे ठीक उत्तरी तारे

पर रखा।

159 अब, यदि कोई चीज आपको इससे दूर खीच रही है, तो बेहतर होगा कि आप उसे ऐसे ही छोड़ दें। पुत्र, यह उसके वचन की ओर संकेत करेगा, और केवल उसके वचन की ओर, क्योंकि पवित्र आत्मा परमेश्वर की प्रतिज्ञाओं को प्रकट करने या प्रमाणित करने के लिए आया था। वहां कोई मत–सिद्धांत ऐसा नहीं करेगा। कोई भी संगठन ऐसा नहीं करेगा। कोई भी शक्ति या कोई भी ऐसा नहीं कर सकता है। केवल पवित्र आत्मा, वचन के द्वारा। और वही वो जीवाणु है।

160 अब, आप गेहूं का एक दाना लेते हैं, एक सुंदर गेहूं का दाना, लेकिन यह कुछ भी नहीं कर सकता है। यह तब तक मरा हुआ है जब तक इसमें अंकुर नहीं आ जाता। तब यह गेहूं के बहुत से दानों को उत्पन्न करता है।

161 और मसीह ही वो जीवन है, जो परम सत्य है। यदि गेहूँ में वो परम सत्य नहीं है, तो यह कभी भी ऊपर नहीं आएगा। यदि उस गेहूँ के पास वो परम सत्य नहीं है, हो सकता है बाहर से कितना भी सुंदर हो, लेकिन यह जीवित नहीं हो सकता, क्योंकि इसमें जीवित रहने के लिए कुछ भी नहीं है। लेकिन जब इसे परम सत्य मिल जाता है, तो यह सभी आलोचकों के मुंह की ओर देखकर, कह सकता हैं, "मैं फिर से ऊपर आऊंगा।" क्यों? क्योंकि इसे परम सत्य मिल गया है। यह इसमें है। इसे फिर से ऊपर आना होगा। और जब यह... "यदि तुम मुझ में बने रहो, और मेरा वचन तुममें बना रहे, तो जो चाहो मांग लो।" यही वो परम सत्य है।

162 लेकिन यदि आपके पास मत–सिद्धांत और बाकी सब कुछ इसमें बंधा हुआ है, तो आप तेल और पानी को मिश्रित नही कर सकते हैं। आप बस इसे लेकर और जैसा आप चाहते है कैसे भी तोड़–मरोड़ के कोशिश करे, यह कभी भी मिश्रित नहीं होगा, क्योंकि यह दो अलग–अलग रसायन हैं। और आप मत–सिद्धांत और बाईबल को, जो बाईबल के विपरीत है, एक साथ मिश्रित नहीं कर सकते। आप संप्रदाय और आजाद जन्मे धर्म को नहीं बना सकते, मेरा मतलब, आजाद जन्मे उद्धार को एक साथ मिश्रित नहीं कर सकते। क्योंकि, यह निश्चित है कि, परमेश्वर केवल व्यवहार करता है...

163 जो भी हो, मैं यह कहने जा रहा हूं। परमेश्वर अपनी योजना को कभी नहीं तोड़ता। वो तोड़ नहीं सकता, क्योंकि वह अनंत है। और मैं समझता

हूं, आप जानते हैं, मैं, यह टेप बहुत से लोगों के पास जाता है। समझे? लेकिन परमेश्वर अपनी योजना को तोड़ नहीं सकता। वह ऐसा कुछ नहीं कर सकता कि *एक* दिन कुछ तो करे, और इसे बदल दे, फिर कुछ तो ऐसा करे, यह कहते हुए कि *उस* दिन कुछ गलत था।

164 परमेश्वर मनुष्यों के झुंड के साथ व्यवहार नहीं करता। परमेश्वर एक व्यक्तिगत तरह से व्यवहार करता है, क्योंकि मनुष्य के पास भिन्न तरह के विचार होते हैं। वह स्वभाव में भिन्न तरह से बना हुआ है। परमेश्वर को उस व्यक्ति को लेकर, और उसे उलटना–पलटना होता है, और उसे खींचकर, उसे अपने आप से बाहर लाता है, जब तक उसमें उसका स्वभाव प्रतिबिंब नही होता। समझे? और उसके बाद परमेश्वर उस व्यक्ति के साथ व्यवहार करता है। सभी युगों में से होते हुए देखें, नूह और मूसा, वे भविष्यव्यक्ता, उनमें से दो जन कभी भी एक ही समय में नहीं थे। एक ही रहा है, निरंतर, सारे युगों में से होते हुए।

इसलिए, यदि आप कहते हैं, “अनेक सलाहकारों की सम्मति में सुरक्षा होती है।”

165 देखो, और जैसा कि मैंने कुछ समय पहले यहां आराधनालय में प्रचार किया था, वहां आहाब था, और वहां यहोशापात था, और वे गिलाद के रामोत पर चढ़ाई करने जा रहे थे, ताकि उन्हें पीछे धकेले। बुनियादी रूप से, वे सही थे, वो देश उनका था। और वो—वो शत्रु, वहां सीरिया के लोग, अपने बच्चों के पेट को भर रहे थे जो गेहूँ इस्राएल के लोगों के लिए होना चाहिए था। परमेश्वर द्वारा दी गई संपत्ति, इसलिए, मूल रूप से, यह अच्छा दिखाई दिया। “मेरे साथ चलो, और वहां ऊपर चलो, और हम उन्हें देश से धकेल कर निकाल देंगे।” तो, ये तो बहुत ही अच्छा लग रहा है। बुनियादी रूप से, ये सही था, लेकिन यह शर्तों पर आधारित है।

166 यहोशापात, एक अच्छा मनुष्य था, कहा, “लेकिन क्या हमें प्रभु से परामर्श नहीं लेना चाहिए? ”

167 निश्चय ही, आहाब, वो पिछड़ा हुआ था, कहा, “ठीक है, निश्चय ही।” सीमा रेखा के विश्वासी, आप जानते हैं। कहा, “ओह, निश्चय ही, मुझे इसके बारे में सोचना चाहिए था। मेरे पास चार सौ इब्रानी भविष्यव्यक्ता है। मैं उन चार सौ को खिलाता हूं, उनका ध्यान रखता हूं। वे देश में सबसे अच्छे अच्छे हैं। हम उन्हें सामने लाएंगे।”

168 और उन सब ने एक साथ, एक मन से कहा, “आगे बढ़ो। प्रभु आपके साथ है।” बुनियादी रूप से, वे सही थे, लेकिन वे उस परम सत्य को नहीं पकड़ पाए।

फिर जब उसने कहा, “क्या वहां एक और नहीं है? ”

169 कहा, “हां। वहां एक और है, लेकिन मुझे उससे घृणा है।” उसने कहा, “वह हमेशा ही मेरे बारे में बुरा कहता है, देखो, हमेशा ही कहता रहता है।”

170 वह कैसे अच्छी भविष्यवाणी कर सकता है, जब एलिय्याह ने सारा वचन, जो उससे पहले था, आहाब के लिए कहा, “कुत्ते तेरा खून चाटेंगे”? अब, वह प्रमाणित भविष्यव्यक्ता कुछ भी कैसे कह सकता है जो परमेश्वर की इच्छा नही थी? और किस तरह से, वो, “कुत्ते ईजेबेल को खा जायेंगे, और उसका अवशेष खेतों पर खाद की तरह पड़ा होगा, ताकि लोग यह न कह सकें, ‘यहाँ ईजेबेल पड़ी है।’” एक मनुष्य पर जो इस तरह के शाप के साथ हो, तो कोई और भला कैसे आशीष दे सकता है?

171 आज भी इसी तरह से है। कैसे एक मनुष्य इन चीजों को आशीषित कर सकता है जो लोगों को हर समय परमेश्वर से दूर ले जा रही है? यदि आवश्यक हो कि तुम अकेले ही खड़े रहो, तब भी करने के लिए केवल एक ही बात है: प्रभु के नाम में इन चीजों को शापित ठहराये, और इसके साथ बने रहे, जब आपके पास परम सत्य होता है।

आप कहते हैं, “भाई ब्रंहम, आप लोगों को अपने से घृणा करने को लगायेंगे।”

172 परमेश्वर मुझसे प्रेम करेगा। यही मेरा परम सत्य है। मांस की बाहों पर विश्राम नहीं कर सकते। आपको वचन पर विश्राम करना है, जो परमेश्वर ने करने को कहा है।

173 मिकायाह को कैसे पता चला कि वह सही था? वो रुका रहा। उसके पास एक दर्शन था। उनके पास भी एक दर्शन था, लेकिन वह दर्शन वचन से मेल नहीं खाता था। और आज, वही बात है। मिकायाह ने अपने दर्शन की तुलना वचन के साथ की, और फिर उसने देखा कि वो और वचन एक साथ थे। आज, यदि आपका दर्शन वचन के विपरीत है, तो इसे छोड़ दें, क्योंकि यह गलत परम सत्य है। मिकायाह का परम सत्य बिल्कुल ठीक वचन के साथ था, इसलिए वह खड़ा होकर कह सकता था, वो, उसने जो कहा, और—और इस पर विश्वास करता है।

174 जब, उन्होंने उसके मुंह पर थप्पड़ मारा, और कहा, “परमेश्वर का आत्मा किस ओर चला गया? ”

175 उसने कहा, “तुम इस बात को पाओगे जब तुम भीतरी कोठरी में जाओगे।” सही है।

176 उसने कहा, “जब मैं शांति से वापस आता हूं... तुम इस व्यक्ति को भीतरी कैदखाने में डाल दो, और जब मैं शांति से वापस आऊंगा,” आहाब ने कहा, “मैं इस व्यक्ति के साथ व्यवहार करूंगा।”

177 ओह, अब, मिकायाह, इसके विषय में क्या है? जब वह वापस आएगा तो तुम्हारा सिर काट दिया जाएगा। मिकायाह भी स्तिफनुस के समान दृढ़ खड़ा रहा। आमीन। बिल्कुल वैसे ही जैसे मेरा प्रभु अपनी इच्छा से क्रूस की ओर चलकर गया। बिल्कुल वैसे ही जैसे दानिय्येल सिंहो की मांद में चला गया, या शद्रक, मेशेक, अबेदनगो आग की भट्टी में चले गये। बिल्कुल! वह वहीं पर खड़ा रहा और कहा, “यदि तुम वापस आते हो तो ही... ” क्यों? वो परम सत्य था। “यदि तुम किसी भी तरह से वापस आते हैं, तो परमेश्वर ने मुझसे कभी बात ही नहीं की। फिर मेरा सिर काट दो।” उसके पास एक परम सत्य था। वह जानता था कि उसका दिशा सूचक, जिसने उसे इस दर्शन की ओर निर्देशित किया था, जो ठीक उत्तर के तारे के साथ था। जी हां, श्रीमान। उसका लंगर मजबूती से पकडे हुए था, जी हाँ, वो वचन और सिर्फ वही।

यदि आपका परम सत्य, यदि आपके जीवन में एक परम सत्य है...

178 एक समय था जब, आप जानते हैं, शिष्टाचार का एक परम सत्य था। मैं उस महिला का नाम नहीं सोच पा रहा हूं, लेकिन उस महिला ने जो कहा उस पर सारे राष्ट्र ने भरोसा किया। मैं उसका नाम भूल गया। मैं यहां एक टिप्पणी को लिख रहा था। मुझे उस महिला का नाम याद नहीं आ रहा था, यह क्या था। लेकिन यहाँ, कुछ वर्ष पहले, वहाँ पर होना था... इस महिला ने जो कहा, यदि वो महिला कहती है कि अपने बाएं हाथ में खाते समय चाकू का उपयोग करो, तो ऐसा—ऐसा ही होना था, यह परम सत्य था। वो इन—इन सभी का उत्तर थी। और यदि आप कांटे के चम्मच को बाएं हाथ में पकड़ते है, तो आप पूरी तरह से गलत है। उसका नाम क्या था? [सभा कहती है, “एमिली पोस्ट।”—सम्पा।] ओह, ऐसा ही है। निश्चय ही। जी हां। वही है वो। अब, आप—आप परम सत्य थे... वह—वह शिष्टाचार

परम सत्य था। "यह उसी तरह से होना चाहिए।" जैसे, ओह, हमें इस तरह की बहुत सी चीजें देखते हैं। लेकिन, हम पाते हैं, अब यह खत्म हो गया है। जैसे चाहो वैसे खाओ। जी हां, श्रीमान। ठीक है। लेकिन ये शिष्टाचार का परम सत्य था। "इसे इसी तरह से करना था।"

179 एक समय था जब एडोल्फ हिटलर जर्मनी का परम सत्य था, जो कुछ भी उसने कहा। जब उसने कहा, "कूदो," वे कूद पड़ते। उसने कहा "मार डालो," तो वे मार डालते। उसने उसके सिर को हिला कर इशारा किया, लाखों यहूदियों को मार डाला। आप देखते हैं कि उस प्रकार के एक परम सत्य का क्या हुआ? यह शक्ति की तरह दिखाई दिया, लेकिन ये वचन के विपरीत था।

"आप कैसे जानते हैं कि यह वचन के विपरीत था?"

180 परमेश्वर ने कहा। जब बिलाम ने इस्राएल को देखकर उसे शाप देने की कोशिश की, "मैं उसे एक सींग का जानवर सा देखता हूं। तेरे डेरे कितने धार्मिकता के हैं! जो कोई तुझे शाप देगा वो शापित होगा। जो कोई तुन्हें आशीष देगा, वह आशीषित होगा।"

181 ऐसा लगता है कि हिटलर यह देख सकता था। ऐसा लगता है कि वे जर्मन मसीही लोग इसे देख सकते थे, देखो, इस परम सत्य को। उस वचन के पूरी तरह से विपरीत। आप जानते हैं, जैसा कि कहा गया है, "मनुष्य... परमेश्वर ने मनुष्य को बनाया, लेकिन मनुष्य ने गुलाम बनाये।" एक दूसरे पर राज करने की कोशिश कर रहे है। हमारे ऊपर एक ही राज करने वाला है, वो है परमेश्वर।

182 लेकिन हिटलर जर्मन का परम सत्य था। आज इसकी ओर देखिए। अब, देखिए क्या हुआ? यह गलत परम सत्य था। क्यों? यह वचन के विपरीत था। और अब आप देखते हैं कि यह सब कहां पहुंच चूका है: अपमानजनक स्थिति में।

183 और यदि आपका परम सत्य किसी संगठन, या किसी अनुभूति में है, या यीशु मसीह के व्यक्ति को छोड़ कुछ तो और है, आप उसी लज्ञाजनक स्थिति में पड़ेंगे, उससे भी बदतर स्थिति में, देखो, यदि आपका परम सत्य मसीह नहीं है। यही मनुष्य जीवन का एकमात्र केंद्र बिंदु है, और मसीह वचन है, आपकी कलीसिया नहीं, वचन। देखा? "इस परम सत्य पर मैं अपनी कलीसिया को बनाऊंगा," मसीह पर, वचन पर।

184 एक समय था जब मुसोलिनी रोम का परम सत्य था। मैं नहीं जानता, हो सकता है मैंने एक लेख पढ़ा हो, या यह हो सकता है कि मैंने इसे किसी एक किताब में पढ़ा हो, या किसी ने मुझे बताया हो, लेकिन जब मुसोलिनी के द्वारा किसी का इंटरव्यू लिया जा रहा था। तो वह...

185 वो चाहता——चाहता था कि रोम को खेल में, खेलकूद के अंदर आगे बढ़ाये। और वहां उसकी एक बड़ी मूर्ति हुआ करती थी, जो खेल–कूद से संबंधित थी। यह ठीक बात है। यूनान के पास बहुत वर्ष पहले ऐसा विचार था। रोम ने हमेशा ही इसे अपनाने की कोशिश की है। खिलाड़ी अच्छी बात है, लेकिन——लेकिन खेलकूद। लेकिन——लेकिन याद रखें, यह मसीह का स्थान नहीं ले सकता। कोई फर्क नहीं पड़ता कि आप कितने शक्तिशाली हैं, इसका इससे कोई लेना–देना नहीं है। वह सर्व सामर्थी है। और आप देखते हैं कि उसने किस बात पर रोम को बनाने की कोशिश की। और उसने रोम को उस परम सत्य पर बनाने की कोशिश की, कि वो स्वयं परम सत्य है।

186 और उन्होंने कहा कि, एक दिन, कि उसका——उसका——उसका ड्राईवर एक मिनट पहले आ गया, और उसने उसे गोली मार दी। कहा, "मैंने यह नहीं कहा था कि, 'नौ बजने से एक मिनट पहले यहां आ जाना।' मैंने कहा, 'यहां नौ बजे तक आ जाना।'" धायं! और उसे गोली मार दी। देखा? देखा? "मैं तुम्हें एक मिनट पहले यहां नहीं चाहता। मैं तुम्हें यहां नौ बजे चाहता हूं।" समझे? देखो, उसने अपने आप को कितना परम सत्य बनाने की कोशिश की। लेकिन आप देखते है कि क्या हुआ?

187 आपको याद होगा, आप में से बहुत से यहां पुराने समय के लोग, रॉय स्लॉटर याद होंगे, हो सकता है, और उससे भी पहले, वहां याद है जब मैंने आपको भविष्यवाणी के बारे में बताया था। एक दिन, वहाँ उस ऑड फेलोज़ के भवन में, इससे पहले कि हम कभी यहाँ आते, मैंने बताया था, "मुसोलिनी का शर्मनाक अंत होगा।" मैंने कहा, "उसका पहला आक्रमण, वह इथियोपिया जाएगा, और इथियोपिया उसके कदमों पर गिर जाएगा। लेकिन वह अपने अंत में आ जाएगा, और कोई भी उसकी सहायता नहीं करेगा। वह अपमान में गाड़ा जाएगा।" वहां है वो।

188 मैंने कहा, "वहां तीन वाद उठ खड़े होते हैं। नाजीवाद, फासीवाद और साम्यवाद।" मैंने कहा, "वे वाद घूम–फिरकर और एक में आ जाएंगे, और वह साम्यवाद होगा। देखो। साम्यवाद रोम को जला देगा।" समझे?

189 आप इसे देखिए। उह–हुंह। यह परमेश्वर के हाथ में एक औजार है। वे सोचते हैं कि वे परमेश्वर के विरोध में हैं। वे हर समय ठीक इसमें काम कर रहे हैं, वे इसे नहीं जानते। वो उन्हें बस कठपुतली की तरह उपयोग कर रहा है, हूं–हुंह, उसके हाथ में किसी औजार की तरह है, जैसे उसने नबूकदनेस्सर और बहुत से दूसरे लोगों के साथ किया था। अब ध्यान दें। देखो, अब।

190 एक समय था जब फिरौन मिस्र का परम सत्य था, लेकिन देखो अब यह कहां पर है। समझे? यह सब विफल हुआ है।

191 ओह, यह एक गलत प्रकार का है, इसलिए वे हमेशा ही असफल होते हैं। वे मनुष्य के बनाए हुए परम सत्य है। आप मनुष्य द्वारा बनाए गए परम सत्य को नहीं ले सकते है। मैं इसकी परवाह नहीं करता यदि यह एक—एक राष्ट्रपति है, यदि यह एक तानाशाह है, यदि यह एक राजा है, यदि यह एक कलीसिया है, यदि यह एक संस्था है, यदि यह एक संप्रदाय है। उनमें से हर एक चीज नाश होने जा रही है, बिल्कुल वैसे ही जैसे युगों में से होते हुए उस तरह के सारे परम सत्य हुए है।

192 हम पीछे की ओर देख सकते हैं। पीछे मुड़कर देख सकते हैं। उन मनुष्यों की ओर देखो जिन्होंने सम्राटों पर भरोसा किया था। उन मनुष्यों को देखो जिन्होंने तानाशाहों पर भरोसा किया। उन लोगों की ओर देखें जिन्होंने अपनी आशाओं को एक प्रकार के उन परम सत्य के ऊपर बनाया, और देखो कि आज वे कहां पर हैं।

193 अब आइए हम अपने आप को पीछे मोड़े और उन मनुष्यों की ओर देखें जिन्होंने अपनी आशा को बाईबल पर रखा है, परमेश्वर के वचन पर, और इसे एक परम सत्य के लिए इसे थामे रखा। देखो वे अब कहां पर हैं।

194 पौलुस आपको इब्रानियों के 11वें अध्याय में उनका एक छोटा सा सारांश देता है, उन्होंने जो किया। "उन्होंने किस तरह से राज्यों को जीता, धार्मिकता के काम किये, और इत्यादि। और वे भेड़ की खाल और बकरियों की खाल ओढ़े हुए इधर–उधर भटकते फिरे। संसार उनके योग्य नहीं था।" [टेप पर खाली स्थान—सम्पा।] उस भव्य पुनरुत्थान के लिए महिमा में प्रतीक्षा कर रहे है। समझे? तो ठीक है। क्योंकि वे, उनमें से कुछ लोग, इन अद्भुत कार्यों को नहीं—नहीं कर पाये, और कुछ भी हो, उन्होंने अपने शरीर को दे दिया, वे आगे उस पुनरुत्थान के लिए प्रतीक्षा कर रहे हैं।

उन्होंने अपने जीवन को समाप्त करने के लिए, इसकी परवाह नहीं की। वे आगे बढ़कर और स्वयं को बलिदान करना चाहते थे, ताकि वे उस पुनरुत्थान को प्राप्त कर सकें, और यही है जो उन्होंने किया।

अब, वे परम सत्य, हम उस परम सत्य की बात कर रहे हैं।

195 आप जानते हैं, हमारा सुप्रीम कोर्ट एक परम सत्य है। यह परम सत्य है। यह—यह इस राष्ट्र में सारे वाद–विवादों का अंतिम निर्णय है। यह सही है। हमारे सुप्रीम कोर्ट में उनका निर्णय एक परम सत्य होता है। सही है। ओह, मैं जानता हूं कि कभी–कभी हम इसे पसंद नहीं करते हैं, लेकिन जो भी है, यह—यह एक परम सत्य है। जी हां, श्रीमान। क्या होता यदि हमारे पास यह नहीं होता? तब क्या? लेकिन यही एक परम सत्य है। निश्चय ही ये है। क्यों? यही है, हमारा राष्ट्र, इससे बंधा हुआ है। जब वो सुप्रीम कोर्ट अंत में उनके अंतिम निर्णय को करता है, बात समाप्त हो जाती है। वहां आगे कुछ नहीं है। उसके बाद आप कहां जायेंगे? आपको उनके निर्णय का पालन करना है, बात खत्म। आपको करना ही है। वे अंतिम शब्द होते हैं। वे आमीन हैं।

196 आप इसे स्थानीय शहर के कोर्ट में कोशिश कर सकते हैं। आप इसके लिए न्यायाधीश में कोशिश कर सकते हैं, फिर राज्य संबंधी, सभी प्रकार के कोर्ट में, और राज्य संबंधी कोर्ट में जा सकते हैं। लेकिन जब हम सुप्रीम कोर्ट में आते हैं, तो बात खत्म हो जाती है। सही है। कभी–कभी हम यह कहना पसंद नहीं करते हैं, "खैर, मैं उनके निर्णय को पसंद नहीं करता," लेकिन आप एक बार इससे दूर जाने की कोशिश करते हैं। यही राष्ट्र का परम सत्य है। और यदि हमारे पास ये नही होता तो क्या होता? जी हां।

197 हमारे पास एक परम सत्य होना है। हर किसी के पास एक होना है। आपके पास एक है। लेकिन जो मैं आपको बताने की कोशिश कर रहा हूं, वहां की पृष्ठभूमि को, और आपको दिखाना चाहता हूं कि परम सत्य क्या है।

198 अब, राष्ट्र का सुप्रीम कोर्ट राष्ट्र का परम सत्य है। किसी भी प्रकार के विवाद में यही अंतिम चीज होता है। वे मामले को समाप्त कर देते हैं। वे जो कहते हैं, वही अंतिम होता है।

199 एक गेंद के खेल में एक परम सत्य होता है। यह वो अंपायर होता है। ओह, हाँ। कभी–कभी हम उसके निर्णय को पसंद नहीं करते हैं, लेकिन

जो भी हो, ये—ये—ये वही अंतिम होता है। अंपायर, उसका निर्णय ही अंतिम शब्द होता है, यह सही है, कोई फर्क नहीं पड़ता कि दूसरे क्या कहते हैं। यदि वह कहता है कि ये एक स्ट्राइक या गेंद नियम के अनुसार है, तो यह एक स्ट्राइक है। ये सही है। निश्चित रूप से। कोई फर्क नहीं पड़ता कि दूसरे क्या कहते हैं, इसका इससे कोई लेना–देना नहीं है। और आइए इस पर विचार करें। यदि आप... मैं गेंद के खेल देखने नहीं जाता, लेकिन बस मैंने इस चीज को लिख लिया। एक अंपायर, वह गेंद के खेल में परम सत्य होता है।

200 उनमें से एक कहता है, "यह एक सही गेंद थी।" दूसरा एक कहता है, "तुम झूठे हो।" *यह* कहता है, "यह *उस* तरह से है। तुम्हें *इस* तरफ होना चाहिए।"

201 अंपायर ने कहा, "स्ट्राइक!" देखिए बाकी के लोग अपने स्थान को ले लेते हैं और बैठ जाते हैं। कुछ लोगों को यह बात अच्छी नहीं लगती। लेकिन मैं कल्पना करता हूं कि वे मन ही मन उससे चिढ़ते भी होंगे, और बड़बड़ाते होंगे, लेकिन कुछ भी हो फैसला ये 'स्ट्राइक' ही बना रहता है। क्यों? उसके शब्द अंतिम है।

202 पहला बेसमेन खिलाड़ी कहता है, "तुम जानते हो कि यह गेंद निकल चुकी थी।" दूसरा एक कहता है, "तुम जानते हो कि यह एक... "

203 वह कहता है, "स्ट्राइक।" उह–हुंह। बस ऐसा ही है। तब चुप हो जाओ, अपने स्थान पर वापस जाओ।

204 क्या होता यदि गेंद के खेल में अंपायर ना होता? ओह! क्या आप कल्पना कर सकते हैं कि वह कैसा खेल होगा? उनमें से एक ने कहता है, "यह तो स्ट्राइक थी।" कोई *ऐसा* कहता है। कोई और *वैसा* कहता है। किसी और ने कहा, "तुम झूठे हो।" वहां एक विवाद होगा और लड़ाई हो जायेगी।

205 एक गेंद के खेल को खेलने के लिए, आपके पास एक परम सत्य होना है। और वो वहां से चलकर बाहर चला जाता है, और इससे कोई फर्क नहीं पड़ता यदि आप उसे पसंद नहीं करे, या जो भी है, वो—वो तो परम सत्य है, जो कुछ भी हो। वो परम सत्य है। उसका शब्द अंतिम है, कोई फर्क नहीं पड़ता कि आप उसके बारे में क्या कहते हैं। यह इसी तरह से है। अब,

यदि वे नहीं करते, तो सारा खेल अस्त–व्यस्त हो जायेगा। क्या यह सही है?

206 राष्ट्र कैसा होता यदि वहां एक राज्य संबंधी कोर्ट नहीं होता? इस राष्ट्र में सुप्रीम कोर्ट नहीं होता था, तो फिर क्या होता? वे कहाँ जाते? राष्ट्र एक उथल–पुथल की अवस्था में होता। यदि वहां एक ऐसा न होता...

207 यदि किसी गेंद के खेल में अंपायर न हो, तो खेल शुरू भी नहीं हो पाएगा, पहली गेंद फेंकने से पहले ही कोई–न–कोई बहस करने लगेगा। कोई तो वहाँ खड़ा होगा, और गेंद वास्तव में प्लेट के ऊपर से भी निकल जाए, और दूसरा व्यक्ति कहेगा, "ओह नहीं। नहीं, नहीं। ये ऐसा नहीं हुआ।" तब, बहस शुरू हो जाएगी। पहली गेंद के फेंकते ही, वे इस पर बहस करने लगेंगे। उनमें से एक कहता है, "यह एक स्ट्राइक थी।" दूसरा कहता है, "यह स्ट्राइक नहीं थी।" समझे?

208 आपके पास कोई तो ऐसा व्यक्ति होना चाहिए जिससे खेल जुड़ा हुआ हो, और वह है अंपायर। जब वह कहता है, "स्ट्राइक," तो यह स्ट्राइक है। यदि वह कहता है, "गेंद," तो यह गेंद है। वह जो भी कहता है, वही होता है। यही है। और यदि आप ऐसा नहीं करते, तो आपके पास कोई खेल नहीं होगा।

209 मैं आपको एक और परम सत्य दिखाता हूं, वह है लाल बत्ती। एक लाल बत्ती, जब यह कहती है, "रुको," इसका अर्थ रुकना होता है। यदि आप इसे तोड़कर निकलते हैं, तो आप इसके लिए भुगतान करेंगे। लेकिन यदि इस शहर में कोई भी बत्ती नहीं होती, रोकने के लिए बत्ती नहीं होती, तो यह शहर कैसा होता? समझे? इसके पास एक परम सत्य होना है। मैं परवाह नहीं करता कि पुलिसकर्मी ने क्या कहा, या वहां खड़े किसी और ने क्या कहा। वे दूसरे स्थान पर आते हैं। यदि कोई यह साबित कर सकता है कि आप हरी बत्ती में से ही होकर निकले हैं, मैं परवाह नहीं करता कि पुलिसकर्मी ने क्या कहा, वे गलत हैं। जब बत्ती ने कहा "जाओ," इसका अर्थ होता है जाओ। यही परम सत्य है। आप इसे साबित कर सकते हैं, बत्ती ने कहा "जाओ।" हो सकता है वो पुलिसकर्मी कहीं पर खड़ा हो, हो सकता है, शहर का मेयर कहीं पर खड़ा हो, इससे जरा भी फर्क नहीं पड़ता। यदि आपके पास प्रमाण है कि यह "जाओ" था, तो आप जाए। और यदि कोई आपकी गाड़ी को ठोकर मारता है, तो यह उसकी गलती

है। आप इसे साबित कर सकते हैं। यह सही है।

और हम जो बोल रहे हैं उसे साबित कर सकते हैं। सही है।

210 अब, यदि वहां कोई लाल बत्ती ना हो तो क्या होगा? एक जन एक चौराहे पर जाता है, और यह... देखो यह क्या होगा। एक जन कहता है, "हे! रास्ते से हट जाओ। मैं जल्दी में हूं। मुझे काम पर जाना है। मुझे अब देर हो रही है। मैं अभी इसमें से होकर निकलूंगा।" दूसरा एक कहता है, "तुम क्या सोचते हो कि तुम्हें ही जाना है। इसलिए, मैं ही एक पहला हूं जो यहां से निकलूंगा, क्योंकि मैं यहां पहले था।" और मैं देख सकता हूं कि एक महिला बाहर निकलकर और अपने बालों को ठीक करती है। क्या होता यदि हमारे पास लाल बत्ती न होती? क्या वहां ट्रैफिक जाम नहीं होगा!

211 यह मामला कलीसियाओ के साथ है। समझे? यह बिल्कुल सही है। यही कारण है कि हमारे पास एक ऐसा सांप्रदायिक जाम लग गया है। जी हां। यह बिल्कुल सही है। कोई भी कहीं नहीं पहुंच पा रहा है। वे वहां खड़े होकर लड़ रहे हैं।

212 *यहाँ* परमेश्वर की बत्ती है। जब यह कहता है, "जाओ," तो जाओ। जब यह कहता है, "रुको, अब इससे आगे नहीं," तो रुक जाओ। यह सही है। यही है जहाँ हमारा आधार है, उसी पर, उस वचन पर, ना ही किसी मनुष्य के झुण्ड ने जो कहा, या किसी और मनुष्यों के झुण्ड ने क्या कहा। यीशु ने कहा, "विश्वास करने वालो के यह चिन्ह होंगे।" आओ हम चले। "तुम सारे संसार में जाकर, हर एक सृष्टी को सुसमाचार प्रचार करो।"

213 आप जानते हैं, शिक्षा कितनी भी अच्छी क्यों ना हो, लेकिन यीशु ने इसकी कभी भी मांग नहीं की। यह सही है। कलीसियाये, इमारतें कितनी भी अच्छी क्यों ना हो, उसने उसकी कभी मांग नहीं की। अस्पताल कितने भी अच्छे थे; हम, कलीसियाये, अस्पताल बनाते है। यह ठीक बात है। हम इसकी सराहना करते हैं। लेकिन इसकी कभी भी मांग नहीं की।

214 उसने कलीसिया से कहा, "सुसमाचार प्रचार करो।" और सुसमाचार केवल वचन में नहीं आया, लेकिन सामर्थ और वचन के प्रगटीकरण के जरिए से आया। पौलुस ने ऐसा कहा। तब जाकर, सुसमाचार को प्रगट करें, ओह, प्रभु, यदि यह इस तरह से था।

215 ओह, हम, आज, ऐसे समय में रह रहे हैं जब हमारे पास अब तक के सबसे अच्छे डॉक्टर है। हमारे पास अब तक की सबसे अच्छी दवाइयाँ हैं

जिनका हमने कभी सेवन किया है। आप यह जानते हैं। और हम उन लोगों को सलाम करते हैं। हम उनके लिए प्रार्थना करते हैं। मैं करता हूं, और मैं आशा करता हूं कि आप भी करते है। वे लोग, जो अपनी भावनाओं की समझ के साथ होते है... उनके पास काम करने के लिए दो चेतनाए है, वो है देखना और महसूस करना, और वे... और सुनना। वे ह्रदय की ध्वनि के द्वारा काम करते हैं, या एक—एक ट्यूमर को महसूस करना, या कुछ तो, या किसी चीज को दिखना जिसे वे देख सकते हैं, एक बीमारी का फैलना, या—या चेहरे पर कुछ तो है, जो चेहरे पर या शरीर पर कहीं तो बढ़ता जा रहा है। वे—वे उन चीजों पर काम करते हैं। समझे? क्योंकि यही... और वे दवाइयाँ लेने की कोशिश करते हैं, और बहुत कुछ देते है जो इस बीमारी को ख़त्म कर देगा, और फिर ये आपको नहीं मारेगी, और—और इत्यादि। वे नहीं मारेगी... यह उनका काम होता है, कि उस पर काम करे। और हम इसकी सराहना करते हैं। यह बहुत अच्छी बात है। लेकिन, हमारे पास सबसे अच्छे डॉक्टर हैं, सबसे अच्छी दवाईयाँ है, सबसे अच्छे अस्पताल है, और हमारे पास पहले से कहीं अधिक बीमारियाँ हैं।

216 हमारे पास पहले से कहीं ज्यादा अविश्वास है। जी हां, श्रीमान। बिल्कुल सही। सेवकों ने खुद को संगठित कर लिया है, और उनके पास बड़े–बड़े संप्रदाय हैं, और किसी भी चीज और इत्यादि बातों को ले रहे हैं, और बस कुछ भी करते है, कलीसिया का एक सदस्य बनाते है। और वे किसी धर्म विद्यालय में जाते है, जैसे एक अंडे सेने की मशीन से निकले हुए चूजे, और उन्हें एक मशीन की प्रक्रिया के द्वारा तैयार किया जाता है जो उन्हें इस तरह से बाहर निकालता है, और कभी–कभी परमेश्वर के बारे में उतना भी नही जानते जितना एक मिस्त्र की रात के बारे में एक हॉटनटोट जाति जानती है। उन्हें इसी तरह से लेकर आते है, और वहां आप है। समझे?

217 ओह, हमें अपनी कलीसियाओ में एक ऐसे व्यक्ति की आवश्यकता है, जिसके पास एक परम सत्य हो। हमें मेथोडिस्ट कलीसिया, बैपटिस्ट कलीसिया, पेंटीकोस्टल कलीसिया, प्रेस्बिटेरियन कलीसिया में हमें किसकी आवश्यकता है, वो है एक परम सत्य, परमेश्वर का एक जन जो वचन और मसीह से बंधा हुआ खड़ा रहेगा, और उस सभा के लोगों को उस शर्त के अधीनता में लाता है, जहां हर एक सदस्य इस वचन के शर्त की अधीनता में चले, उस वचन को प्रकट होते हुए देखकर, उनका अनुसरण करते है, "विश्वास करने वालो के पीछे–पीछे ये चिन्ह जायेंगे,

सारे संसार में।”

उन्होंने कहा, “यह तो समाप्त हो चूका है।”

218 यीशु ने कहा, “तुम सारे संसार में जाओ, हर एक सृष्टी को सुसमाचार प्रचार करो।” हम अभी तक सारे संसार में नहीं पहुंचे हैं, और हर एक सृष्टी से बहुत दूर है। कितना दूर? “सारे संसार में।” किसके लिए? “हर एक सृष्टी को।” क्या होगा? “ये चिन्ह उनके पीछे जायेंगे जो विश्वास करते हैं। मेरे नाम से वे दुष्टात्माओं को निकालेंगे। वे नई–नई भाषा के साथ बोलेंगे। यदि वे एक सांप को उठा ले, या उस घातक चीज को भी पी जाए, तो इससे उनकी कोई हानि नहीं होगी। यदि वे बीमारों पर हाथ रखेंगे, तो वे चंगे हो जाएंगे।” यही है वहां परम सत्य थामे हुए है, वो वचन, वो उत्तर का तारा, वह दिशा सूचक जो ठीक उसके साथ बना रहता है। यही है जो हमें आवश्यकता है।

219 लेकिन हमने बाहर जाकर और संस्थाओं का निर्माण किया, लोगों को संगठित किया, सदस्यों को जोड़ा, और बैपटिस्ट के साथ विवाद किया क्योंकि उन्होंने विश्वास नहीं किया जिस तरह से हम करते है, और मेथोडिस्ट क्योंकि उन्होंने *इस* तरह से विश्वास नहीं किया। और—और हमने एक बड़ा धर्म विद्यालय बनाया, कुछ बड़ी–बड़ी कलीसियाओं का निर्माण किया, और बेहतर आलीशान कुर्सियां लगाई, और एक बड़ा बजाने का पियानो, और इत्यादि, और एक बहुत ही अच्छे कपड़े पहने हुए भीड़, और हमारे पास मेयर और कलीसिया का हर एक जन है। और हमें क्या मिला है? मृत्यु का एक झुण्ड, जो एक सांप्रदायिक परम सत्य से बंधा हुआ है। मृत्यु! ओह, इससे दूर रहे!

220 यदि मैं अपने मार्ग में मर भी जाऊं, तो मेरा परम सत्य यीशु मसीह है, उसी पर मैं विश्वास करता हूं, यदि सभी लोग निकल भी जाए। किसी ने कहा, डॉ डेविस ने मुझसे कहा, “बिली, तुम इस तरह की बात का प्रचार करते हो, तो तुम इसे कलीसिया के खंभों को ही प्रचार करोगे।”

221 मैंने कहा, “मैं तब परमेश्वर के वचन को उन खंभों को प्रचार करूंगा, क्योंकि परमेश्वर इन खंभों से अब्राहम के लिए सन्तान को उत्पन्न कर सकता है।” सही है। परमेश्वर का वचन सच्चा है।

कहा, “तुम सोचते हो कि वे तुम पर विश्वास करेंगे? ”

222 मैंने कहा, “यह नहीं... यह मेरा काम नहीं है। मेरा काम ये है कि उस वचन के प्रति सच्चा बना रहूं।” यह सही है।

223 कहा, “तुम सोचते हो कि तुम इस तरह के शिक्षित संसार से सामना कर सकते हो, दैविक चंगाई के—के धर्मज्ञान के साथ? ”

224 मैंने कहा, “यह मेरी दिव्य चंगाई नहीं है। यह उसकी प्रतिज्ञा है। वही वो एक था जिसने आज्ञा दी थी।” ओह!

225 और मुझे याद है जब वह वहां उस बड़े प्रकाश में तेजी से नीचे उतर आया, उस ओर नदी के निचले स्थान पर ठहरा हुआ था, 1933, जून में, जब उसने कहा, “जैसे—जैसे यूहन्ना बपतिस्मा देने वाला आगे भेजा गया था और मसीह के पहले आगमन से पहले, मैं तुम्हें संसार के लिए एक संदेश के साथ भेज रहा हूं, कि तुम मसीह के दूसरे आगमन से पहले जाओ।” और यह संसार भर में चला गया, जब लगभग हर एक पहाड़ पर पंद्रह वर्षो से बेदारी की आग बनी हुई थी। सारे राष्ट्रों में दिव्य चंगाई, और सामर्थ, और लौटाया जाना।

226 और अब मैं विश्वास करता हूं कि वह उस ओर अंतिम चरम पर पहुंचने के लिए तैयार है, ताकि एक ऐसे विश्वास को आगे लाये जो कलीसिया को रैपचर के अंदर महिमा में ले जाए। और वो संदेशों में बनी रहती है। हम वास्तव में अंत समय पर हैं। हमने इसके बारे में बात की है, और हर चीज के बारे में बात की है, लेकिन बात अब हम पर आ गई है। जी हां। हां, श्रीमान। यहाँ पर वो एक है। यह सही है।

227 वो—वो—वो लाल बत्ती, जैसा कि मैंने कहा, इससे बात खत्म हो जाती है। ऐसा ही है। लाल बत्ती आपको बताती है कि किसे जाना है। कोई फर्क नहीं पड़ता कि कोई और क्या कहता है, यही है जो लाल बत्ती बता रही है। आप वास्तव में ट्रैफिक जाम कर सकते हैं यदि आपको—यदि आपको लाल बत्ती से कोई आपत्ति नहीं हैं। वहां एक परम सत्य को होना ही है। जी हां, श्रीमान।

228 बिल्कुल वैसे ही जैसे कलीसिया के लिए, वहां एक परम सत्य होना है। कलीसिया में लोगों के लिए, आपके पास आपका परम सत्य होना है।

229 लेकिन, आज, हर एक कलीसिया के पास उनका अपना परम सत्य है। देखा? और इसे लेने की कोशिश ना करें, “हम बैपटिस्ट *इस* पर विश्वास करते हैं। हम मेथोडिस्ट *इस* पर विश्वास करते हैं। हम प्रेस्बिटेरियन *इस*

पर विश्वास करते हैं। हम पेंटीकोस्टल *इस* पर विश्वास करते हैं।" यह ठीक है, लेकिन आप इसका बाकी का क्यों नहीं लेते? इसके बाकी के साथ क्या गलत है?

230 "हम बैपटिस्ट डुबाने में विश्वास करते हैं।" यह अच्छी बात है। अब पवित्र आत्मा के बपतिस्मे के विषय में क्या है? अन्य जुबान बोलने के विषय में क्या है? चंगाई के दानों के विषय में क्या है? भविष्यवाणी के विषय में क्या है? "ओह, नहीं। हम नहीं लेते है। यह, यह दूसरे युग के लिए था।" ओह, लड़के!

231 पेंटीकोस्टल, आप कहते हैं, "तो ठीक है, हम प्रमाण के लिए अन्य भाषा में बोलने में विश्वास करते हैं।" निश्चय ही, अन्य जुबान में बोलना ठीक है, लेकिन यह फिर भी प्रमाण नहीं है। बहुत से लोग अन्य जुबान में बोलते हैं, यह सच है, और वे उतना ही आगे जा सकते हैं। शैतान किसी भी दिए गये दान की नकल कर सकता है, कोई भी दान जो बाईबल में है।

232 पौलुस ने कहा, "यदि मैं मनुष्यों और दूतों की बोलियाँ बोलूं, यदि अपनी देह जलाने के लिए दे दूं, यदि मैं अपनी सम्पूर्ण संपत्ति कंगलों को खिला दूं, और मुझे यहाँ तक पूरा विश्वास हो कि मैं पहाड़ों को हटा दूँ, यद्यपि मैंने धर्म विद्यालय में जाकर और वहां सीखने योग्य सारा ज्ञान प्राप्त किया हो, फिर भी मैं कुछ भी नहीं हूं।"

233 यह मसीह का व्यक्ति है। मसीह, उसे ग्रहण करे, और आप उसके वचन को ग्रहण किए बिना उसे ग्रहण नहीं कर सकते। वचन को पहले आना है, उसके बाद जीवन उस वचन में आता है और उस वचन को प्रगट करता है।

234 क्या यीशु ने नहीं कहा, "यदि मैं अपने पिता के काम को नहीं करता, तो मेरा विश्वास मत करो"? यह परमेश्वर का वचन प्रगट हो रहा था। परमेश्वर मसीह में था, मेल मिलाप कर रहा था, अपने आप को संसार के सामने व्यक्त कर रहा था, कि वह क्या था। यह—यह परम सत्य था। यह वहां पर अनंत परम सत्य था।

235 अब आप कहते हैं, "क्या यह अनंत है, भाई ब्रन्हम? " यह था। "तो फिर आज के विषय में क्या है? "

236 यीशु ने कहा, "वह जो मुझ पर विश्वास करता है, जो काम मैं करता हूं वह भी करेगा।" यह वही परम सत्य है। तो ठीक है।

237 हर एक के पास उनका परम सत्य है। ओह, प्रभु! यह बिल्कुल वैसा ही है जैसा यह न्यायियों के दिनों में होता था, "हर एक व्यक्ति ने वही किया जो उसकी अपनी दृष्टि में सही था।" न्यायियों के दिनों में, हर एक व्यक्ति के पास उनका—उसका अपना परम सत्य था। उसने वही किया जो वह करना चाहता था। और अब ये इसी तरह से है। "हर एक मनुष्य अपनी दृष्टि में सही करता है।" अब, आप जानते हैं कि उन्होंने न्यायियों में ऐसा क्यों किया? यह जानकर आपको थोड़ा सा झटका लग सकता है। लेकिन न्यायियों के दिनों में उन्होंने ऐसा इसलिए किया, क्योंकि उन दिनों में उनके पास कोई भविष्यव्यक्ता नही था, क्योंकि प्रभु के वचन को आना था। इसलिए हर एक व्यक्ति अपनी दृष्टि में वह कर सकता था जो वह चाहता था।

238 और आज बिल्कुल ठीक ऐसा ही हुआ है। इन संप्रदायों के दिनों में हमारे पास भविष्यव्यक्ता नहीं है, लेकिन परमेश्वर ने हमसे एक प्रतिज्ञा की है। समझे? समझे? और उसने की है। अंत के दिनों में, वह उठ खड़ा होगा और एलिय्याह को फिर से दृश्य पर वापस भेजेगा, "और वह बच्चों के ह्रदय को वापस पूर्व-पिताओं के विश्वास की ओर फेरेगा," वापस मूल पेंटीकोस्टल की ओर। आप जानते हैं उसने ऐसा कहा था।

239 अब, मैं जानता हूं कि आप इसका उल्लेख करेंगे, जैसा कि उसने वहां यूहन्ना के लिए किया था, वहां मत्ती के 11वें अध्याय में—में, और 6वें पद में, मैं विश्वास करता हूं कि यही है, जब उन्होंने कहा, "तुम क्या सोचते हो यह मनुष्य कौन है, यह यूहन्ना?"

240 उसने कहा, "यदि तुम इसे ग्रहण कर सकते हो, तो यह वही है जिसके विषय में बोला गया था, 'देखो, मैं अपने दूत को अपने आगे-आगे भेजता हूं।'" यह मलाकी 3 है, ना कि मलाकी 4।

241 लेकिन, याद रखें, यदि वह मलाकी 4 था, तो वचन विफल हो गया, क्योंकि उसने कहा, "लेकिन बस इस समय पर, सारा संसार जला दिया जाएगा, और धर्मी दुष्टों की राख पर चलेंगे।" नहीं। इस वचन को मिलाओ मत, भाई। इसे बिल्कुल ठीक वैसा ही कहे जैसा यह कहता है। यह सही है। उसने अंतिम दिन में इसकी प्रतिज्ञा की है, और यह ठीक बीच में होगा।

242 याद रखें, जब न्यायियों में, हर एक मनुष्य ने वैसा ही किया जैसा वह चाहता था। वहां कोई मनुष्य नहीं था, कोई भी मनुष्य उस वचन को जीवंत

नहीं कर सकता था। कोई भविष्यव्यक्ता नहीं था। प्रभु का वचन हमेशा ही भविष्यव्यक्ता के पास आता है। सही है। और उससे हमेशा घृणा की जाती है। केवल छोटा झुण्ड जो उससे प्रेम करता है, देखो। लेकिन, मेरा मतलब है, ऐसा तो हमेशा से था।

243 परमेश्वर अपनी नीति को नहीं बदलता, वह ऐसा करके और परमेश्वर बना नही रह सकता। यदि परमेश्वर कभी कुछ कहता है या कुछ भी करता है, तो उसे अगली बार भी ऐसा ही करना है। जब वह संकट आता है, यदि वह दूसरी बार वैसा कार्य नहीं करता जैसा उसने पहली बार किया था, तो उसने पहली बार गलत किया था। और कौन परमेश्वर पर गलत कार्य करने का दोष लगाएगा? आप है कौन, जो परमेश्वर पर पाप को रख सके? यही है जो यीशु ने कहा, "तुम में से कौन मुझ पर पाप का दोष लगा सकता है?"

244 पाप क्या है? अविश्वास। "वह जो विश्वास नहीं करता वह पहले ही दोषी ठहराया जा चुका है।"

245 "तुम में से कौन मुझे दिखा सकता है कि मैंने वह सब कुछ पूरा नहीं किया है जो मसीहा को करना चाहिए था?" समझे? किसी ने एक शब्द भी नहीं कहा। उसने किया था। मसीहा एक भविष्यव्यक्ता था, और उसने साबित किया था कि वो वही था। मलाकी के बाद से लेकर, उनके पास सैकड़ों वर्षों से कोई भविष्यव्यक्ता नहीं था, और यहाँ वह दृश्य पर प्रकट हुआ। वह लोगों के लिए एक रहस्यमयी था, और उनकी कलीसिया के लिए वह ठोकर था।

246 क्योंकि, उसने कहा, "देखो, मैं सिय्योन में, एक रखा हुआ कोने का पत्थर हूं, एक बहुमूल्य, एक परखा गया, ओह, एक ठोकर का पत्थर।" जी हां। "लेकिन जो कोई उस पर विश्वास करता है, वह लज्जित नहीं होगा।" यह सही है। वहां पर वो था। और बिल्कुल ठीक यह वचन पूरा हुआ। लेकिन जिन्होंने उस पर विश्वास किया, उनके पास एक परम सत्य था।

247 जब छोटी सी मार्था ने लाजरस को कब्र से आते देखा, वह जान गई कि वह कौन था। यहां तक कि इससे पहले कि यह इसे करे, उसके पास जानने का परम सत्य था। "मैं विश्वास करती हूं कि तू परमेश्वर का पुत्र है, जिसे संसार में आना था। अब भी, भले ही मेरा भाई मर गया है, केवल तू शब्द को बोल दे। परमेश्वर इसे करेगा।" आमीन। वो पूरी तरह से सकारात्मक

थी। यह सही है। जब उसने ऐसा कहा, और वह इसे अपने ह्रदय से कह रही थी:

उसने कहा, “तुमने उसे कहाँ दफनाया है? ”

कहा, “आकर और देख।”

248 वो वहां पर खड़ा था, एक दर्शन के साथ। क्योंकि, उसने कहा, “मैं तब तक कुछ भी नहीं करता जब तक पिता मुझे पहले न दिखाए, ” संत यूहन्ना 5:19।

249 उसे लाजरस के घर से दूर भेज दिया गया। उन्होंने उसे प्रार्थना करने के लिए बुलवा भेजा। वह जानता था कि लाजरस मरने वाला है। और कुछ समय के बाद, उसने कहा, “हमारा मित्र, लाजरस, सो रहा है।”

उन्होंने कहा, “वह अच्छा करता है।”

250 उसने कहा, “वह मर चुका है। और तुम्हारे खातिर, मुझे खुशी है कि मैं वहां पर नहीं था।” वे उससे उसके लिए प्रार्थना करने को कह रहे थे।

251 तब उसने वापस आकर, कहा, “लेकिन मैं जाकर उसे जगाता हूं।” ओह, प्रभु! (ना ही, “मैं जाकर और देखूंगा कि मैं क्या कर सकता हूं।”) “मैं जाकर उसे जगाऊंगा।” क्यों? “पिता ने मुझे पहले ही दिखा दिया है कि मुझे क्या करना है।”

252 वहां कब्र की ओर चला गया। वहां एक मनुष्य खड़ा था। वहां परमेश्वर देह में खड़ा था, जो उस पत्थर से कह सकता था, “पिघल जा, ” और यह पिघल जाता। लेकिन उसने उन स्त्रियों से कहा, वे बेचारी छोटी स्त्रियां, छोटी युवा स्त्रियां, कहा, “पत्थर को हटाओ।”

253 आपको भी कुछ तो करना है। समझे? और उन्होंने पत्थर को लुढ़का दिया। और इसने उन्हें उलटी करने को लगाया; उसमें से बहुत बदबू आ रही थी।

254 वहां, वह वहां खड़ा था। ओह, प्रभु! मैं उसे देख सकता हूं, कि वह उस छोटे से कमजोर ढांचे को सीधा कर रहा है। क्योंकि, बाईबल ने कहा, “उसमें कोई सुंदरता नहीं है कि हम उसकी इच्छा करते।” वो कुछ खास नहीं था कि उसकी ओर देखते। समझे?

255 बिल्कुल दाऊद की तरह, उसे राजा चुना गया था, जब वह बस एक छोटा गुलाबी सा था। समझे?

256 “वे सारे बड़े–बड़े लोग,” कहा, “क्या उसके सिर पर ताज पहना हुआ सुंदर नहीं दिखेगा? इस बड़े पुत्र को ले लो,” यिशै ने कहा।

257 शमूएल ने कहा, “परमेश्वर ने उसे अस्वीकार कर दिया है।” अपने सारे पुत्रों को सामने लाया। कहा, “क्या तुम्हारे पास कोई और नहीं है?”

258 “हाँ, हमारे पास एक है, लेकिन वह एक राजा जैसा नहीं दिखेगा। क्यों, वह एक छोटा सा, झुके हुए कंधे वाला, गुलाबी सा दिखने वाला लड़का है।”

“जाकर, उसे ले आओ।”

259 और जैसे ही वह आया, उस भविष्यव्यक्ता के सामने चलकर आया, तो आत्मा उस पर उतर आया। उसने उस तेल को लेकर, उसके सिर पर उंडेल दिया, कहा, “यह तुम्हारा राजा है।” यही है। जी हां, श्रीमान।

260 यीशु वहां झुके हुए कंधे के साथ खड़ा था, हो सकता है, उसके बाल सफेद हो रहे थे जब कि वह तीस वर्ष से अधिक का भी नहीं हुआ था। बाईबल ने कहा, “हो सकता है वह चालीस के समान दिखाई दे रहा था।” यहूदियों ने कहा, “तुम एक मनुष्य हो जो पचास वर्ष से अधिक उम्र के नहीं हो, और तुम कहते हो कि तुमने ‘अब्राहम को देखा है’?”

उसने कहा, “इससे पहले कि अब्राहम था, **मैं हूं**।” ओह! ओह, प्रभु! संत यूहन्ना 6।

261 उसके बाद, हम ये पाते हैं, कि वो कब्र के पास खड़ा हुआ था। वह जानता था कि उस दर्शन को पूरा होना था। वह जानता था कि ऐसा होना ही था। “पत्थर को हटाओ।” वह...

262 उसमें से बदबू आ रही थी, कब्र के कपड़ों में लिपटा हुआ था, चार दिनों से मरा हुआ था। इतने समय में, उसकी नाक पहले ही अंदर धँसी हुई थी।

263 वहां, वह वहां खड़ा हुआ था, अपने छोटे से शरीर को सीधा किया। “मैं पुनरुत्थान और जीवन हूं।” हुंह! “वह जो मुझ पर विश्वास करता है, यदपि मर भी जाए, तो भी वह जीवित रहेगा।” मुझे बताओ कि एक व्यक्ति कभी भी इस तरह का बयान दे सकता है। “जो कोई भी जीवित है और मुझ पर विश्वास करता है, वह कभी नहीं मरेगा। क्या तू इसका विश्वास करती है?”

264 उसने कहा, “हाँ, प्रभु।” हालांकि ऐसा लग रहा था उसने उसे विफल कर दिया था। जब उसने बुलाया, वह नहीं गया। उसने फिर से बुलाया; वह नहीं गया। लेकिन यहां वह कहती है, “मैं जानती हूं कि तू मसीह है जो संसार में आने वाला था।”

265 उसने कहा, “लाजरस, बाहर आ।” और एक मनुष्य चार दिन से मरा हुआ था। क्यों? किसलिए? मसीह के पास परम सत्य था। उसने दर्शन को देखा था। यह असफल नहीं हो सकता। यह सही है। यह असफल नहीं हो सकता। उसके पास परम सत्य था।

266 और मार्था पूरी तरह से निश्चित थी। यदि वह उसे पहचान दिलाने में सफल हो जाती कि वह उस में क्या विश्वास करती है, तो उसे वही मिल जाता जो उसने मांगा था। सही है। वे वहां थे। परम सत्य, यह वचन के साथ जुड़ा हुआ था, और ऐसा ही था।

267 आज हर व्यक्ति अपनी दृष्टि में वही करता है, जो उसे अच्छा दिखाई पड़ता है, क्योंकि वहां कोई भविष्यव्यक्ता नहीं है। न्यायियों के दिनों की ओर देखे।

268 उन दिनों की ओर देखो जब एली–... मैं विश्वास करता हूं, यह एलिय्याह था या एलीशा, कोई एक था। जी हां। वह, मरा हुआ बालक। उस—उस शुनेमिन स्त्री का, उसने...

269 एलिय्याह वो उस दिन का परमेश्वर का जन था, ना ही बस कोई अच्छा, बुद्धिमान शिक्षक। क्यों, वह बूढ़ा व्यक्ति था जो साथ–साथ चल रहा था। क्या आप... आकर, यदि आज आपके दरवाजे पर वो आ जाए, तो आप शायद उसे भगा देंगे। सारे राष्ट्र ने उससे घृणा की। ईजेबेल और बाकी के सभी ने उस से घृणा की।

270 क्योंकि, वह व्हाइट हाउस में बैठी हुई थी और सभी महिलाओं को वैसा ही करने को लगाया जैसा उसने किया, और वे सब उसी के अनुरूप बन रहे थे। और आहाब घूम गया था, उसका सिर उस स्त्री की शक्ति से घूम गया था। आज भी हम उससे बहुत दूर नहीं हैं। बस लगभग वही स्थिति है, और वहां—वहां आप इसे देख सकते हैं। और वे सब लोकप्रियता के पीछे थे। और, ओह, वे सब उससे पूरी तरह भ्रमित हो गए थे।

271 लेकिन वह छोटी, बूढ़ी शुनेमिन! ना ही शुनेमिन स्त्री, लेकिन छोटी... जी हां। मैं विश्वास करता हूं कि वह एक शुनेमिन थी। जब उसने आकर

देखा कि वह सामर्थ एलिय्याह में थी, तो उसने कहा, “मैं समझती हूं कि वह एक पवित्र मनुष्य है।” और जब वह बालक मरा पड़ा हुआ था, तो उसने कहा, “उस खच्चर पर काठी बांधो और तुम कहीं मत रुकना।” वो वहां ऊपर चली गई। वह जानती थी। और मैं यह पसंद करता हूं, जिस तरह से वह आयी। वह अपने परम सत्य, अपने बाँधने वाले खूँटे तक पहुँच गई थी।

272 एलिय्याह ने कहा, “यहाँ वह शुनेमिन आ रही है। वो शोकित है। लेकिन मैं नहीं जानता कि क्या गलत हुआ है।” समझे? परमेश्वर अपने दासों को सब कुछ नहीं दिखाता; केवल वही जो वह उन्हें बताना चाहता है। इसलिए उसने कहा, “उसका हृदय शोकित है, लेकिन मैं नहीं जानता।” उसने कहा, “जाओ, गेहजी, पता लगाओ, और देखो कि क्या गलत हुआ है।”

273 उसने कहा, “क्या तुम कुशल से हो? क्या तुम्हारा पति कुशल से है? क्या तेरा पुत्र कुशल से है? ”

274 उसे देखो। ओह, प्रभु! यही है। उसने कहा, “सब कुशल है।” क्यों? उसके पास परम सत्य था। “सब कुशल है।”

275 और वह घुटनों के बल बैठ गई। सबसे पहले, उसके पैरों पर गिर पड़ी। और गेहजी ने उसे उठाया, “यह सही नहीं है,” उसके—उसके स्वामी के सामने। उसे उठाया। और उसने उसे बताना आरंभ किया।

276 अब, उसके पास अब कोई परम सत्य नहीं था। वह दर्शन के द्वारा जानता था कि उसके पास उस बालक को देने के लिए शक्ति थी। लेकिन अब उसने क्या किया? उसने अपनी लाठी को लेकर कमरे में गया, सारे दरवाजे बंद कर दिए, बाकी सभी को बाहर निकाल दिया। वो कमरे में इधर से उधर चलता रहा। उसके पास एक परम सत्य था, यदि वह केवल इससे संपर्क कर सके। आगे और पीछे, यहाँ और वहां कमरे में! ओह, प्रभु! उसने सीधे–सीधे अनुभव किया कि कोई चीज उस पर उतर आई हो। उसने अपने आप को बालक पर पसार दिया। फिर से वापस उठ खड़ा हुआ, चला गया। वो—वो बालक एक प्रकार से हिलने लगा, गर्म हो गया। वह उठा, आगे और पीछे हुआ। उसका परम सत्य के साथ अच्छे से संपर्क नहीं हुआ। “प्रभु, यह क्या था? आपने क्या करने को कहा? ”

277 इसमें कोई संदेह नहीं, जब वह मुड़ा, उसने एक दर्शन देखा, वह छोटा लड़का दौड़ रहा था, खेल रहा था, एक रस्सी के साथ कूद रहा था, ऐसा

ही कुछ तो, वो खेल रहा था। उसने स्वयं को बालक पर पसार दिया। उसने अपनी नाक को उसकी नाक पर रख दी, अपने होंठ उसके होठों पर रख दिए, और परमेश्वर की सामर्थ ने बालक को जीवन में उठा कर खड़ा किया।

278 यह क्या था? उस स्त्री का परम सत्य भविष्यव्यक्ता था! भविष्यव्यक्ता का परम सत्य परमेश्वर था! और एक साथ में, वचन के साथ, "मैं पुनरुत्थान और जीवन हूं।" मैं परमेश्वर की सामर्थ को देखता हूं। सृष्टिकर्ता सब कुछ कर सकता है। उसने बालक को फिर से जीवन दिया। निश्चय ही।

279 कारण हर एक मनुष्य ने अपने तरीके से काम किया, क्योंकि उनके पास प्रभु का वचन सुनाने के लिए कोई भविष्यव्यक्ता नहीं था। उस दिन में वचन और भविष्यव्यक्ता की कमी थी।

280 ओह, जब मेरा परिवर्तन हुआ, तब मैंने भी हमारे समय की यही स्थिति देखी। मैं बहुत ही खुश हूं कि इससे पहले कि कलीसिया का प्रभाव पड़े परमेश्वर ने मुझे हाथ में ले लिया। मैं शायद एक नास्तिक होता। जी हां, श्रीमान। मैं... यह सारा मिला-जुला विचारों का मिश्रण, गड़बड़ी, और हर कोई कहता है, "तो ठीक है, यहाँ आकर और हमारे साथ जुड़ जाओ। और यदि आप नहीं जुड़ते, तो ठीक है, आप अपना सदस्यता पत्र लेकर दूसरे के साथ जुड़ सकते हो।" ओह! "क्या आप अपने सदस्यता पत्र को हमारी संगति में नहीं लाएंगे? "

281 मैं विश्वास करता हूं कि वहां एक अक्षर है, वह है जब मसीह आपके नाम को मेमने की जीवन की पुस्तक में लिखता है। यह केवल उसी पर लिखा है।

282 जब मैंने सारे संप्रदायों को देखा! हमारी पृष्ठभूमि आयरिश है, जो पहले कैथोलिक थी। और मैंने देखा कि वह भ्रष्ट और सड़ा हुआ था। मैं यहाँ शहर के किसी एक संप्रदायिक कलीसिया में गया, उन्होंने कहा, "ओह, हम मार्ग, सत्य, प्रकाश है। हमारे पास यह सब है।" मैं न्यू अल्बानी में एक अन्य स्थान पर गया, "ओह, प्रभु! वे लोग वहां पर नहीं जानते कि वे किस विषय में बात कर रहे हैं।" कैथोलिकों ने कहा, "आप सब गलत हो।"

मैंने सोचा, "ओह, प्रभु!"

283 मैं एक छोटे लूथरन लड़के के साथ खेला करता था। और मैंने सोचा... एक छोटा जर्मन लूथरन। मैं वहां गया, और मैंने कहा, "तुम कौन सी

कलीसिया में जाते हो? ”

“मैं *उस* कलीसिया में जाता हूं।”

284 मैं वहां गया, और मैंने पाया कि उन्होंने कहा कि वे ही मार्ग है। मैं वहां भाई डेल के पास गया, इम्मेनुएल बैपटिस्ट में, और, या फर्स्ट बैपटिस्ट। उन्होंने कहा, “*यही* वो मार्ग है।” मैं वहां आयरिश कलीसिया में गया, उसने कहा, “तो ठीक है, *यही* वो मार्ग है।”

285 “ओह, प्रभु! मैं बहुत उलझन में हूं। मैं नहीं जानता कि क्या करूं। लेकिन मैं सही होना चाहता हूं।” मुझे समझ में नहीं आ रहा है कि क्या करूं। और मैं नहीं जानता था कि कैसे पश्चाताप करूं।

286 मैंने एक पत्र लिखा। मैंने सोचा, “मैंने उसे जंगल में देखा है।” मैंने उसे एक पत्र लिखा। मैंने कहा, “प्रिय श्रीमान, मैं जानता हूं कि आप यहां इस मार्ग से होकर गुजरते हैं, क्योंकि मैं यहां गिलहरी का शिकार करने आया हूं। मैं जानता हूं कि आप आए हैं। मैं जानता हूं कि आप यहां पर है। मैं चाहता हूं कि आप... मैं आपको कुछ तो बताना चाहता हूं।”

287 मैंने सोचा, “अब एक मिनट रुकना। मैंने—मैंने कभी किसी को नहीं देखा। मैंने नहीं देखा। मैं उससे बात करना चाहता हूं। मैं—मैं उससे बोलना चाहता हूं। मैं उससे बात करना चाहता हूं।” मैंने सोचा, “तो ठीक है, अब, मैं नहीं जानता कि इसे कैसे करना है।”

288 और मैं बाहर छप्पर के नीचे गया और घुटने टेके, पानी से भीग गया। छोटी, पुरानी कार वहां खड़ी हुई थी, जो कबाड़ हो गई थी। मैंने कहा, “मैं विश्वास करता हूं कि मैंने एक तस्वीर देखी है, मैं विश्वास करता हूं, उन्होंने *इस* तरह से अपने हाथों को रखा है।” और मैं नीचे उतर आया। और मैंने कहा, “अब मैं क्या कहूं? ” मैंने कहा, “आपको इसे करने का कोई मार्ग तो निकालना ही होगा, और मैं नहीं जानता। मैं जानता हूं कि हर चीज को पाने का एक मार्ग होता है। और मैं नहीं... ” मैंने कहा, “मैं अपने हाथों को *इस* तरह से रखूंगा।”

289 मैंने कहा, “प्रिय श्रीमान, मैं चाहता हूं कि आप आए और मेरे साथ कुछ क्षण के लिए बात करें। मैं आपको बताना चाहता हूं कि मैं कितना बुरा हूं।” *इस* तरह से मेरे हाथ को पकड़ा। मैंने कान लगाकर सुना।

290 लोगों ने कहा, “परमेश्वर ने मुझसे बात की।” और मैं जानता था कि

उसने बात की थी, क्योंकि मैंने इसे सुना था जब मैं एक बालक था, मुझे बताया गया कि "शराब मत पीना" और इत्यादि।

291 उसने मुझे कोई जवाब नहीं दिया। मैंने कहा, "हो सकता है मुझे अपने हाथों को *इस* तरह से रखना चाहिए था।"

292 इसलिए मैंने कहा, "प्रिय श्रीमान, मैं नहीं जानता कि यह कैसे करना है, लेकिन मैं—मैं विश्वास करता हूं कि आप... क्या आप मेरी सहायता करेंगे? "

293 और हर एक प्रचारक मुझे बताता है, आकर उनके साथ जुड़ जाओ, और खड़े होकर और कहते है कि उन्होंने यीशु मसीह को स्वीकार किया है, और वे "विश्वास करते है कि यीशु परमेश्वर का पुत्र है।" शैतान भी यही चीज को विश्वास करता है।

इसलिए मैंने सोचा, "मेरे—मेरे पास इससे बेहतर कुछ तो होना चाहिए।" नहीं।

मैं *इस* तरह से बैठा हुआ था।

294 मैंने पढ़ा जहां पतरस और यूहन्ना उस फाटक से होकर गुजरे जो सुंदर फाटक कहलाता है, और वहां एक मनुष्य था जो अपनी मां के गर्भ से ही अपाहिज था। कहा, "चांदी और सोना मेरे पास नहीं है, लेकिन जो मेरे पास है... " ओह, मैं जानता था कि मेरे पास वह नहीं है।

295 इसलिए मैं यह जानने की—की कोशिश कर रहा था इसे कैसे करना है। मैं नहीं जानता था कि कैसे प्रार्थना करनी है। मैंने अपने हाथों को ऐसे किया, उसके बाद *ऐसे* नीचे लेट गया।

296 और, निश्चय ही, शैतान तब दृश्य पर आ गया, कहा, "तुम देखो, तुमने बहुत समय तक प्रतीक्षा की। तुम बीस वर्ष के हो चुके हो। अब इसे कोशिश करने की कोई आवश्यकता नहीं है। जी हां।"

297 तब मैं पूरी तरह से टूट गया, और रोने लगा। और फिर, जब मैं सचमुच में टूट गया, तो मैंने कहा, "मैं बात करूंगा। यदि आप मुझसे बात नहीं करते हैं, जो भी हो, मैं आपसे बात करूंगा।" इसलिए मैंने—मैंने कहा, "मैं अच्छा नहीं हूं। मुझे अपने आप पर शर्म आती है। श्रीमान परमेश्वर, मैं जानता हूं कि आप कहीं तो मेरी सुनेंगे। आप मेरी सुनेंगे। और मुझे अपने आप पर शर्म आती है। मैं लज्जित हूं कि मैंने आपको अनदेखा किया है।"

298 लगभग उस समय, मैंने ऊपर की ओर देखा, और एक अजीब सी अनुभूति मुझ पर छा गई। यहाँ एक प्रकाश आया, कमरे में से होते हुए अंदर आ गया, और *इस* तरह से एक क्रूस को बनाया। और एक आवाज, जिसे मैंने अपने जीवन में कभी नहीं सुना, बोली। मैंने इसे देखा। बस ठंडा पड़ गया, पूरी तरह से, डर से सुन्न हो गया। मैं हिल नहीं सका। खड़ा रहा, इसकी ओर देखा। ये दूर चला गया।

299 मैंने कहा, "श्रीमान, मैं—मैं आपकी भाषा नहीं समझता।" मैंने कहा, "यदि अप मेरी भाषा में बात नहीं कर सकते, और मैं—और मैं आपकी बात नहीं समझ पाता हूं, और यदि आप मुझे क्षमा करते है... मैं जानता हूं कि मुझे वहां उस क्रूस में गिना जाना चाहिए, कहीं तो, कि मेरे पापों को वहां उसी पर रखा जाना है। और—और यदि आप मुझे क्षमा करेंगे, तो बस वापस आकर और अपनी भाषा में बात कीजिए। और यदि आप मेरी भाषा नहीं बोल सकते हैं, तो मैं इसी से समझ लूंगा।" मैंने कहा, "आप बस इसे फिर से वापस आने दीजिये।"

300 वहां यह फिर से था। ओह, मेरे प्रभु! वहां मुझे एक परम सत्य मिला। आमीन। जी हां, श्रीमान। ऐसा लगा जैसे एक—एक चालीस टन का बोझ मेरे कंधों से उतर गया हो। मैं उस मंजिल से होकर नीचे चला गया, और मुझे ऐसा लग रहा था मानो मेरे पैर ज़मीन को छू भी नहीं रहे है।

माँ ने कहा, "बिली, तुम परेशान हो।"

मैंने कहा, "नहीं, माँ, मुझे नहीं पता कि क्या हुआ है।"

301 वहां पीछे एक रेलगाड़ी की पटरी थी। मैं उस रेलगाड़ी की पटरी पर दौड़ने लगा, हवा में उछलते हुए, जितना हो सके उतनी तेजी से। मैं नहीं जानता था कि अपनी भावनाओं को कैसे व्यक्त करूं। ओह, काश मैं जानता होता कैसे चिल्लाना है! मैं चिल्ला रहा था, लेकिन मेरे अपने तरीके से, आप देखो।

302 यह क्या था? मैंने अपने प्राण को विश्राम के शरण स्थान में लंगर कर दिया था, अब कोई संदेह नहीं था, यह मेरा परम सत्य था। वहां मैंने कुछ तो पाया था, ना ही कुछ काल्पनिक, कुछ विचार, मैंने उस मनुष्य से बात की थी। मैंने उस मनुष्य से बात की थी जिसने मुझे बताया था कभी भी शराब न पीना, या धूम्रपान न करना, या ऐसा कुछ भी न करूं जो मुझे स्त्रियों के साथ दूषित करता हो, और इत्यादि; कि जब मैं बड़ा हो जाऊंगा,

तो मेरे पास करने के लिए एक कार्य होगा। मैंने उससे संपर्क किया था, ना ही कलीसिया से, मैंने उससे संपर्क किया था, *उससे*! जी हां, श्रीमान। वही वो एक था।

303 जैसे कि यहाँ नीचे किवानीस में एक व्यक्ति या... कोई बोल रहा था, ना ही... पहले विश्व युद्ध के ठीक बाद। भाई फंक, वहां एक सैनिक की तरह खड़े हैं। उसने कहा कि वह था... यह एक थोड़ा–सा, एक प्रकार से मजाकिया सा लगता है। यह मजाक की जगह नहीं है, लेकिन यहां वो बात है जो उसने बताई थी। वो यहां न्यू अल्बानी में थे।

304 और उसने कहा, “कप्तान हमें बाहर ले गया और कहा, ‘वह पूरा इलाका जापानियों से भरा हुआ है। लड़कों, कल हम वहाँ अंदर जायेंगे। हमें उन पर कब्ज़ा करना है।’ उसने कहा. ‘याद रखो, लड़कों, आज यहाँ खड़े हममें से बहुत से लोग कल यहाँ नहीं होंगे। वे कल जीवित नहीं रहेंगे। वे कल यहां नहीं होंगे। हम सुबह दिन के उजाले में वहां अंदर जाने वाले हैं।’ कहा, ‘अब हर एक जन अपने–अपने धर्म के अनुसार तैयारी कर ले।’” इस व्यक्ति ने कहा, “और मेरा तो कोई धर्म नहीं था।” और कहा, “मैंने कहा... ”

305 कहा, “मैं वहां खड़ा रह गया। और बाकी के सभी... ” कहा, “यहाँ एक पादरी आया, *इस* ओर चला गया; और एक प्रोटेस्टेंट *इस* ओर चला गया; और यहूदी *इस* ओर चले गए; और कैथोलिक *उस* ओर चले गए; उनके पादरी के साथ।” कहा, “मैं वहीं पर खड़ा रहा।”

306 और कहा, “उस—उस प्रधान सेनापति ने मुझसे कहा, ‘लड़के, अच्छा होगा कि तुम अपने धर्म के अनुसार तैयारी करो।’”

उसने कहा, “मेरे पास कोई धर्म नहीं है।”

307 उसने कहा, “अच्छा होगा कि तुम किसी धर्म को ले लो, क्योंकि तुम्हे तुरंत ही किसी की जरूरत पड़ेगी। मुझे पक्का है।”

308 और कहा, लगभग उसी समय उसने एक समूह को वहां से जाते हुए देखा, और ये कैथोलिक थे। कहा कि वह वहां चलकर गया और इस पादरी से कहा, “क्या आप मुझे कोई धर्म दे सकते हैं? ”

और उसने कहा, “आ जाओ।”

309 कहा, “वह अंदर गया और मुझे एक कैथोलिक बना दिया।” और वहां न्यू अल्बानी में, वहां जॉन हावर्ड था और उनमें से वहां की सच्चे शाही

कैथोलिक बैठे हुए थे, आप जानते हैं, जब यह व्यक्ति इस बात को बता रहा था।

310 और उसने कहा—उसने कहा, "अगले दिन युद्ध में... " वह इस विषय में बता रहा था कि, ओह, यह किस तरह से था। और कहा कि वो एक ताकतवर व्यक्ति था, आप जानते हैं। और कहा, "वे हाथापाई पर उतर आए, और वे बस चाकुओं से वार कर रहे थे, और चिल्ला रहे थे, और काट रहे थे, और घाव कर रहे थे।" कहा, "उनकी पंक्तियाँ बिखर गई। जापानियों ने हमें इस तरह आगे आने दिया कि हम सीधे उनके जाल में पहुँच गए, इस तरह से। और वे बड़ी मशीनगनें हर ओर से गरज रही थीं। यह आमने-सामने की भीषण लड़ाई थी!"

311 कहा, "थोड़ी देर बाद मैं *इस* तरह रुक गया।" और कहा, "चारों ओर इतना शोर, चीख-पुकार और हंगामा था कि कोई अपनी आवाज़ तक नहीं सुन सकता था। कहा, "वहां लहू था।" कहा, "मैंने देखा, और यह मेरा लहू था।" उसने कहा, "मैंने *यहां* नीचे देखा। मेरी बाजू में एक छेद हो गया है।" उसने कहा, "यह मेरा लहू था।" और कहा, "मैं, आप जानते हैं, मैं—मैं—मैं... "

और एक सच्चा... एक कैथोलिक मित्र, मैं यह अब मजाक के लिए—के लिए नहीं कह रहा हूं, लेकिन एक सच्चे शाही कैथोलिक ने कहा—कहा, "क्या तुमने *जय हो मरियम* कहा? "

312 उसने कहा, "नहीं, श्रीमान।" कहा, "यह मेरा लहू था। मैं कोई मध्यस्थ को नहीं चाहता था। मैंने कहा, 'मैं सीधे मुख्य मनुष्य से बात करना चाहता हूं।' यह—यह मेरा लहू था।"

313 मैं सोचता हूं कि यह बात इसी प्रकार से है। जी हां, श्रीमान। ये इसी तरह से होता है। हमारे पास एक बांधने का खूंटा होना है, एक परम सत्य।

"मेरे पास उनके सचिव के लिए समय नहीं था।" कहा, "मैं उससे बात करना चाहता हूं।"

314 और ऐसा ही है, भाई। जब एक व्यक्ति मसीह के पास आता है, तो आप किसी प्रचारक के शब्द को नहीं लेना चाहते हैं, किसी सचिव के शब्द को, किसी और के शब्द को। आप प्रोटेस्टेंट लोग, *इसे*, *उसे*, या *इत्यादि* को ना ले। उस परम सत्य की ओर जाए, जब तक आप वहां नए जन्म के द्वारा लंगर नहीं डाल देते है, फिर से जन्म नही ले लेते और पवित्र आत्मा

से भर नही जाते, और आप देखेंगे कि बाईबल आपके जीवन में से होते हुए नम्रता और प्रेम में प्रगट हो रही है। ओह, तब, ये आपका परम सत्य है। जी हां, श्रीमान।

315 मैं वचन में पढ़ता हूं जहां वह स्वयं वचन है। जबकि, जर्मन कलीसिया ने कहा कि यह *इस* प्रकार से है; और मेथोडिस्ट, और बैपटिस्ट, और कैथोलिक ने। लेकिन मैंने वचन में पढ़ा जहां पर उसने कहा, "इस चट्टान पर मैं अपनी कलीसिया बनाऊंगा, और अधोलोक के फाटक इस पर प्रबल न होगे।"

अब सुनिए, बंद करते हुए। अब प्रोटेस्टेंट कहता है...

316 अब, कैथोलिक कहते है, "उसने इसे पतरस पर बनाया, 'तू पतरस है, और इस चट्टान पर... '" नहीं, उसने कभी नहीं। यदि ऐसा था, वो तो तुरंत ही पीछे हट गया। उन्होंने इसे एक व्यक्ति पर बनाया।

317 उसने क्या किया? प्रोटेस्टेंट ने कहा, "उसने इसे स्वयं पर बनाया।" नहीं। उसने ऐसा नहीं किया। उसने इसे अपने ऊपर नहीं बनाया।

318 उसने क्या किया? क्या? "लोग मुझ, मनुष्य के पुत्र को क्या कहते है? "

"और कुछ ने कहा कि तू 'एलिय्याह,' और 'मूसा'" है।

उसने कहा, "लेकिन तुम क्या कहते हो? "

पतरस ने कहा, "तू जीवित परमेश्वर का पुत्र मसीह है।"

319 अब शब्दों पर ध्यान दें। "शमौन, योना के पुत्र, तू धन्य है। मांस और लहू ने इसे तुम पर प्रकट नहीं किया। तुमने इसे किसी याजक से कभी नहीं सीखा। तुमने इसे कभी किसी धर्म विद्यालय से नहीं सीखा। लेकिन मेरा पिता जो स्वर्ग में है, उसने इसे तुम पर प्रकट किया है। और इस चट्टान पर," वचन का आत्मिक प्रकाशन, "मैं अपनी कलीसिया बनाऊंगा, और अधोलोक के फाटक इस पर प्रबल न होगे।"

मैंने सोचा, "प्रभु, ऐसा ही है।"

320 मैंने यहां प्रकाशितवाक्य की पुस्तक में पढ़ा, 21वां अध्या... 22वां अध्याय, जहां उसने कहा, "जो कोई भी... " यह सम्पूर्ण चीज है। "जो कोई भी इसमें कुछ डालेगा; जो कोई भी इसमें से कुछ निकालेगा, ऐसा होने का इन्कार करेगा; या जो कोई भी इसे थोड़ा बेहतर बनाने की कोशिश

करेगा, उसे उस दिन के लिए चमकायेगा। जो कोई भी इसमें जोड़ेगा या निकालेगा, उसका भाग, जीवन की पुस्तक में से निकाल दिया जाएगा।"

321 मैंने कहा, "तब, प्रभु, मुझे बस यही चाहिए कि मैं इस पर विश्वास करूं।" और इसी में, वहां क्रूस पर, मसीह आया। हर तरह से, वो सिद्ध है, हर एक वचन जो उसने कभी बोला। पुस्तक को *इस* हाथ में ले लो, इतिहास को *इस* हाथ में, और बस सीधा–सीधा प्रमाणित करता है, यह सिद्ध है। और मैंने कहा, "तब, प्रभु, मुझे स्वीकार करे।" और जब मैंने ऐसा किया, मैंने मसीह को स्वीकार किया, मेरे ह्रदय में पवित्र आत्मा, मेरे परम सत्य को स्वीकार किया। यह मैं नहीं था।

322 एक समय मैं बीमार था, जब मेरा... मैंने अपनी पत्नी को खो दिया। मैंने अपने बच्ची को खो दिया। ओह, मैंने पिता को खो दिया, और अपने भाई को खो दिया, और अपनी भाभी को खो दिया। और बिली लेटा हुआ था, मर रहा था, और—और मैं बस निकलने ही वाला था। मैं सड़क पर जा रहा था, रो रहा था, उसकी कब्र की ओर जा रहा था; और उसकी और बच्ची की, और बच्ची उसके बाहों में थी। कब्र की तरफ जा रहा था। मैं चलकर वहां जा रहा था। श्रीमान इस्लर हमेशा यहां आकर और खेलते थे, आप जानते हैं, इंडियाना के राज्य विधायक। वह रास्ते पर आ रहे थे। उन्होंने मुझे रोका। वो वहां दौड़कर आये और मुझे गले लगा लिया। 1937 की बाढ़ के बाद की बात है। उसने कहा, "बिली, आप कहाँ जा रहे हो? वहां ऊपर की ओर? "

और मैंने कहा, "जी हां।"

उसने कहा, "आप वहां ऊपर क्या करने जा रहे हो? "

323 मैंने कहा, "मैं कान लगाकर एक पिंडुकी को सुनता हूं।" मैंने कहा, "मैं वहां बच्ची और उसकी कब्र के पास बैठ जाता हूं। एक पिंडुकी वहां नीचे आती है, और वह मुझसे बातें करती है।"

"ओह," उसने कहा, "बिली!"

324 मैंने कहा, "हाँ। और जब मैं पत्तों की सरसराहट को सुनता हूं जब वे इसे बजाते हैं। यह मेरे लिए संगीत को बजाते है, श्रीमान इस्लर।"

कहा, "यह किस प्रकार का संगीत बजाते है? " उसने कहा।

उस नदी के पार एक देश है,

जिसे वे हमेशा के लिए मधुर कहते हैं,
और हम वहां केवल उस किनारे पर विश्वास की डिग्री
  के द्वारा पहुंच सकते हैं;
एक–एक करके हम प्रवेश द्वार पर पहुंचते हैं,
वहां अमरणहार के साथ बसने के लिए,
जब किसी दिन वे मेरे और तुम्हारे लिए उन सोने की
  घंटियों को बजाएंगे।

325 उसने कहा, “बिली, मैं आपसे कुछ पूछना चाहता हूं।” उसने कहा, “अब मसीह आपके लिए क्या मायने रखता है? अब आपके लिए मसीह क्या मायने रखता है? ”

326 मैंने कहा, “वह मेरा जीवन है, मेरा सब कुछ है। वह सब कुछ है जो मेरे पास है, श्रीमान इस्लर। वह मेरा—मेरा अंतिम आधार है। मैं केवल उसी को थामे रह सकता हूं।” क्यों? वहां कुछ तो घटित हुआ था, “इस चट्टान पर!”

327 कहा, “मैंने आपको देखा है कि आप यहां कोने पर खड़े होकर और प्रचार करते हैं, इतना तक कि आप थककर मरने जैसे लगते है। मैंने आपको देखा है, रात के किसी भी समय, ऊपर और नीचे सड़कों पर, बीमारों के बुलाने पर उनके पास जाते है। और जब उसने आपकी अपनी पत्नी को ले लिया, और आपकी अपनी बच्ची को ले लिया, तब भी आप उसकी सेवा करते हो? ”

328 मैंने कहा, “यदि वह मुझे मार भी डाले, तो भी मैं उस पर भरोसा करूंगा।” क्यों? मेरा लंगर पर्दे के भीतर लगा हुआ है। मेरे पास एक परम सत्य है। मैंने अपने आप को उसके वचन से बांध दिया है, और उसका वचन मुझे थामे हुए था। वह मेरा परम सत्य है। मैंने पाया कि ये सारी दूसरी चीजें असफल हो सकती हैं, लेकिन मसीह कभी भी असफल नहीं हो सकता।

329 कैथोलिक कलीसिया के पास एक परम सत्य के लिए एक पोप है। प्रोटेस्टेंट के पास उनके बिशप हैं, और उनके मत–सिद्धांत है, और उनके प्रमुख अध्यक्ष हैं।

330 लेकिन, मैं, पौलुस की तरह... आपके पास पेंसिल है? कुछ लिख ले। में... पौलुस ने प्रेरितों के काम 20वें अध्याय और 24वें पद में कहा, “इनमें से कोई भी चीज मुझे नहीं हिला सकती।” ओह, आपके पास मत–सिद्धांत

हो सकते हैं, आप जो चाहें, उसे ले सकते हैं, लेकिन वे चीजें मुझे नहीं हिलाती हैं।

मैंने अपने प्राण का लंगर विश्राम के शरण स्थान में डाला है,
प्रचंड समुद्रों के यात्रा करते (और नहीं जानते कि आप कहां पर हैं, *इस* ओर, *उस* ओर) अब और नहीं भटकूँगा;
वो आंधी हो सकता है फैलकर प्रचंड हो जाए, तेज तूफान,
सभी हो सकता है मुंह मोड़ दे।
लेकिन यीशु में मैं हमेशा के लिए सुरक्षित हूं।

331 जी हां। इनमें से कोई भी चीज मुझे नहीं हिलाती, क्योंकि मैं एक लंगर से बंधा हुआ हूं। “ओह, जब से मैं उससे मिला हूँ,” पौलुस ने कहा, “उस मार्ग पर, मैं एक लंगर से बंधा हुआ हूं। उसने मेरी दिशा बदल दी। उसने मुझे सही राह पर लौटा दिया।” याद रखें, पौलुस भी एक संगठन में से था, जो देश में सबसे बड़ा संगठन था, लेकिन वह परम सत्य से बंधा हुआ था।

332 सुनना। मैं आपको कुछ बताना चाहता हूं। उसका मुझे बचाने का एक उद्देश्य था। उसका आपको बचाने का एक उद्देश्य था। और मैंने उसकी इच्छा के द्वारा, इसे करने के लिए निश्चय किया है; इसमें कुछ जोड़ने या घटाने के लिए नहीं। प्रकाशितवाक्य 22:19, यदि आप इसे लिखना चाहते हैं। तो ठीक है। “जो कोई भी निकालेगा... ” मैंने निश्चय किया है। मैं कलीसिया को छोड़ने पर हूं, और आप यह जानते हो। और इसलिए मैंने दृढ़ निश्चय किया है कि जब तक मैं जीवित हूं, परमेश्वर की सहायता से, इस सुसमाचार के साथ बना रहूँगा। हुंह! याद रखें, यही अनुग्रह है। वहां लाखों लोग पाप में मर रहे थे जब उसने मुझे बचाया। मैं कौन था कि जिसे उसने बचाया? मुझे बचाने का उसका एक उद्देश्य था, और मैंने उस उद्देश्य को पूरा करने के लिए निश्चय किया है। मैं परवाह नहीं करता। हो सकता है, अब बहुत जल्द ही, मेरा अंत हो जाए। लेकिन, यह जो भी है, मैं अब भी लंगर डाले हुए हूं। इसे कभी नहीं बदला।

333 उस दिन सड़क पर जाते हुए श्रीमान इस्लर ने मुझसे कहा, उसने कहा, “बिली, इन सारी परेशानियों में, क्या आपने अपने धर्म का पालन

किया? ”

334 मैंने कहा, “नहीं, श्रीमान। इसने मुझे संभाले रखा।” उम–हूंम। मेरे लंगर ने मुझे थामें रखा। यह सही है। मैंने उसे कभी नहीं संभाले रखा, उसने मुझे संभाले रखा। मैं इसे नहीं रख सकता, मेरे पास इसे करने का कोई तरीका नहीं है, लेकिन यह मुझे संभाले रखता है। जी हां, श्रीमान।

335 मुझे बचाने के पीछे उसका एक उद्देश्य था। जब मैं उसके पास आया, तब लाखों लोग पाप में थे, लेकिन उसने मुझे बचाया। ऐसा करने के पीछे उसका एक उद्देश्य था।

336 मृत्यु के डर के लिए, मसीह की मृत्यु एक परम सत्य थी। मसीह की मृत्यु ने प्रश्न का समाधान कर दिया, जब उस मृत्यु की मधुमक्खी ने उसे डंक मार दिया और उस डंक को गाड़ दिया। आप जानते हैं, एक मधुमक्खी, एक कीड़ा जिसके पास एक डंक होता है, यदि वह कभी उस डंक को काफी गहराई तक डाल दे, जब यह खींचता है, तो यह इसमें से डंक को बाहर निकाल लेता है। मृत्यु के पास हमेशा एक डंक होता है। मृत्यु के पास हमेशा एक डंक होता है।

337 और एक दिन, जब वह कलवरी पर चढ़ने जा रहा था, और रास्ते के पत्थरों के झटकों से, चट्टानों पर लहू के छींटे पड़ रहे थे, जब वह लहू कलवरी की धरती पर, गोलगोथा की ओर जाते हुए गिरा, तब उस क्रूस के पीछे, उस छोटे से, दुर्बल शरीर के लहूलुहान पदचिह्न बनते जा रहे थे, जब वहाँ आगे बढ़ता चला जा रहा था। जब वह पहाड़ी पर चढ़ रहा था, वे उसे कोड़े मार रहे थे और उसे मसल रहे थे, लेकिन उसके पास एक परम सत्य था। वह जानता था कि वह कहां खड़ा है, क्योंकि परमेश्वर का वचन दाऊद के द्वारा कहा गया था, “मैं अपने पवित्र जन को सड़ने नहीं दूंगा, ना ही मैं उसके प्राण को अधोलोक में छोडूंगा।”

338 वह जानता था कि बहत्तर घंटों में सड़ावट शुरू हो जाती है। उसने कहा, “इस मंदिर को ढा दो, और मैं इसे तीन दिनों में फिर से खड़ा करूंगा।” उसके पास एक परम सत्य था।

339 वहां वह पहाड़ी पर चढ़ के जाता है, ढेर सारे उपहास के साथ, नशे में धुत सिपाहियों के थूक के साथ, जिन्होंने उसके चेहरे पर एक कपड़ा बाँध दिया था, और उसके सिर पर मारा, कहा, “तुम एक भविष्यव्यक्ता हो? हमें बताओ कि तुम्हें किसने मारा।” वहां वह लज्ञा और अपमान के

साथ ऊपर पहाड़ी पर चढ़ रहा था। ऐसा हुआ... उसके वस्त्र उससे उतार लिए गए, लज्ञा की कोई परवाह न करते हुए, उसे नग्न अवस्था में लोगों के सामने क्रूस पर लटका दिया गया। बिना किसी अपराध के, सरकारी आदेश से मौत का दंड पाकर, रोमन शासन के तहत अपमानजनक स्थिति में मर रहा था।

340 एक समय एक छोटी सी कहानी थी, कहा, मरियम मगदलीनी वहां पर भागकर गयी और कहा, “उसने क्या किया है? तुम्हारे बीमारों को चंगा किया, मुर्दों को जिलाया, और उन लोगों के लिए छुटकारे को लाया, जो बंधुआई में थे। उसने क्या किया है? ”

341 और एक याजक ने उसके मुंह पर थप्पड़ मारा, यहाँ तक कि लहू बहने लगा, और कहा, “क्या तुम उस स्त्री की बात सुनोगे या अपने महायाजक की सुनोगे? ”

342 ओह, वह सांप्रदायिक संसार, यह इन सभी का एक शाप है। ऐसा ही है।

343 वहां, जी हां, वे उसे आगे ले गए। लेकिन जब वह घसीटता हुआ पहाड़ी पर गया, वह जो था उसे देखते हुए, शैतान ने हमेशा ही इस पर संदेह किया था। कहा, “यदि तू परमेश्वर का पुत्र है, तो इन पत्थरों को रोटी में बदल दे। तू दावा करता हैं कि तू अद्भुत कार्य कर सकता हैं। यदि तू परमेश्वर का पुत्र है, तो इन पत्थरों को रोटी में बदलने की आज्ञा दे।”

344 वही पुराना शैतान आज भी जीवित है। यह सही है। “यदि तू एक दिव्य चंगाकर्ता हैं! यहां पर बूढ़ा जॉन *फलां–और–फलां* यहां कोने पर बैठा हुआ है। मैं जानता हूं कि वह अपाहिज है। उसे चंगा कर।” क्या आप नहीं जानते कि यह वही पुराना शैतान है?

यीशु ने कहा, “मैं केवल... ”

345 देखो, वह बेतहसदा के तालाब के पास से होकर गया, जहां हजारों लोग, लंगड़े, अंधे, अपाहिज, और मुरझाये हुए वहां पड़े थे, और एक व्यक्ति के पास गया जो चल सकता था। वह घूम–फिर सकता था। उसे हो सकता है प्रॉस्टैट ग्रन्थि की समस्या थी। यह जो कुछ भी बीमारी थी, ये लंबे समय से बनी हुई थी। उसे ये बीमारी अड़तीस वर्ष से थी। उसने कहा, “जब मैं तालाब की ओर आ रहा हूं, तो कोई मेरे आगे कदम रख रहा है।” वह चल सकता था।

346 उन सभी को वहां पड़ा हुआ छोड़ दिया, और उसी एक के पास गया और उसे चंगा किया। क्यों? उसने कहा वह जानता था कि वह उस हालत में था। फिर जब उन्होंने उससे कहा, उससे सवाल किया, जब उन्होंने उसे पाया। संत यूहन्ना 5 में, उसने कहा, "मैं तुमसे सच–सच कहता हूं, पुत्र अपने आप से कुछ नहीं कर सकता, केवल जो वह पिता को करते हुए देखता है।" वहां उसका परम सत्य है। वह अब भी परम सत्य है।

347 उस दिन वहां फिनलैंड में खड़ा हुआ था, और वह छोटा लड़का वहां पड़ा हुआ था, और मैं वहां चलकर गया, वह वहां मरा पड़ा हुआ था, आधे घंटे से मरा हुआ था। आप इसे किताब में पढ़े। मैं चलकर दूर जाने लगा, किसी ने अपने हाथो को मुझ पर रखा। मैं घूमा, सोचा, "यह क्या था?" मैंने फिर से देखा। मैंने सोचा, "एक मिनट रुकना।"

348 यहाँ पीछे बाईबल के पहले कोरे पन्ने पर देखा। "और ऐसा होगा कि, एक छोटा सा लड़का जो लगभग नौ वर्ष का है, वह एक मोटर गाड़ी से टकराकर मारा जाएगा। वहां सदाबहार पेड़ो की एक लंबी कतार होगी, उसके बीच चट्टानें दिखाई देंगी। कार सड़क के उस पार पड़ी होगी, क्षतिग्रस्त अवस्था में। वो छोटे–छोटे मोज़े पहने हुए होगा, जैसे, ऊपर तक; एक गोलाकर कटे हुए बाल। उसकी छोटी आंखे ऊपर की ओर चढ़ी हुई होंगी। उसके शरीर की हड्डियां टूटी हुई होंगी।"

मैंने देखा। मैंने सोचा, "हे परमेश्वर!"

349 मैंने कहा, "आप सभी शांत रहे।" वहां शहर का मेयर था। मैंने कहा, "यदि वह लड़का अब से दो मिनट में अपने पैरों पर खड़ा नहीं हुआ, तो मैं एक झूठा भविष्यव्यक्ता हूं; मुझे फिनलैंड से बाहर कर देना।" निश्चित रूप से। "लेकिन यदि वह खड़ा होता है, तो आपका जीवन मसीह के लिए कर्जदार है।" बिलकुल सही। वे शांत खड़े रहे।

350 मैंने कहा, "स्वर्गीय पिता, समुद्र के उस पार, दो वर्ष पहले, आपने कहा था कि यह छोटा लड़का यहां पर पड़ा होगा।"

351 वहां भाई मूर और भाई लिंडसे उसकी ओर देख रहे थे। और, हर कहीं, उन्होंने इसे बाईबल में लिखा था। और देश भर में हजारों बाईबल में इसे लिखा गया था। यह क्या था? एक परम सत्य। पिता ने दिखाया था कि क्या बात जगह लेगी। वहां बिल्कुल कोई भय नहीं था, वहां हुआ खड़ा था। पूरी तरह से, निश्चय होकर, वह जी उठेगा।

352 ठीक वहां फिनलैंड में, जहां हजारों लोग रात के समय में आया करते थे, और कुछ लोगों को यहाँ तक बाहर भी भेजना पड़ता था ताकि मैं उनसे बात कर सकूँ, फिर उन्हें बाहर भेजकर दूसरे लोगों को अंदर लाना पड़ता था। वहां वह खड़ा था, इन सब बातों को साथ। लोगों ने मुझसे प्रेम किया, और उन्होंने चंगाईयों को होते हुए देखा था, लेकिन यहां एक लड़का मरा हुआ पड़ा था। परम सत्य क्या था? वो दर्शन। "मैं वही करता हूं जो पिता कहता है। वह जो मुझ में विश्वास करता है, जो काम मैं करता हूं वह भी करेगा।" यही आपका परम सत्य है।

353 मैंने कहा, "मृत्यु, तू उसे अब और पकड़ कर नहीं रख सकती। परमेश्वर ने बोला है। वापस आ जा। उसे छोड़ दे।" और वो छोटा लड़का उठकर खड़ा हो गया, *इस* तरह से चारों ओर देखने लगा। लोग बेहोश से होने लगे, हलचल मचने लगी। यह वहीं पर है, ठीक वहीं पर उस बात को लिखा गया, और शहर के मेयर के द्वारा, या, एक नोटरी जनता के द्वारा हस्ताक्षर किया गया। यह सही बात है।

354 यह क्या है? एक परम सत्य, यीशु मसीह कल, आज और युगानुयुग एक सा है। क्या यह वही परमेश्वर नहीं है जिसने नाईन की स्त्री को उसके पुत्र के साथ गाड़े जाने से रोका था। उन दिनों में जब कोई भी मरता था, तो उसे तुरंत कब्र में डाल देते थे। उसे वहीं पड़ा रहने नहीं दिया जाता था। उन्होंने उन्हें कब्र में डाल दिया। वहां वही यीशु मसीह है, कल, आज और युगानुयुग एक सा है। जी हां।

355 वहां मेक्सिको में देखें, और उस छोटे बालक को देखे। आप में से कुछ लोग यहीं पर हैं, यहां बैठे हुए हैं। और उस बालक के विषय में, डॉक्टर ने एक बयान पर हस्ताक्षर किया था, यह बात क्रिश्चियन बिजनेसमेन में लिखी हुई है। "वो बालक उस सुबह नौ बजे मर गया था, और यह उसी रात के दस बजे थे।"

356 उस छोटी स्त्री को तसल्ली नहीं मिल रही होगी। बिली, मेरा बेटा वहीं खड़ा हुआ था, उस स्त्री को पीछे करने की कोशिश कर रहा था। और उसके पास, तो, मैं समझता हूं कि वहां दो सौ संचालक खड़े हुए थे, फिर भी वो उनके बीच से निकलकर आगे बढ़ती जा रही थी। एक रात पहले, उस अंधे व्यक्ति को उसकी दृष्टि मिली थी, और वह उस बात को जानती थी। वो कैथोलिक थी।

357 जब, अंत में, मैंने कहा, "भाई मूर, जाओ और उसके लिए प्रार्थना करो। क्योंकि, वह बालक... "

358 काफी बारिश हो रही थी। वे उस सुबह से लेकर वहां पर खड़े थे, बाहर उस बड़े मैदान में प्रतीक्षा कर रहे थे। और मैंने कहा... मुझे रस्सियों के सहारे पीछे की ओर से नीचे उतारा गया, ताकि मैं उस स्थान में प्रवेश कर सकूँ। मैं वहाँ केवल तीन रातों के लिए था।

359 मैं वहां खड़ा रहा। मैंने कहा, "जैसा कि मैं कह रहा था... " प्रचार कर रहा था। और वहां देखा, मैंने यहाँ अपने सामने एक छोटा सा बालक देखा, एक छोटा मेक्सिकन बालक, कोई दांत नहीं, बस वहां बैठा हुआ मुझे देखकर हंस रहा था, ठीक यहाँ मेरे सामने।

360 मैंने कहा, "भाई मूर, एक मिनट रुकिए। उस बहन को यहाँ लाओ।" ओह, परम सत्य!

361 प्रबंधक पीछे हट गए। वह यहाँ आ गई। वह नीचे गिर पड़ी और बोली, "पास्टर, पास्टर।"

मैंने कहा, "खड़ी हो जाओ।"

362 और भाई एस्पिनोजा ने कहा, "खड़ी हो जाओ," और भाई ने उसे स्पेनिश में अनुवाद किया। वह वहां खड़ी हो गई।

मैंने कहा, "स्वर्गीय पिता, मैं यहां इस बारिश में खड़ा हूं।"

363 वह सुंदर, छोटी सी महिला लगभग तेईस वर्ष की थी, कुछ इस तरह से, उसके बाल नीचे लटक रहे थे। उसका छोटा सा चेहरा *इस* तरह से ऊपर की ओर देख रहा था, उसकी आँखों में वो अपेक्षा थी। उसने उस व्यक्ति को देखा था जो लगभग चालीस वर्षों से पूरी तरह से अंधा था, उसकी आंखें मंच पर खुल गई थी। वह जानती थी कि यदि परमेश्वर अंधी आंखें खोल सकता है, तो वह उसके बच्चे को चंगा कर सकता है। बच्ची वहां पर पड़ी हुई थी, एक छोटी सी सख्त चीज इस तरह से एक कंबल के अंदर पड़ी हुई थी, और यह पूरी तरह से भीगी हुई थी। वह सारी सुबह वहां खड़ी हुई थी, और उस दोपहर को भी। वहां, उस रात के लगभग ग्यारह या दस बजे थे, ऐसे ही कुछ तो, उस बच्चे को वहां पकड़े हुए थी। आपने क्रिश्चियन बिज़नेस मेन में वो लेख देखा होगा। वहाँ, उस बच्चे को इस प्रकार से पकड़े हुए।

364 मैंने कहा, “स्वर्गीय पिता, मैं नहीं जानता कि इसका क्या अर्थ है। मैं तो बस आपका सेवक हूं। लेकिन मैंने उस बच्ची को सामने खड़ा हुआ देखा। वह जीवित थी। मैं अपने हाथों को इस पर रखता हूं, प्रभु यीशु के नाम में।”

कहा, “उवां!” और बच्ची रोने लगती है।

365 मां ने बच्चे को पकड़ लिया और जोर से चिल्लाने लगी। और लोग वहाँ चिल्लाने लगे, और स्त्रियाँ बेहोश होने लगी और इत्यादि। मैंने कहा, “तुम इस बारे में कुछ मत कहना। उस बच्चे के साथ एक धावक को भेजें, उस माँ के साथ, और उस डॉक्टर के पास जाकर, और उसे एक बयान पर हस्ताक्षर करने दो, कि, ‘वह बच्चा मरा हुआ था। निमोनिया से उसकी मौत हो गई थी, उससे एक सुबह पहले, और, मेरा मतलब उस सुबह नौ बजे।’”

366 और हमारे पास डॉक्टर का हस्ताक्षर किया गया बयान था, “बच्चे को उस सुबह डॉक्टर के ऑफिस में ‘मृत’ घोषित किया गया था,” और माँ पूरे दिन भर इसे हाथ में लिए हुए थी।

367 यह क्या था? एक परम सत्य। यह क्या था? उसने विश्वास किया, यदि परमेश्वर अंधी आंखें खोल सकता है तो, (क्या?) परमेश्वर मुर्दों को जिला सकता है, क्योंकि वह कल, आज और युगानुयुग एक सा है।

368 मुझे पक्का नहीं था। मैं नहीं जानता था जब तक मैंने नहीं देखा। और जब मैंने बच्चे को देखा, तो ये एक परम सत्य था, यह बिल्कुल सही था। बस यही हुआ। मृत्यु को अपना शिकार छोड़ना पड़ता है।

369 यहां परमेश्वर का पुत्र आया। वह मृत्यु की मधुमक्खी उसके चारों ओर भिनभिनाने लगी। “आह, वह कैसे एक भविष्यव्यक्ता हो सकता है? कैसे वह वहां खड़ा हो सकता है और अपने मुंह पर थूकने दे सकता है? वह वहां कैसे खड़ा रह सकता है, उन्हें उसका उपहास उड़ाने दे रहा है, और इस विषय में कुछ नही करता है? यह इम्मेनुएल नहीं है। यह तो बस एक साधारण सा मनुष्य है। उन नशे में धुत शराबी सिपाहियों से उस पर लगी थूक को देखो। उसके चेहरे से बहते हुए लहू को देखो।”

370 शैतान ने कहा, “मैं उसे ले लूंगा। मैं उसे ले लूंगा।” यहाँ पर वह आता है, एक मधुमक्खी की तरह, मृत्यु का डंक, उसके चारों ओर भिनभिनाती है। लेकिन, भाई, जब उस मधुमक्खी ने अपने डंक को उस इम्मेनुएल के अंदर डाला, जब वो बाहर आया, तो उसने अपना डंक खो दिया, यहां तक उसकी मृत्यु भी हो गई।

371 इसमें कोई आश्चर्य नहीं कि बाद में पौलुस इसका सामना करते हुए कह सका, “हे मौत, तेरा डंक कहां है? कब्र, तेरी विजय कहां है? परमेश्वर का धन्यवाद हो, जिसने हमें जय को दिया है!” मसीह की मृत्यु हर उस व्यक्ति के लिए परम सत्य थी जो उससे डरता था।

372 मेरा ह्रदय उसकी किताब के हर एक वचन के लिए “आमीन” कहता है। मैं बंद कर रहा हूं, अब निश्चित रूप से इतना पर्याप्त है। मुझे बस इसे छोड़ना होगा। समझे?

373 इसलिए मैं जानता हूं कि पवित्र आत्मा मेरा दिशा सूचक है जो मेरा मार्गदर्शक करता है। वही वो एक है जो मुझे बताता है कि यह वचन सत्य है। वह मेरा परम सत्य है, वह मेरा सूर्य का प्रकाश है, वह मेरा जीवन है, वह मेरा लंगर है। जब परेशानी आती है, वह मेरा उत्तर का तारा है। जब मैं भटक जाता हूं, तो पवित्र आत्मा मेरा दिशा सूचक होता है जो मेरा मार्गदर्शक करके उस स्थान पर वापस ले जाता है।

374 वे संप्रदाय दूसरे तारो के समान है, वे संसार के साथ इधर से उधर जाते है। जैसे संसार इधर से उधर जाता है, दूसरे तारे स्थान को बदलते हैं, लेकिन उत्तर का तारा नहीं। संसार जहां चाहे स्थान को बदल सकता है, लेकिन यह स्थिर बना रहता है। ओह, भाई, उत्तर का तारा अटल टिका हुआ है। दूसरे इधर–उधर हो जाते हैं, आप उन्हें *यहां* और *वहां*, और हर कहीं देख सकते हैं। इसी तरह से संप्रदायिक कलीसियाओ के साथ है।

375 लेकिन मसीह परम सत्य है, वही वो एक है जिस पर आप भरोसा कर सकते हैं। जब वे संप्रदाय आपको इधर–उधर घुमा देते है, बस उत्तर के तारे की ओर देखे, पवित्र आत्मा आपका दिशा सूचक है, वह सदा अपने वचन के प्रति सच्चा बना रहता है।

376 जब उन्होंने मुझे बताया कि वे चीजें इस तरह के आधुनिक समय में नहीं हो सकती हैं, मैं जानता था... यदि—यदि वहां यदि—यदि कोई परमेश्वर नहीं है, तो जीये, खाये, पीए, और आनंदित रहे; यदि कोई परमेश्वर है, तो उसकी सेवा करें। और मैं जीवित हूं कि उस दिन को देखूं जब उसने हर एक चीज को पूरा किया, यहां तक कि मरे हुओ को भी जीवित किया, जब वह यहां धरती पर था। और हम जानते हैं कि लिखित और प्रमाणित अभिलेखों के अनुसार, कि यह सच्चाई है। जी हां, श्रीमान।

377 वह मेरा परम सत्य है। अब उसे अपना परम सत्य बनाएं। इसे ले... मेरी

मुसीबत के समय में, वह हमेशा ही परम सत्य है। अब ध्यान दे, परमेश्वर के अनुग्रह से...

378 अब मैं बस इसे बंद करना चाहता हूं, देर हो रही है। तो, यहाँ देखो, मैंने सोचा ग्यारह बजे हैं, और ये तो साढ़े बारह बज रहे हैं।

379 मित्रो, पूरे दिन, पूरी रात, पूरे वर्ष, अनंत काल में से होते हुए, मैं इसके विषय में कभी भी नहीं बोल पाऊंगा। इसे समझने की कोशिश ना करे। आप नहीं कर सकते। इसे समझने का कोई तरीका नहीं है। आप कहते हैं, "भाई ब्रन्हम, यदि—यदि आप... "

380 मैं नहीं जानता। मैं बस विश्वास करता हूं। मैंने कोशिश करना छोड़ दिया है, कि इसके बारे में कुछ भी करूं। मैं बस इसे विश्वास करता हूं, ऐसा ही है। समझे? "ना ही वो जो दौड़ता है, या वो जो चाहता है; यह तो परमेश्वर है जो दया को दिखाता है।" देखा? कामों के द्वारा नहीं। यह अनुग्रह के द्वारा है। समझे? मैं बस इसका विश्वास करता हूं। परमेश्वर, यह उसके ऊपर है कि इसके बाकी को करे। बस इसका विश्वास करें, इस पर कार्य करें।

381 यह प्रसिद्ध गीत, मैंने उन्हें यहाँ या कहीं पर इसे बजाते या गाते हुए सुना है:

> ओह, परमेश्वर का प्रेम, कितना भरपूर और शुद्ध!
> कितना अथाह और गहरा है!
> यह हमेशा के लिए कायम रहेगा,
> संतो और स्वर्गदूतों का गीत।

382 जब कोई व्यक्ति गणित में, समझाने की कोशिश करता है, या अपनी शिक्षा के द्वारा दिखाने की कोशिश करता है, तो वो आपको पागल कर देगा। आप यह नहीं कर सकते। इसे करने की कोशिश मत करना। इसे समझने की कोशिश मत करना। परमेश्वर को समझना असंभव है। आप परमेश्वर को नहीं समझते। आप बस परमेश्वर पर विश्वास करते है। यही वो गुप–... यही वो रहस्य है। इसे मत समझो। बस इस पर विश्वास करो। मैं आपको नहीं बता सकता कि इसका क्या मतलब है। मैं आपको नहीं बता सकता कि इसे कैसे करना है। मैं सिर्फ इतना जानता हूं कि मैं बस इस पर विश्वास करता हूं। बस इतना ही।

383 जैसे कि आप एक छोटे बच्चे से कुछ वादा करते हैं, तो वह इसका विश्वास करता है। आपको अपनी बात को पूरा करना चाहिए। आप परमेश्वर की संतान हो। वह अपना वचन पूरा करता है। बस पूरी तरह से इस पर विश्वास करें। विचलित मत होना। बस ठीक वहीं पर बने रहे। परमेश्वर ने इसे एक बार किया, उसे इसे फिर से करना है। यदि वह ऐसा नहीं करता है, तो वह आपको बताएगा कि वह ऐसा क्यों नहीं कर सकता है। और यह सही है। अब, बस इसके साथ बने रहे।

384 आप जानते हैं, कि वहां एक पद... मैं विश्वास करता हूं कि हमारे बहुमूल्य भाई ने कल रात बपतिस्मा लिया था, वह इस गीत को गाता है, “ओह, परमेश्वर का प्रेम।” उन्होंने मुझे बताया कि वो गीत का पद, इसका यह भाग, एक पागलखाने की संस्था की दीवार पर लिखा हुआ पाया गया था। जब इसने कहा:

> यदि हम स्याही से सागर को भर दे,
> या पूरा आकाश लिखने के लिए चमड़े का कागज बन
>   जाए;
> और धरती पर की हर एक डंठल एक कलम,
> और हर एक व्यक्ति पेशे से एक लेखक हो;
> ऊपर परमेश्वर के प्रेम को लिखने के लिए
> ये समुद्र को सुखा देगा;
> या क्या लेख पत्र में पूरा समा सकता है,
> यदपि आकाश से आकाश तक फैला हुआ है।

385 इस पर सोचे। जब, पृथ्वी का लगभग तीन–चौथाई भाग जल है। और हवा में हाइड्रोजन और ऑक्सीजन को देखें, नमी और चीजें। समझे? यदि हर एक नमी स्याही होती। और अरबों, और खरबों और खरबों तिनको के बारे में सोचिए, जो कि कलम होंगे। और उन अरबों मनुष्यो के विषय में सोचे जो धरती पर रहे हैं, और उनमें से हर एक पेशे से लेखक है। उन कलमो को समुद्र में डुबाकर, और परमेश्वर के प्रेम को समझने की कोशिश करना, ये समुद्र को सुखा देगा; या क्या उस पुस्तक में संपूर्ण समा सकता है, हालाँकि ये अनंतता से अनंतता तक फैला हुआ हो।

386 इसे समझो मत, आप नहीं समझ सकते। इसे समझने की कोशिश करते हुए आप अपना दिमाग खो देंगे। बस इस पर विश्वास करें। उसे अपना परम

सत्य बनाये, वहां बने रहे, मधुर शांति और अनुभव जिसे आप कभी नहीं भूलेंगे। उस पर लंगर डाले, और आपका लंगर पर्दे के भीतर बना रहेगा।

आइये हम अपने सिर को झुकाये।

"आप कितने महान है! आप कितने महान है!"

387 आज सुबह यहां पर कितने लोग है, जो अपने सिरों को झुकाए हुए हैं... यह अब नए साल के नजदीक आ रहा है। और आप बहुत ही धार्मिक रहे हैं, और यह अच्छी बात है। मैं इसकी सराहना करता हूं, आप में से हर एक की। मुझे यकीन है कि परमेश्वर करता है। लेकिन क्या आपके पास सचमुच वो परम सत्य का अनुभव नहीं था?

388 कि कुछ तो ऐसा जिसे आपने विश्वास नहीं किया था, आपने बस कल्पना नहीं की, लेकिन किसी चीज ने आपसे वापस बात की, और फिर आपने उस समय से अपने जीवन में बदलते हुए देखा। देखो, जब परमेश्वर के हर एक वचन, हर एक प्रतिज्ञा, एक "आमीन" के साथ विराम–चिह्न लगाते है, तब आप परम सत्य को पकड़े हुए होते हैं। क्योंकि, याद रखें, उसने कहा, "आकाश और पृथ्वी टल जाएंगे, लेकिन मेरा वचन कभी न टलेगा।"

389 आप अभी तक उस स्थान पर नहीं आए हैं, जहां आप हर एक वचन के लिए "आमीन" कह सके, यदि यह आपके मत–सिद्धांत के विरोध में था, यह आपके संप्रदाय के विरोध में था, लेकिन आप उस स्थान पर आना चाहते हैं, मूसा की तरह, उन बाकी के लोगों की तरह? वे इसे तब तक नहीं कर सकते थे जब तक कि उन्होंने उस परम सत्य को नहीं पकड़ लिया। और आप इसे आज सुबह अपने जीवन में चाहते हैं, तो क्या आप बस अपने हाथों को परमेश्वर की ओर उठाने के द्वारा उसी का संकेत देंगे? परमेश्वर आपको आशीष दे। ठीक है, श्रीमान। पूरी इमारत में।

390 अनुग्रहकारी पिता, मैं जानता हूं कि किसी समय हमें अलग होना ही है। एक समय ऐसा आयेगा कि जब हम इस संसार को छोड़ देंगे। हम नहीं जानते कि यह कौन सा समय है, और इससे बहुत अधिक फर्क नहीं पड़ता है। यदि हमारा समय समाप्त हो गया है, तो हम आना चाहते हैं। यहां रहने का हमारा उद्देश्य आपकी सेवा करना है।

391 और जब से विनाश के मार्ग पर चल रहे थे, एक दिन, जब पौलुस दमिश्क के मार्ग पर था, ताकि कलीसिया को तहस–नहस कर दे, एक

प्रकाश ने उसे अंधा कर दिया। और, हे परमेश्वर, वह प्रकाश उसके पीछे–पीछे गया, क्योंकि यह मसीह था। और उसने वहां एक परम सत्य पर लंगर को डाला, कि, यहां तक कि मृत्यु भी, वो इसके सामने हंस सकता था, और कह सकता था, "परमेश्वर का धन्यवाद हो जो हमें यीशु मसीह के द्वारा जय को देता है।"

392 आप उस प्रेरित के लिए पूर्ण परम सत्य बन जाते हैं। वह था... आप उसके लिए आमीन थे, हर एक वाक्य में। आप उसके जीवन के तारे थे, एक मार्गदर्शक पद। आप दिशा सूचक थे जिसने तूफान में से होकर उसका मार्गदर्शन किया। आप प्रकाशन थे। आप ही वह दर्शन थे। आप उसकी आशाएं थे, उसका उद्धार थे। यहां तक कि मृत्यु की घड़ी में, जब वह जानता था कि वह इसी के लिए जा रहा है, तब भी आप उसके परम सत्य थे।

393 आप दानिय्येल के परम सत्य थे। आप सभी भविष्यव्यक्ताओ के परम सत्य थे। संप्रदायों के मतभेद के बीच में, और उनके दिनों की समस्यायें, और उन फरीसियों और सदूकियों के बीच में, तब भी वहां पर ऐसे लोग थे जिन्होंने आपको अपना परम सत्य माना।

394 और आज, प्रभु, पुरुष और महिलायें दया के साथ, प्रेम के साथ, और—और ह्रदय जो लहूलुहान हैं, प्रभु, परमेश्वर को जानने के एक सच्चे अनुभव को पाने के लिए, और एक—एक—एक परम सत्य का आश्वासन पाने के लिए। हो सकता है सारे लोग इससे पहले हमेशा यही जानते थे, प्रभु, कि कलीसिया से जुड़ना है। और हम महसूस करते हैं, जैसा कि मैंने ईमानदारी से करने की कोशिश की है, ना ही अलग होने के लिए; आप मेरे ह्रदय को जानते हो; लेकिन उन्हें बताने के लिए कि, "आप कलीसिया में जुड़ नहीं सकते। आप लॉज, मेथोडिस्ट, और बैपटिस्ट, और कैथोलिक, और पेंटीकोस्टल लॉज में जुड़ते हैं। लेकिन आप कलीसिया में जन्म लेते हैं, मसीह की रहस्यमयी देह में, और उसकी देह के सदस्य बन जाते हैं, आत्मा के दानो के साथ, ताकि उसकी महान देह क्रिया और सामर्थ में कार्य कर सके।"

395 परमेश्वर, आज सुबह जब ये हाथ ऊपर उठे तो उनका यही अर्थ था। "हे प्रभु, मुझे स्थान में रखे। मुझे लेकर, मुझे ढाले, मुझे बनाये। बस जीवन में मेरे स्थान को एक ऐसा परम सत्य बनाये, मसीह से बंधा हुआ, कि मैं

उस परम सत्य के अलावा और कुछ न सोचूं।” इसे प्रदान करें, प्रभु। उन्हें आशीष दे। बीमारों और पीड़ितों को चंगा करें। खोए हुओं को बचाएं।

396 अब, प्रभु, हम जानते हैं कि यह वेदी पर लोगों को बुलाना परिचित बात है, लेकिन यह हमारे लिए एक परंपरा बन गयी है। और इस सुबह भरी हुई वेदियों के साथ, और—वे छोटे बालक और—और सारे, लेकिन, प्रभु, आपने किसी तरह से उनसे बात की है। उन्होंने अपने हाथों को ऊपर उठाया। उन्होंने ऐसा किया—उन्होंने ऐसा किया, जैसा कि मानो, एक निर्णय को लिया हो। वे चाहते हैं। वे—वे—वे कुछ तो वास्तविक चाहते हैं। और मैं उनकी ओर से अपनी प्रार्थना को अर्पित कर रहा हूं। प्रभु, हर एक को इसे प्रदान करें। अब हमारे साथ होना, हमारे पापों को क्षमा करे, हमारी बीमारियों को चंगा करे, और हमें उस छुटकारे को देते हुए जिसकी हमें आवश्यकता है।

397 और, प्रभु, सारी चीजों से ऊपर, होने पाए हम आज कभी नहीं भूले, कि हम परम सत्य से बंधे हुए हैं, हमारे उत्तर के तारे से, कलवरी से, मसीह से। और पवित्र आत्मा परमेश्वर के वचनों को ले रहा है और उन्हें हमारे लिए वास्तव में प्रगट बना रहा है, बीमारों को चंगा करने के द्वारा, हमें दर्शन दिखाने के द्वारा, मरे हुओं को जिलाने के द्वारा, और ठीक वही कर रहा है जो उसने करने की प्रतिज्ञा की थी।

398 और होने पाए यह कलीसिया, और ये लोग, या मसीह की देह का यह भाग जो आज सुबह यहां इकट्ठा हुआ है, वैसा ही जीवन जीये जैसा यीशु ने जीने को कहा था। “तुम पृथ्वी के नमक हो।” और होने पाए वे इतने नमकीन हो जाये इतना तक कि उनका समुदाय प्यासा हो जाये। नमक प्यास को उत्पन्न करता है। और नमक केवल तभी बचा सकता है जब यह संपर्क में आता है। और मैं प्रार्थना करता हूं, परमेश्वर, कि आप इसे लोगों को प्रदान करेंगे, ताकि वे भी प्राण को जीतने वाले बन सके।

399 हमारे पास्टर, भाई नेविल, इस नम्र सेवक को आशीषित करें, प्रभु। अपने कर्तव्य के पद पर खड़े होकर, मसीह की देह के एक सदस्य के रूप में, बस उतने ही आदरपूर्वक, वो अपनी पूरी कोशिश कर रहे है कि हर एक चीज का पालन करें जो आप उसे करने के लिए कहते है।

400 उन ट्रस्टियों को आशीषित करे, वे लोग जो मेरे साथ इतने अनुग्रहकारी इस महान, अंधकारमय समय में खड़े हुए है, जिसमें से होकर मैं गुजरा हूं।

401 कलीसिया के साथ खड़ा हूं, जिन्होंने मेरे साथ प्रार्थना की और संकट के समय में मेरे साथ खड़े रहे। प्रभु, मैं उनसे प्रेम करता हूं। और मैं अपनी प्रार्थना करता हूं, कि वे आपकी ओर देखें, प्रभु। होने पाए वे एक दास की इस मरणहार मिट्टी से दृष्टि को हटाये। होने पाए वे उसकी ओर देखे, जो सर्वसामर्थी है, जो... और हम जानते हैं, प्रभु, कि हम सीमित हैं। कोई फर्क नहीं पड़ता कि हम कौन हैं, हम फिर भी मरणहार हैं। लेकिन, ना ही संदेशवाहक, लेकिन संदेश। प्रभु, इसे प्रदान करें। यही है जहां हम परमेश्वर के पुत्र यीशु मसीह की ओर संकेत करते हैं। प्रदान करें कि वह आज यहां हर एक के लिए इतना वास्तविक हो जाए, यहां तक कि छोटे बच्चों के लिए, यहां तक कि वह सारी सभा के लोगों का भी परम सत्य बन जाए। हम यीशु के नाम में मांगते हैं। आमीन।

> मैं उससे प्रेम करता हूं, मैं उससे प्रेम करता हूं
> क्योंकि उसने पहले मुझसे प्रेम किया
> और मेरे उद्धार को खरीद लिया
> कलवरी के पेड़ पर।

402 अब, जबकि हम इसे फिर से गाते हैं, तो अपने सामने, पीछे, आपके बगल में किसी के साथ हाथ मिलायें, बस अब हर कोई हाथ मिलाएं। बस बैठे रहे। अब मुड़कर और हाथ मिलाएं, यदि आप कर सकते हैं। समझे?

> मैं... (... ? ...)
> ... मेरे खरीदा... ? ...

उन्होंने अब घोषणा की है, “प्रभु भोज, सोमवार रात, मध्य रात्रि को होगा।”

403 आइए अब अपने हाथों को ऊपर उठाये और उसके लिए गीत गाएं। कितने लोग, आप में से कितने लोग महसूस करते हैं, कि वह आपका परम सत्य है? वो वचन, वो वचन है। क्या आप यह विश्वास करते हैं? वो वचन है। और पवित्र आत्मा उस वचन को अंकुरित करता है, ताकि उस वचन का प्रकाश आप में जीवित हो जाये, जो वचन का प्रमाणित होना है। वचन को अपने हृदय में रखे। पवित्र आत्मा को अंदर आने दे, और वचन को कार्य करते हुए देखे। विश्वास करे। नम्र बने। कुछ तो महान बनने की इच्छा ना रखे। कुछ बनने की इच्छा ना रखे, जिससे कि परमेश्वर आपको कुछ तो बना सके। समझे? तो ठीक है। अब इसे करें।

404 हर कोई उससे प्रेम करता है? कहे, “आमीन।” [सभा कहती है, “आमीन।”—सम्पा।] आप जानते हैं कि *आमीन* शब्द का क्या अर्थ होता है? “ऐसा ही हो।” आमीन। यह सही है।

405 आइए हम कहे, “हाल्लेलुय्या!” [सभा कहती है, “हाल्लेलुय्या!”—सम्पा।] आप जानते हैं इसका क्या अर्थ है? “हमारे परमेश्वर की स्तुति हो।”

406 कुछ समय पहले जब मैं जर्मनी में था, मैं उस दिन लगभग तीस या चालीस हजार लोगों के सामने खड़ा हुआ था, और मैंने कहा, “यह एक अजीब बात है कि आप जर्मन लोग इसे नहीं समझ सकते है।” मैंने कहा, “आज यहां मेरे रास्ते में, एक कुत्ता मुझ पर अंग्रेजी में भौंका। यह सही है।” मैंने कहा, “उसे बिल्कुल भी परेशानी नहीं हुई। और वहां एक चिड़िया बैठी हुई थी, और वह मेरे लिए अंग्रेजी में गा रही थी। मैं सड़क पर आया, और एक मां के हाथ में एक छोटी सी बच्ची थी, जब मैं वहां पीछे आया, और,” मैंने कहा, “वह बच्ची अंग्रेजी में रो रही थी। आप लोगों के साथ क्या मामला है?” यह सही है। ओह, यदि आप बस चारों ओर देखें, तो वह हर जगह है, क्या वह नहीं है? निश्चय ही, वह है।

407 अब आईये हम अपने हाथो को ऊपर उठाये और अपनी आंखें बंद करे, और गाए, जबकि हम पास्टर से कहते है कि वह सभा को समाप्त करने के लिए ऊपर आये।

आइये हम पहले खड़े हो जाए। हर कोई अपने पैरों पर खड़े हो जाये, हर एक जन।

408 क्या आप उससे प्रेम करते हैं? अब फिर से कहे, “आमीन।” [सभा कहती है, “आमीन।”—सम्पा।]

409 और आप जानते हैं, *हाल्लेलुय्या* शब्द हर बोली में एक जैसा है। अफ्रीका के होट्टेन्टोट जंगलों में जाइए, *हाल्लेलुय्या* वही शब्द है। *हाल्लेलुय्या*, इसे लगभग एक मसीही अभिवादन होना चाहिए। क्या ऐसा नहीं होना चाहिए? *हाल्लेलुय्या*, इस शब्द का अर्थ है “हमारे परमेश्वर की स्तुति हो।” और वह इसके योग्य है, क्या वह नहीं है? वह पूरी तरह से मेरा बचाने वाला है। वह पूरी तरह से यीशु मसीह है, मेरे लिए परमेश्वर का पुत्र है। वह पूरी तरह से मेरे लिए “कल, आज और युगानुयुग एक सा है।” क्या वह आपके लिए भी उसी तरह से है?

मैं उससे प्रेम करता हूं, मैं उससे प्रेम करता हूं
क्योंकि उसने पहले मुझसे प्रेम किया
और खरीदा... (परमेश्वर आपको आशीष दे, भाई।)

62-1230M परम सत्य

ब्रंहम टेबरनेकल

जेफ्फ़रसनविल, इंडिआना यू.एस.ए

HINDI

©2026 VGR, ALL RIGHTS RESERVED

VOICE OF GOD RECORDINGS, INDIA OFFICE

19 (NEW NO: 28) SHENOY ROAD, NUNGAMBAKKAM

CHENNAI 600 034, INDIA

044 28274560 • 044 28251791

india@vgroffice.org

VOICE OF GOD RECORDINGS

P.O. BOX 950, JEFFERSONVILLE, INDIANA 47131 U.S.A.

www.branham.org

सर्वाधिकार सूचना

सर्वाधिकार सुरक्षित। इस पुस्तक को व्यक्तिगत उपयोग के लिए घर के प्रिंटर पर छापा जा सकता है या यीशु मसीह के सुसमाचार को फैलाने के लिए एक साधन के रूप में निःशुल्क दिया जा सकता है। वॉयस ऑफ गॉड रिकॉर्डिंग्स® की स्पष्ट लिखित अनुमति के बिना इस पुस्तक को बेचा नहीं जा सकता, बड़े पैमाने पर प्रतिलिपि तैयार नहीं किया जा सकता, वेबसाइट पर पोस्ट नहीं किया जा सकता, पुनर्प्राप्ति प्रणाली में संग्रहीत नहीं किया जा सकता, अन्य भाषाओं में अनुवाद नहीं किया जा सकता, या धन मांगने के लिए उपयोग नहीं किया जा सकता।

अधिक जानकारी या अन्य उपलब्ध सामग्री के लिए कृपया संपर्क करें:

VOICE OF GOD RECORDINGS, INDIA OFFICE
19 (NEW NO: 28) SHENOY ROAD, NUNGAMBAKKAM
CHENNAI 600 034, INDIA
044 28274560 • 044 28251791
india@vgroffice.org

VOICE OF GOD RECORDINGS
P.O. BOX 950, JEFFERSONVILLE, INDIANA 47131 U.S.A.
www.branham.org